website: www.royalpatrika.com
G-mail: royalpatrika@gmail.com
Yahoo: royal_patrika@yahoo.com

R.N.I. No. RAJHIN/2012/48736

दैनिक रॉयल पत्रिका

वर्ष : 14 | अंक : 112 | पेज: 8 | जयपुर, गुरुवार, 02 अप्रैल 2026 | मूल्य: 1.50 रुपये

संक्षिप्त समाचार

केरल चुनाव से पहले सियासी गर्मी तेज

» नितिन नबीन का राहुल गांधी पर हमला

नई दिल्ली (एजेंसी)। केरल में विधानसभा चुनाव से पहले सियासी माहौल गरमा गया है। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष नितिन नबीन ने कन्नूर में रोड शो के दौरान कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर तीखा हमला बोला। उन्होंने विपक्षी दलों पर मिलीभगत और जनता के हितों की अनदेखी करने के आरोप लगाए। नितिन नबीन ने वायंथोड जंक्शन (मट्टनूर) से थलास्सेरी रोड लिंक मॉल जंक्शन तक रोड शो निकालकर शक्ति प्रदर्शन किया। इस दौरान उन्होंने राहुल गांधी के उस आरोप को खारिज किया, जिसमें भाजपा और लेफ्ट डेमोक्रेटिक फ्रंट (एलडीएफ) के बीच सांठगांठ की बात कही गई थी। उन्होंने विपक्षी दलों को 'मैच-फिक्सर' बताते हुए कहा कि चुनाव से पहले ही नतीजों को प्रभावित करने की कोशिश की जा रही है।

सबरीमाला मंदिर मुद्दे को लेकर भी नितिन नबीन ने कांग्रेस नेतृत्व पर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि धार्मिक मुद्दों का राजनीतिकरण किया जा रहा है, जिससे जनता की भावनाएं आहत हो रही हैं। भाजपा को राज्य में मजबूत विकल्प बताते हुए नितिन नबीन ने दावा किया कि केरल की जनता अब बदलाव चाहती है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व पर भरोसा जता रही है। उन्होंने एलडीएफ और यूडीएफ पर लंबे समय तक राज्य के विकास को बाधित करने और भ्रष्टाचार बढ़ाने का भी आरोप लगाया। गौरतलब है कि केरल में विधानसभा चुनाव एक ही चरण में 9 अप्रैल को होंगे, जबकि मतगणना 4 मई को अन्य राज्यों के साथ की जाएगी।

कमर्शियल गैस महंगी, रेस्टोरेंट में खाना पड़ेगा भारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। नए वित्तीय वर्ष की शुरुआत के साथ ही महंगाई ने आम लोगों को बड़ा झटका दिया है। सरकारी पेट्रोलियम कंपनियों ने 1 अप्रैल से 19 किलो वाले कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की कीमत में 195.50 रुपये की बढ़ोतरी कर दी है। इस फैसले के बाद अब होटल और रेस्टोरेंट में खाना महंगा होने की आशंका बढ़ गई है। नई दरों के मुताबिक, दिल्ली में कमर्शियल गैस सिलेंडर की कीमत 1883 रुपये से बढ़कर 2078.50 रुपये हो गई है। गौरतलब है कि 1 मार्च को इसकी कीमत 1768.50 रुपये थी, जो 7 मार्च को बढ़कर 1883 रुपये हो गई थी। इस तरह सिर्फ एक महीने में कुल 310 रुपये की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। अन्य महानगरों में भी कीमतों में इजाफा हुआ है। कोलकाता में सिलेंडर 2208 रुपये, मुंबई में 2031 रुपये और चेन्नई में 2246.50 रुपये तक पहुंच गया है। हालांकि, 14.2 किलो वाले घरेलू एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में फिलहाल कोई बदलाव नहीं किया गया है। दिल्ली में इसकी कीमत 913 रुपये पर स्थिर बनी हुई है। कमर्शियल गैस की कीमत बढ़ने का सीधा असर होटल और रेस्टोरेंट इंडस्ट्री पर पड़ेगा। बढ़ी हुई लागत को देखते हुए संचालक खाने-पीने की चीजों के दाम बढ़ा सकते हैं, जिससे आम लोगों की जेब पर असर पड़ेगा। दरअसल, मिडिल ईस्ट में बढ़ते तनाव—खासतौर पर ईरान, इजराइल और यूनाइटेड स्टेट्स के बीच टकराव—के चलते वैश्विक ऊर्जा संकट गहरा गया है। स्ट्रेट ऑफ़ होर्मुज में सप्लाई प्रभावित होने से अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल और गैस की कीमतें तेजी से बढ़ रही हैं, जिसका असर भारत में भी देखने को मिल रहा है।

असम में पीएम मोदी का कांग्रेस पर तीखा हमला, 'डबल इंजन सरकार' दोहराने का दावा

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को बिस्वनाथ में एक विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने वर्षों तक सत्ता में रहते हुए असम की "आत्मा, शान, पहचान और सुरक्षा" के साथ खिलवाड़ किया। प्रधानमंत्री ने आगामी विधानसभा चुनावों को लेकर बड़ा दावा करते हुए कहा कि राज्य में एक बार फिर भाजपा की "डबल इंजन सरकार" बनेगी। उन्होंने कहा कि जनता का यह भरोसा बीते वर्षों में हुए विकास कार्यों का परिणाम है और असम अब तेज़ी से प्रगति की राह पर आगे बढ़ रहा है।

घुसपैठ और जमीन कब्जे का मुद्दा

पीएम मोदी ने कांग्रेस पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि पार्टी ने अपने वोट बैंक की राजनीति के लिए अवैध घुसपैठ को बढ़ावा दिया। उन्होंने कहा कि इसके कारण राज्य में लाखों बीघा जमीन पर अवैध कब्जे हुए, जिससे स्थानीय लोगों के अधिकार प्रभावित हुए। उन्होंने यह भी कहा कि मौजूदा सरकार ऐसे मामलों पर सख्ती से कार्रवाई कर रही है।

'कांग्रेस विकास विरोधी पार्टी'

प्रधानमंत्री ने कांग्रेस को "विकास विरोधी" बताते हुए कहा कि आज़ादी के बाद से ही यह पार्टी भ्रष्टाचार की जननी रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस के शासन में असम के जंगल, अभयारण्य और वन्यजीव भी सुरक्षित नहीं रहे।

भूपेन हजारिका को याद किया

पीएम मोदी ने असम के महान कलाकार भूपेन हज़ारिका का जिक्र करते हुए कहा कि राज्य की जनता उनके अपमान को आज भी नहीं भूली है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने उन्हें भारत रत्न देकर सम्मानित किया, जो असम की संस्कृति के प्रति सम्मान का प्रतीक है।

इंफ्रास्ट्रक्चर और रोजगार पर जोर

प्रधानमंत्री ने कहा कि विकसित असम के निर्माण के लिए आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर बेहद जरूरी है। उन्होंने बताया कि सड़कों, पुलों और रेलवे नेटवर्क को मजबूत किया जा रहा है, जिससे खेती, उद्योग और पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा। इससे युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर भी पैदा होंगे।

ब्रह्मपुत्र के नीचे सुरंग परियोजना

ब्रह्मपुत्र रिवर के नीचे बन रही सड़क और रेल सुरंग परियोजना का जिक्र करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि यह प्रोजेक्ट राज्य की कनेक्टिविटी को नई ऊंचाई देगा। इससे आर्थिक गतिविधियों को भी गति मिलेगी और लोगों की आवाजाही आसान होगी।

ऊर्जा क्षेत्र में असम की बढ़ती भूमिका

प्रधानमंत्री ने कहा कि असम कच्चे तेल के उत्पादन में नए रिकॉर्ड बना रहा है। पेट्रोल, डीजल और गैस उत्पादन में वृद्धि से देश की ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने में अहम योगदान मिल रहा है। उन्होंने भरोसा जताया कि आने वाले समय में असम ऊर्जा क्षेत्र में और मजबूत भूमिका निभाएगा। कुल मिलाकर, पीएम मोदी का यह संबोधन चुनावी माहौल में भाजपा की रणनीति और विकास एजेंडे को स्पष्ट करता है, वहीं कांग्रेस पर उनके तीखे हमले राजनीतिक तापमान को और बढ़ाने वाले साबित हो रहे हैं।

किसान हित सर्वोपरि:

योगी सरकार ने मुआवजा प्रक्रिया तेज करने के दिए निर्देश

यूपी। उत्तर प्रदेश में बेमौसम बारिश से प्रभावित किसानों को राहत देने के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रशासन को सख्त निर्देश दिए हैं। बुधवार को उन्होंने कई जिलों की स्थिति की समीक्षा करते हुए अधिकारियों से किसानों तक तत्काल मदद पहुंचाने को कहा। मुख्यमंत्री ने असमय बारिश से फसलों को हुए नुकसान पर जिलाधिकारियों से विस्तृत रिपोर्ट मांगी है। उन्होंने स्पष्ट किया कि किसानों की समस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर हल किया जाए और किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सीएम योगी ने सभी अधिकारियों को अलर्ट मोड में रहने के निर्देश दिए और कहा कि मौसम की मार झेल रहे किसानों को किसी तरह की परेशानी नहीं होनी चाहिए। उन्होंने दोहराया कि किसान हित सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। फसल नुकसान के आकलन के लिए मुख्यमंत्री ने राजस्व विभाग, कृषि विभाग और बीमा कंपनियों को संयुक्त सर्वे करने के निर्देश दिए हैं। यह सर्वे जल्द पूरा कर रिपोर्ट शासन को भेजी जाएगी, ताकि मुआवजा वितरण में देरी न हो। इसके साथ ही उन्होंने अधिकारियों को संवेदनशीलता के साथ काम करने और फील्ड में जाकर वास्तविक स्थिति का आकलन करने को कहा। प्रमुख सचिव (कृषि) और राहत आयुक्त को भी निर्देशित किया गया है कि वे जमीनी स्तर के अधिकारियों से सीधा संपर्क बनाए रखें। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि जैसे ही नुकसान का आकलन पूरा हो, मुआवजा प्रक्रिया तुरंत शुरू कर दी जाए और भुगतान समयबद्ध तरीके से सुनिश्चित किया जाए, ताकि किसानों को जल्द राहत मिल सके।

IndiGo ने बढ़ाया फ्यूल सरचार्ज, लंबी दूरी के टिकट पर बड़ा असर

नई दिल्ली। मिडिल ईस्ट में जारी तनाव और एयर टर्बाइन फ्यूल (ATF) की बढ़ती कीमतों का असर अब हवाई यात्रियों पर साफ दिखने लगा है। देश की प्रमुख एयरलाइन IndiGo ने घरेलू और अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के लिए फ्यूल सरचार्ज में फिर बढ़ोतरी की है। नई दरें 2 अप्रैल से की गई सभी बुकिंग पर लागू होंगी। घरेलू उड़ानों में अब फ्यूल चार्ज दूरी के आधार पर तय किया गया है। 500 किमी तक ₹275, 500-1000 किमी ₹400, 1000-1500 किमी ₹600, 1500-2000 किमी ₹800 और 2000 किमी से ज्यादा दूरी पर ₹950 तक चार्ज लिया जाएगा। इससे छोटी दूरी के यात्रियों को थोड़ी राहत मिली है, लेकिन लंबी दूरी की यात्रा महंगी हो गई है। अंतरराष्ट्रीय उड़ानों में स्थिति और ज्यादा गंभीर है। मिडिल ईस्ट रूट पर फ्यूल चार्ज ₹3000 से ₹5000, साउथ एशिया और चीन के लिए ₹3500 से ₹5000, जबकि यूरोप रूट पर ₹10,000 तक पहुंच गया है। महज तीन हफ्तों में यह तीन से चार गुना तक बढ़ चुका है। सरकार ने घरेलू उड़ानों पर आंशिक नियंत्रण रखते हुए केवल 25% तक बढ़ोतरी की अनुमति दी है, लेकिन अंतरराष्ट्रीय रूट पर कोई सीमा नहीं है। ऐसे में यात्रियों को अब टिकट के लिए पहले से ज्यादा खर्च करना पड़ेगा।

असम में सियासी संग्राम तेज

प्रियंका गांधी का हिमंता सरकार पर हमला, बोलीं– "माफियाओं के चंगुल में राज्य"

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने असम में चुनावी माहौल के बीच मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा और भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने आरोप लगाया कि संसाधनों से समृद्ध राज्य में "केवल एक ही परिवार सब कुछ लूट रहा है, जबकि आम जनता के हिस्से कुछ भी नहीं आ रहा।" नाजिरा में कांग्रेस उम्मीदवार देबब्रत सैकिया के समर्थन में रैली को संबोधित करते हुए प्रियंका गांधी ने कहा कि असम में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार हो रहा है। उन्होंने चिटफंड, स्मार्ट सिटी योजना और एनसी हिल्स जैसे पुराने घोटालों का जिक्र करते हुए भाजपा सरकार पर निशाना साधा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर भी हमला बोलते हुए उन्होंने कहा कि "डबल इंजन सरकार" असल में "दोहरी गुलामी" बन चुकी है, जहां एक तरफ मोदी और दूसरी तरफ मुख्यमंत्री उनके अधीन काम कर रहे हैं। प्रियंका गांधी ने चाय बागान श्रमिकों का मुद्दा उठाते हुए कहा कि सरकार उनकी रोज़ाना मजदूरी बढ़ाने के वादे को पूरा नहीं कर पाई है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि जनजातीय समुदायों को अनुसूचित जनजाति का दर्जा देने का वादा भी अधूरा रह गया। महिलाओं के संदर्भ में उन्होंने दावा किया कि 'अरुणोदय' जैसी योजनाओं से नाम हटाने की धमकी देकर उन्हें जनसभाओं में लाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार डर और दबाव के जरिए शासन कर रही है। तिंगखोंग में दूसरी रैली के दौरान प्रियंका गांधी ने कहा कि असम "माफियाओं और गिरोहों के चंगुल में फंसा हुआ है।" उन्होंने राज्य के प्राकृतिक संसाधनों—जमीन, खदानें और वन—का जिक्र करते हुए कहा कि इनके बावजूद आम जनता को लाभ नहीं मिल रहा। इस दौरान उन्होंने दिवंगत असमिया गायक ज़ुबीन गर्ग का भी उल्लेख किया और आरोप लगाया कि उनकी मौत के मामले में सरकार न्याय दिलाने में नाकाम रही है। गौरतलब है कि असम विधानसभा की 126 सीटों के लिए 9 अप्रैल को मतदान होना है, जबकि नतीजे 4 मई को घोषित किए जाएंगे।

ईंधन आपूर्ति सामान्य, LPG पर कोई असर नहीं: केंद्र

नई दिल्ली। मिनिस्ट्री ऑफ़ पेट्रोलियम एंड नेचुरल गैस ने साफ किया है कि देश में पेट्रोल, डीजल और एलपीजी की कोई कमी नहीं है। संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने बताया कि सभी रिफाइनरियां पूरी क्षमता पर काम कर रही हैं और रिटेल स्तर पर किसी तरह की कमी की रिपोर्ट नहीं है। उन्होंने कहा कि ब्रेंट क्रूड की कीमत 100 डॉलर प्रति बैरल पार होने के बावजूद घरेलू उपभोक्ताओं के लिए पेट्रोल-डीजल की कीमतें स्थिर रखी गई हैं, हालांकि तेल कंपनियों को अंडर रिकवरी झेलनी पड़ रही है। एलपीजी को लेकर भी सरकार ने राहत दी है। अंतरराष्ट्रीय कीमतों में 44% तक बढ़ोतरी के बावजूद घरेलू सिलेंडर के दाम नहीं बढ़ाए गए हैं, जबकि कंपनियों को प्रति सिलेंडर करीब 380 रुपये का नुकसान हो रहा है। सरकार ने प्राकृतिक गैस नेटवर्क का विस्तार करते हुए मार्च में 3.3 लाख नए PNG कनेक्शन भी जारी किए हैं।

शराब नीति मामला:

हाई कोर्ट ने अरविंद केजरीवाल को भेजा नोटिस, 29 अप्रैल को अगली सुनवाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली की बहुचर्चित शराब नीति मामले में एक बार फिर कानूनी हलचल तेज हो गई है। अरविन्द केजरीवाल को दिल्ली हाई कोर्ट ने नोटिस जारी कर उनका पक्ष मांगा है। यह नोटिस एनफोर्समेंट डायरेक्टरेट (प्रवर्तन निदेशालय) द्वारा दायर याचिका पर जारी किया गया है, जिसमें निचली अदालत के उस फैसले को चुनौती दी गई है, जिसमें केजरीवाल को समन की अवहेलना के मामले में बरी कर दिया गया था। दरअसल, ईडी ने आरोप लगाया था कि केजरीवाल ने आबकारी नीति से जुड़े धन शोधन (मनी लॉन्ड्रिंग) मामले में जांच एजेंसी द्वारा जारी समन का पालन नहीं किया और पूछताछ के लिए पेश होने से बचते रहे। इस संबंध में ईडी ने राउज एवेन्यू अदालत में शिकायत दर्ज कराई थी।

हालांकि, निचली अदालत ने 22 जनवरी को अपने फैसले में कहा कि एजेंसी यह साबित करने में विफल रही कि केजरीवाल ने जानबूझकर समन का उल्लंघन किया है, जिसके चलते उन्हें बरी कर दिया गया। अब इसी फैसले के खिलाफ ईडी ने उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया है। मामले की सुनवाई करते हुए जस्टिस स्वर्ण कांता शर्मा ने केजरीवाल को नोटिस जारी करते हुए कहा कि उन्हें अग्रिम सूचना मिलने के बावजूद पेश न होने का विकल्प चुना गया। अदालत ने निर्देश दिया कि इस मामले की अगली सुनवाई 29 अप्रैल को की जाएगी। ईडी का दावा है कि केजरीवाल ने जानबूझकर जांच प्रक्रिया से दूरी बनाई और समन पर अमल नहीं किया। एजेंसी के अनुसार, उन्होंने ऐसे तर्क पेश किए जिनका उद्देश्य केवल जांच से बचना था। ईडी यह भी आरोप लगा चुकी है कि आबकारी नीति के निर्माण में कथित तौर पर कुछ आरोपियों और आम आदमी पार्टी के नेताओं के बीच मिलीभगत थी, जिसके तहत नीति तैयार करने के बदले अनुचित लाभ और रिश्वत का लेन-देन हुआ। वहीं, निचली अदालत ने अपने फैसले में स्पष्ट कहा था कि ईडी के पास ऐसा कोई ठोस सबूत नहीं है, जिससे यह साबित हो सके कि केजरीवाल ने जानबूझकर समन की अवहेलना की। अदालत ने यह भी माना कि केवल आरोपों के आधार पर किसी को दोषी नहीं ठहराया जा सकता, जब तक कि उसे प्रमाणित न किया जाए। गौरतलब है कि यह पूरा मामला दिल्ली सरकार की अब रद्द की जा चुकी आबकारी नीति से जुड़ा है, जिस पर लंबे समय से राजनीतिक और कानूनी विवाद जारी है। इस मामले में मनीष सिसोदिया समेत कई अन्य नेताओं और व्यक्तियों के नाम भी सामने आए हैं। फिलहाल, केजरीवाल धन शोधन से जुड़े एक अन्य मामले में अंतरिम जमानत पर हैं। इस संदर्भ में सुप्रीम कोर्ट ने गिरफ्तारी की आवश्यकता से जुड़े महत्वपूर्ण कानूनी सवालों को एक बड़ी पीठ के पास विचार के लिए भेज रखा है। इसके अलावा, 27 फरवरी को निचली अदालत ने केजरीवाल, मनीष सिसोदिया और 21 अन्य आरोपियों को केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) के मामले में बरी कर दिया था, यह कहते हुए कि एजेंसी का मामला न्यायिक जांच में पूरी तरह विफल और निराधार साबित हुआ। हालांकि, Central Bureau of Investigation (सीबीआई) ने इस फैसले को भी उच्च न्यायालय में चुनौती दी है, जिस पर अभी सुनवाई लंबित है। अब इस पूरे मामले में सभी की निगाहें 29 अप्रैल को होने वाली सुनवाई पर टिकी हैं, जहां उच्च न्यायालय के समक्ष केजरीवाल अपना पक्ष रखेंगे। यह सुनवाई न केवल इस मामले की दिशा तय करेगी, बल्कि देश की राजनीति पर भी इसका व्यापक असर देखने को मिल सकता है।

दिल्ली में हर घर तक पाइपलाइन गैस पहुंचाने की तैयारी तेज

» 4 लाख नए PNG कनेक्शन का लक्ष्य

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजधानी दिल्ली में बढ़ती ऊर्जा जरूरतों और एलपीजी सप्लाई में आ रही दिक्कतों के बीच सरकार ने एक बड़ा कदम उठाया है। दिल्ली सरकार ने अब हर घर तक पाइपलाइन के जरिए प्राकृतिक गैस (PNG) पहुंचाने की योजना को मिशन मोड में लागू करने का फैसला लिया है। इसके तहत जल्द ही 4 लाख नए पीएनजी कनेक्शन देने का लक्ष्य तय किया गया है। दरअसल, पश्चिम एशिया में जारी तनाव और 'होर्मुज स्ट्रेट' में आई रुकावटों के कारण एलपीजी सप्लाई प्रभावित हुई है। इसी को देखते हुए सरकार ने साफ-सुथरे और सुरक्षित ईंधन के विकल्प के तौर पर पीएनजी नेटवर्क को तेजी से विस्तार देने का निर्णय लिया है। यह कदम न सिर्फ ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करेगा, बल्कि आम लोगों को भी राहत देगा। दिल्ली में पहले से ही करीब 14 लाख घरों तक पीएनजी कनेक्शन पहुंच चुका है। अब सरकार का लक्ष्य इसे बढ़ाकर लगभग 18 लाख तक ले जाने का है। यानी करीब 4 लाख नए घरों को जल्द ही पाइपलाइन गैस से जोड़ा जाएगा। इस दिशा में काम को तेज करने के लिए संबंधित विभागों और एजेंसियों को स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं। शहरी विकास मंत्री आशीष सूद ने हाल ही में इंद्रप्रस्थ गैस लिमिटेड (आईजीएल), शहरी विकास विभाग और अन्य संबंधित एजेंसियों के साथ एक अहम बैठक की। इस बैठक में उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि बाकी बचे 4 लाख कनेक्शनों को जल्द से जल्द पूरा किया जाए। साथ ही, लोगों को पीएनजी अपनाने के लिए जागरूक करने हेतु "घर-घर अभियान" चलाने पर भी जोर दिया गया। मंत्री ने कहा कि पीएनजी न केवल सुरक्षित है, बल्कि यह पर्यावरण के लिहाज से भी बेहतर विकल्प है। पाइपलाइन गैस से सिलेंडर की झंझट खत्म हो जाती है और लगातार गैस सप्लाई मिलती रहती है, जिससे लोगों की रोजमर्रा की जिंदगी आसान होती है। गौरतलब है कि पूरे देश में भी पीएनजी कनेक्शन तेजी से बढ़ाए जा रहे हैं। मार्च महीने में ही 3.1 लाख से ज्यादा नए कनेक्शन के लिए गैस सप्लाई शुरू की गई, जबकि करीब 2.7 लाख नए कनेक्शन और जोड़े गए। इससे साफ है कि सरकार स्वच्छ ईंधन को बढ़ावा देने के लिए गंभीरता से काम कर रही है। कुल मिलाकर, दिल्ली में पीएनजी नेटवर्क का विस्तार न सिर्फ मौजूदा गैस संकट से निपटने में मदद करेगा, बल्कि आने वाले समय में एक स्थायी और सुरक्षित ऊर्जा व्यवस्था भी सुनिश्चित करेगा।

रॉयल पत्रिका

संपादकीय....

क्या युद्ध से बाहर निकलने की राह पर ट्रम्प?

अमेरिकी राजनीति और वैश्विक कूटनीति के मौजूदा हालात एक दिलचस्प मोड़ पर खड़े दिखाई दे रहे हैं। डोनाल्ड ट्रम्प और उनकी प्रशासनिक टीम के हालिया संकेत यह बताते हैं कि अमेरिका अब युद्ध की आग को ठंडा करने की दिशा में कदम बढ़ा सकता है। यह बदलाव अचानक नहीं, बल्कि घरेलू दबाव, गिरती लोकप्रियता और आने वाले मध्यावधि चुनावों के मद्देनज़र मजबूरी में लिया गया फैसला प्रतीत होता है। दरअसल, पिछले कुछ समय से अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ता तनाव न केवल क्षेत्रीय स्थिरता के लिए खतरा बना हुआ है, बल्कि वैश्विक अर्थव्यवस्था को भी प्रभावित कर रहा है। खासकर स्ट्रेट ऑफ़ होर्मुज जैसे महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग का बंद होना या बाधित होना दुनिया भर के देशों के लिए चिंता का विषय है। इसी मार्ग से दुनिया का बड़ा हिस्सा तेल आपूर्ति पर निर्भर है, और इसकी रुकावट ने यूरोप, भारत और चीन जैसे देशों की अर्थव्यवस्था पर गहरा असर डाला है। ट्रम्प प्रशासन की रणनीति अब साफ तौर पर बदलती दिख रही है। एक ओर जहां अमेरिका ईरान के सैन्य ठिकानों पर हमले कर अपनी ताकत का प्रदर्शन कर रहा है, वहीं दूसरी ओर वह इस संघर्ष को "जीत" के रूप में प्रस्तुत कर पीछे हटने की जमीन भी तैयार कर रहा है। व्हाइट हाउस की ओर से यह संदेश दिया जा रहा है कि ईरान के सैन्य ढांचे को काफी नुकसान पहुंचाया जा चुका है, जिससे अमेरिकी जनता के सामने यह तर्क रखा जा सके कि अभियान अपने उद्देश्य में सफल रहा। असल में, यह पूरा घटनाक्रम राजनीति और कूटनीति के उस संतुलन को दर्शाता है, जहां युद्ध केवल मैदान में नहीं बल्कि जनमत और चुनावी गणित में भी लड़ा जाता है। अमेरिका में बढ़ते जनांदोलन और ट्रम्प की गिरती साख ने यह स्पष्ट कर दिया है कि लंबा युद्ध उनके लिए राजनीतिक रूप से नुकसानदेह साबित हो सकता है। ऐसे में बिना शर्त युद्धविराम का विकल्प उनके लिए "डैमेज कंट्रोल" का रास्ता बनता नजर आ रहा है। एक और महत्वपूर्ण पहलू यह है कि ट्रम्प अब होर्मुज मार्ग खोलने की जिम्मेदारी सीधे तौर पर प्रभावित देशों पर डालने की रणनीति बना सकते हैं। इससे अमेरिका खुद को सीधे संघर्ष से अलग दिखाने की कोशिश करेगा और वैश्विक समुदाय पर दबाव डालेगा कि वे अपनी आर्थिक हितों की रक्षा के लिए आगे आएं। यह एक तरह से जिम्मेदारी का विकेंद्रीकरण है, लेकिन इसके पीछे अमेरिका की अपनी रणनीतिक थकान भी झलकती है। हालांकि, यह भी सच है कि युद्ध से पीछे हटना हमेशा कमजोरी का संकेत नहीं होता, बल्कि कई बार यह दूरदर्शिता का परिचायक भी होता है। अगर ट्रम्प इस संघर्ष को समाप्त कर अपनी छवि "शांति के मसीहा" के रूप में पेश करते हैं, तो यह उनके राजनीतिक भविष्य के लिए फायदेमंद हो सकता है।

जेलों में मौतें, आत्महत्याएं

अव्यवस्थाएं व सलाखों के पीछे भी असुरक्षित जीवन

ललित गर्ग

वैश्विक स्तर पर आधुनिक लोकतांत्रिक समाज में जेल का उद्देश्य केवल अपराधी को दंडित करना नहीं, बल्कि उसे सुधारना और पुनर्वास के लिए तैयार करना भी होता है। परंतु जब जेलें स्वयं ही भय,बीमारी और उपेक्षा का केंद्र बन जाएं,तो यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि क्या हम वास्तव में न्याय कर रहे हैं या एक और अन्याय को जन्म दे रहे हैं? सलाखों के पीछे भी सेफ नहीं? यह केवल एक भावनात्मक प्रश्न नहीं,बल्कि कठोर वास्तविकता का दर्पण है।अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार मानकों के अनुसार,कैदियों से उनका स्वतंत्रता का अधिकार तो छीना जा सकता है,लेकिन उनका जीवन, स्वास्थ्य और गरिमा का अधिकार नहीं। इसके बावजूद भारत सहित दुनियाँ के कई देशों में जेलों की स्थिति चिंताजनक बनी हुई है। उन्हें पर्याप्त भोजन, स्वच्छ पानी, स्वास्थ्य सुविधाएं और मानसिक स्वास्थ्य सहायता मिलनी चाहिए। लेकिन व्यवहारिक धरातल पर इन सिद्धांतों और वास्तविकता के बीच गहरी खाई दिखाई देती है। जेलें, जो सुधार गृह मानी जाती हैं,अक्सर प्रताड़ना, हिंसा और उपेक्षा के केंद्र बन जाती हैं। यह स्थिति केवल विकासशील देशों तक सीमित नहीं है, बल्कि विकसित देशों में भी कई बार ऐसी घटनाएं सामने आती रही हैं। भारत में जेलों की भीड़ एक गंभीर संरचनात्मक संकट को समझने की करें तो,भारत की जेल व्यवस्था की सबसे बड़ी समस्या है,क्षमता से अधिक भीड़। कई राज्यों में जेलों की ऑक्यूपेंसी दर 150 प्रतिशत से लेकर 200 प्रतिशत तक पहुंच चुकी है।

उदाहरण के तौर पर, दिल्ली की जेलों में 200 प्रतिशत तक कैदी भरे हुए हैं, जबकि उत्तर प्रदेश, बिहार और मध्य प्रदेश में यह आंकड़ा 150 प्रतिशत से अधिक है। इस भीड़ का सबसे बड़ा कारण है विचाराधीन कैदियों की अत्यधिक संख्या। आंकड़ों के अनुसार, भारत के लगभग 73.5 प्रतिशत कैदी ऐसे हैं जिनका अभी दोष सिद्ध नहीं हुआ है और वे केवल ट्रायल का इंतजार कर रहे हैं। यह स्थिति न्यायिक प्रणाली की धीमी गति और मामलों के लंबित रहने का सीधा परिणाम है। न्यायिक देरी के कारण कई कैदी अपने संभावित सजा से अधिक समय जेल में बिता देते हैं। यह न केवल उनके मौलिक अधिकारों का उल्लंघन है, बल्कि न्याय व्यवस्था की विश्वसनीयता पर भी सवाल खड़ा करता है।जेलों में स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति अत्यंत दयनीय है। डॉक्टरों और चिकित्सा कर्मचारियों के लगभग 30-40 प्रतिशत पद खाली हैं। दिल्ली जैसी जगहों पर प्रति 200 कैदियों पर केवल एक डॉक्टर उपलब्ध है। इसका परिणाम यह होता है कि गंभीर बीमारियों का समय पर इलाज नहीं हो पाता। अस्वच्छता और भीड़भाड़ के कारण टीबी, एचआईवी और हेपेटाइटिस जैसी संक्रामक बीमारियां तेजी से फैलती हैं। वर्ष 2024 के पहले नौ महीनों में भारत में न्यायिक हिरासत में 1,558 मौतें दर्ज की गई,यह आंकड़ा केवल संख्या नहीं, बल्कि एक गंभीर मानवीय संकट का संकेत है। इन मौतों के पीछे मुख्य कारण हैं,बीमारियां, आत्महत्याएं और चिकित्सा सुविधाओं की बहुत हद तक कमी। एक राज्य, कई सवाल इसको समझने की करें तो छत्तीसगढ़ की जेलों में पिछले चार वर्षों में 285 कैदियों की मौत का मामला पूरे देश को झकझोर देने वाला है। इनमें से 90 मौतें केवल 2022 में हुई और 66 मौतें जनवरी 2025 से जनवरी 2026 के बीच दर्ज की गई। राज्य सरकार ने इन मौतों के पीछे आत्महत्या और गंभीर बीमारियों को कारण बताया है। इस मामले में राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने स्वतः संज्ञान लेते हुए राज्य सरकार से विस्तृत रिपोर्ट मांगी है। आयोग ने जेलों में भीड़भाड़, डॉक्टरों की कमी और प्रशासनिक लापरवाही को संभावित कारण बताया है। यदि ये आरोप सही पाए जाते हैं,तो यह मानवाधिकारों का गंभीर उल्लंघन माना जाएगा। हम न्यायपालिका की सक्रियता सुधार की दिशा में कदम को समझने की करें तो हाल ही में सुप्रीम कोर्ट ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को जेलों की स्थिति पर ताजा आंकड़े प्रस्तुत करने का निर्देश 26 मई 2026 तक सबमिट करने को दिया है। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और संदीप मेहता की पीठ ने जेलों कीक्षमता भीड़भाड़ और महिला कैदियों के लिए उपलब्ध सुविधाओं का विस्तृत विवरण मांगा है। यह कदम दर्शाता है कि न्यायपालिका इस मुद्दे को गंभीरता से ले रही है। विशेष रूप से महिला कैदियों और उनके साथ रहने वाले बच्चों की स्थिति पर ध्यान देना एक सकारात्मक पहल है, क्योंकि

> **आयोग ने जेलों में भीड़भाड़, डॉक्टरों की कमी और प्रशासनिक लापरवाही को संभावित कारण बताया है। यदि ये आरोप सही पाए जाते हैं,तो यह मानवाधिकारों का गंभीर उल्लंघन माना जाएगा। हम न्यायपालिका की सक्रियता सुधार की दिशा में कदम को समझने की करें तो हाल ही में सुप्रीम कोर्ट ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को जेलों की स्थिति पर ताजा आंकड़े प्रस्तुत करने का निर्देश 26 मई 2026 तक सबमिट करने को दिया है। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और संदीप मेहता की पीठ ने जेलों कीक्षमता भीड़भाड़ और महिला कैदियों के लिए उपलब्ध सुविधाओं का विस्तृत विवरण मांगा है। यह कदम दर्शाता है कि न्यायपालिका इस मुद्दे को गंभीरता से ले रही है। विशेष रूप से महिला कैदियों और उनके साथ रहने वाले बच्चों की स्थिति पर ध्यान देना एक सकारात्मक पहल है, क्योंकि यह वर्ग अक्सर नीति निर्माण में उपेक्षित रह जाता है। इस अदृश्य संकट समझने की बात करें तो जेलों में मानसिक स्वास्थ्य एक बड़ा लेकिन अनदेखा मुद्दा है। भीड़भाड़, पारिवारिक दूरी, सामाजिक कलंक और अनिश्चित भविष्य कैदियों को मानसिक रूप से कमजोर बना देता है। यही कारण है कि जेलों में आत्महत्या के मामले लगातार बढ़ रहे हैं...**

यह वर्ग अक्सर नीति निर्माण में उपेक्षित रह जाता है। इस अदृश्य संकट समझने की बात करें तो जेलों में मानसिक स्वास्थ्य एक बड़ा लेकिन अनदेखा मुद्दा है। भीड़भाड़, पारिवारिक दूरी, सामाजिक कलंक और अनिश्चित भविष्य कैदियों को मानसिक रूप से कमजोर बना देता है। यही कारण है कि जेलों में आत्महत्या के मामले लगातार बढ़ रहे हैं।ग्लोबल प्रिजन ट्रेंड्स 2025 रिपोर्ट के अनुसार, दुनिया भर में जेलों के भीतर आत्महत्या और हिंसा के मामलों में वृद्धि हुई है। यह केवल एक देश की समस्या नहीं, बल्कि वैश्विक स्तर पर जेल सुधार की आवश्यकता को दर्शाता है। एक नई पहल इसको समझने की करें तो, कैदियों के मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाने के लिए संचार के साधनों को बढ़ाना आवश्यक है। इसी दिशा में भारत सरकार के रक्षा मंत्रालय द्वारा एक प्रस्ताव लाया गया है, जिसमें कैदियों को अपने परिवारजनों से मुफ्त वीडियो और ऑडियो कॉल के माध्यम से संवाद करने की अनुमति देने की बात कही गई है। यह पहल कैदियों को मानसिक रूप से मजबूत बनाए रखने और उनके सामाजिक संबंधों को बनाए रखने में मदद कर सकती है। आधुनिक तकनीक का उपयोग जेल सुधार के लिए एक प्रभावी माध्यम बन सकता है। साथियों बात अगर हम सुधार की दिशा में आवश्यक कदम को समझने की करें तो जेल सुधार के लिए बहु आयामी दृष्टिकोण अपनाने की आवश्यकता है। सबसे पहले, न्यायिक प्रक्रिया को तेज करना होगा ताकि विचाराधीन कैदियों की संख्या कम हो सके। इसके लिए फास्ट-ट्रैक कोर्ट, डिजिटल सुनवाई और वैकल्पिक विवाद समाधान तंत्र को बढ़ावा देना होगा।दूसरा, जेलों की क्षमता बढ़ाने और नए सुधार गृहों का निर्माण करना आवश्यक है।

नई दिशा

ममता कुशवाहा

डिजिटल युग में जनगणना बदलाव की बुनियाद

भारत जैसे विशाल और विविधताओं से भरे देश में जनगणना केवल आंकड़ों का संग्रह नहीं, बल्कि राष्ट्र की आत्मा को समझने का एक सशक्त माध्यम है। वर्ष 2021 में प्रस्तावित जनगणना, जो विभिन्न कारणों से विलंबित रही, अब एक नए स्वरूप में आरंभ होने जा रही है। यह जनगणना कई मायनों में ऐतिहासिक है, न केवल इसलिए कि यह देश की पहली डिजिटल जनगणना होगी, बल्कि इसलिए भी कि इसमें पहली बार जातीय आंकड़ों को व्यवस्थित रूप से संकलित किया जाएगा। यह पहल भारत के प्रशासनिक ढांचे, नीति-निर्माण और सामाजिक समझ को एक नई दिशा देने की क्षमता रखती है। डिजिटल जनगणना का सबसे बड़ा लाभ इसकी गति और सटीकता में निहित है। पारंपरिक कागज-आधारित प्रणाली में जहां आंकड़ों के संग्रह, संकलन और विश्लेषण में वर्षों लग जाते थे, वहीं डिजिटल माध्यम इस पूरी प्रक्रिया को कहीं अधिक त्वरित और त्रुटिहीन बना सकता है। मोबाइल एप, वेब पोर्टल और रियल-टाइम मॉनिटरिंग जैसे उपकरणों के माध्यम से डेटा सीधे केंद्रीय सर्वर पर पहुंचेगा, जिससे मानवीय भूलों की संभावना न्यूनतम हो जाएगी। इसके अतिरिक्त, यह प्रणाली पारदर्शिता को भी बढ़ाएगी और डेटा के सुरक्षित भंडारण को सुनिश्चित करेगी। इस जनगणना की एक विशेषता यह भी है कि नागरिक स्वयं अपनी जानकारी दर्ज कर सकेंगे।

यह न केवल नागरिकों की भागीदारी को बढ़ावा देगा, बल्कि प्रशासनिक बोझ को भी कम करेगा। हालांकि, इसके साथ एक बड़ी जिम्मेदारी भी जुड़ी हुई है। लोगों को अपनी जानकारी पूरी ईमानदारी और सावधानी से भरनी होगी, क्योंकि यह डेटा न केवल वर्तमान नीतियों के निर्माण में सहायक होगा, बल्कि भविष्य की योजनाओं की नींव भी बनेगा। जनगणना आयुक्त द्वारा दी गई गोपनीयता की गारंटी इस प्रक्रिया में विश्वास को मजबूत करती है, जिससे लोग बिना किसी भय के अपनी जानकारी साझा कर सकेंगे। जनगणना को दो चरणों में पूरा करने का निर्णय भी एक महत्वपूर्ण बदलाव है। पहले चरण में घरों की सूचीकरण और आवास से संबंधित जानकारी एकत्र की जाएगी, जबकि दूसरे चरण में जनसंख्या के सामाजिक, आर्थिक और शैक्षिक पहलुओं का विवरण लिया जाएगा। यह विभाजन न केवल प्रक्रिया को अधिक व्यवस्थित बनाएगा, बल्कि डेटा के विश्लेषण को भी अधिक सटीक और उपयोगी बनाएगा। इससे सरकार को विभिन्न क्षेत्रों में लक्षित योजनाएं बनाने में मदद मिलेगी, जैसे शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और आवास। इस जनगणना का एक अत्यंत महत्वपूर्ण पहलू जातीय आंकड़ों का संकलन है। स्वतंत्र भारत में यह पहली बार होगा, जब जातियों का विस्तृत विवरण एकत्र किया जाएगा। इससे देश की सामाजिक संरचना की वास्तविक तस्वीर सामने आएगी, जो अब तक केवल अनुमान और अधूरी जानकारी पर आधारित रही है। वर्ष 1931 के बाद से जातिगत जनगणना नहीं हुई है, इसलिए वर्तमान में विभिन्न जातीय समूहों के संख्याबल और उनकी सामाजिक-आर्थिक स्थिति के बारे में स्पष्ट और प्रमाणिक आंकड़ों का अभाव है। ऐसे में यह जनगणना कई मिथकों और धारणाओं को तोड़ने का कार्य कर सकती है। हालांकि, जातीय जनगणना के साथ कुछ चिंताएं भी जुड़ी हुई हैं। सबसे बड़ी आशंका यह है कि इन आंकड़ों का उपयोग राजनीतिक लाभ के लिए किया जा सकता है।

भारत में पहले से ही जाति आधारित राजनीति का प्रभाव देखा गया है और यदि इन आंकड़ों का दुरुपयोग हुआ तो यह सामाजिक विभाजन को और गहरा कर सकता है। विभिन्न राजनीतिक दल अपने-अपने हितों के अनुसार इन आंकड़ों की व्याख्या कर सकते हैं, जिससे समाज में वैमनस्य और असंतोष की स्थिति उत्पन्न हो सकती है। इसलिए यह आवश्यक है कि सरकार इस दिशा में ठोस नीतिगत उपाय करे, ताकि जनगणना के आंकड़ों का उपयोग केवल विकास और कल्याणकारी योजनाओं के लिए ही किया जाए। जनगणना का मूल उद्देश्य देश की जनसंख्या की संरचना, उनकी आवश्यकताओं और समस्याओं को समझना है, ताकि प्रभावी नीतियां बनाई जा सकें। यह किसी भी प्रकार के संकीर्ण राजनीतिक हितों की पूर्ति का साधन नहीं होना चाहिए। यदि जनगणना के आंकड़ों का उपयोग सही दिशा में किया जाए, तो यह देश के समग्र विकास में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। इस दिशा में सरकार, प्रशासन और नागरिकों, तीनों की जिम्मेदारी है कि वे इस प्रक्रिया को सफल बनाएं और इसके उद्देश्यों को सही दिशा में ले जाएं। यदि ऐसा होता है तो यह जनगणना न केवल वर्तमान की आवश्यकताओं को पूरा करेगी, बल्कि भविष्य के भारत के निर्माण में भी एक मजबूत आधारशिला साबित होगी।

(लेखिका शिक्षिका हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

योग-ध्यान भावनाओं को रोकें नहीं, साधें

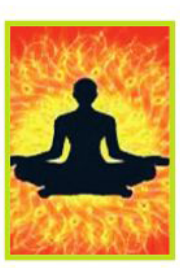

संकलित

दर्शन

जब भी आप क्रोध जैसी किसी भी नकारात्मक भावना को रोकने का प्रयास करते हैं, तो वह और भी ज्यादा तेज हो जाती है। आप जो चीज नहीं चाहते हैं, उसे यदि आप रोकने की कोशिश करते हैं, तो ऐसा ही होता है। वस्तुतः मानव मन की यही प्रकृति है। मन को अपने अनुरूप साधने की प्रणाली योग है। योग की प्रणाली अनुभव के स्तर पर अपने शरीर और मन की प्रकृति का अनुसंधान करती है। जब आप सुबह उठकर आसन करते हैं, तो आप उसे मात्र व्यायाम न समझें। वास्तव में योग यह सुनिश्चित करता है कि आप जीवन से कितनी सहजता से गुजरते हैं, आप अपने शरीर और अपने मन को कितनी गहराई से समझते हैं। यदि आप गाड़ी चलाकर कहीं जा रहे हैं तो यात्रा मंगलमय होने के लिए, दो बातें जरूरी हैं। एक तो गाड़ी का अच्छा होनी चाहिए और दूसरी आपको गाड़ी की समझ हो। आपके शरीर और मन के बारे में योग यही तो सुनिश्चित करता है। यह बड़ी व्यावहारिक बात है, यह कोई आत्मज्ञान नहीं है। अगर आप एक अज्ञानी जीवन भी जीना चाहते हैं, तब भी योग जरूरी है। जब आप आसन करते हैं तो आप अपने शरीर और मन की प्रकृति को खोजते हैं। अगर आप अपनी अंगुलियों को एक खास तरह से चलाते हैं, तो आपका मन उसके मुताबिक काम करता है। आप अपने शरीर से जो कुछ भी करते हैं, उससे आपके मन के साथ भी कुछ होता है। किताब पढ़ने से यह समझ प्राप्त नहीं होगी।

ब्राह्मण का सपना

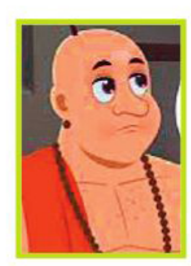

संकलित

प्रेरणा

एक नगर में कोई कंजूस ब्राह्मण रहता था। उसने भिक्षा से प्राप्त सत्तुओं में से थोड़े से खाकर शेष से एक घड़ा भर लिया था। उस घड़े को उसने रस्सी से बांधकर खूंटी पर लटका दिया और उसके नीचे पास ही खटिया डालकर उसपर लेटे-लेटे विचित्र सपने लेने लगा, और कल्पना के हवाई घोड़े दौड़ाने लगा। उसने सोचा कि जब देश में अकाल पड़ेगा तो इन सत्तुओं का मूल्य 100 रुपए हो जाएगा। उन सौ रुपयों से मैं दो बकरियां लूंगा। छः महीने में उन दो बकरियों से कई बकरियां बन जाएंगी। उन्हें बेचकर एक गाय लूंगा। गौओं के बाद भैंसे लूंगा और फिर घोड़े ले लूंगा। घोड़ों को महंगे दामों में बेचकर मेरे पास बहुत सा सोना हो जाएगा। सोना बेचकर मैं बहुत बड़ा घर बनाऊंगा। मेरी सम्पत्ति को देखकर कोई भी ब्राह्मण अपनी सुरुपवती कन्या का विवाह मुझसे कर देगा। वह मेरी पत्नी बनेगी। उससे जो पुत्र होगा उसका नाम मैं सोमशर्मा रखूंगा। जब वह घुटनों के बल चलना सीख जाएगा तो मैं पुस्तक लेकर घुड़शाला के पीछे की दीवार पर बैठा हुआ उसकी बाल-लीलाएं देखूंगा। उसके बाद सोमशर्मा मुझे देखकर मां की गोद से उतरेगा और मेरी ओर आएगा तो मैं उसकी मां को क्रोध से कहूंगा- 'अपने बच्चे को संभाल।' वह गृह-कार्य में व्यग्र होगी, इसलिए मेरा वचन न सुन सकेगी। तब मैं उठकर उसे पैर की ठोकर से मारुंगा। यह सोचते ही उसका पैर ठोकर मारने के लिए ऊपर उठा। वह ठोकर सत्तु-भरे घड़े को लगी। घड़ा चकनाचूर हो गया। कंजूस ब्राह्मण के स्वप्न भी साथ ही चकनाचूर हो गए।

अंतर्मन

आज की पाती

भारत-अमरीका व्यापार समझौते की अहमियत

भारत और अमरीका के बीच प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौता (2026) ऐसे समय में उभरकर सामने आया है, जब भारत एक ओर वैश्विक अर्थव्यवस्था में अपनी भागीदारी को विस्तार देने की दिशा में अग्रसर है, वहीं दूसरी ओर अपनी कृषि-आधारित सामाजिक-आर्थिक संरचना की रक्षा करने की अनिवार्य चुनौती का सामना कर रहा है। फरवरी 2026 में घोषित अंतरिम रूपरेखा ने जहां भारतीय निर्यातकों के लिए अमरीकी बाजार में नए अवसरों के द्वार खोले हैं, वहीं सस्ते अमरीकी कृषि उत्पादों के संभावित आयात ने देश के करोड़ों किसानों के बीच चिंता और असुरक्षा की भावना पैदा कर दी है। भारत को ऐसा समझौता करना चाहिए जिससे व्यापार संतुलन ठीक हो जाए। *- श्रीकांत पाटिल, बिलासपुर*

ट्रेंड

सेमीकंडक्टर उद्योग

भारत का सेमीकंडक्टर उद्योग विभिन्न राज्यों में फल-फूल रहा है, जिससे अनगिनत युवाओं के लिए नए अवसर पैदा हो रहे हैं। इन प्रयासों को और अधिक व्यापक बनाने के लिए हम सेमीकंडक्टर मिशन 2.0 पर काम कर रहे हैं।

- नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

केरल की नर्सें

लाखों लोगों के लिए, केरल की नर्सें जीवन के सबसे कठिन क्षणों में सहारा और शक्ति का स्रोत हैं। उन्हीं की बदौलत मैं केरल में शांति से चुनाव प्रचार कर पा रहा हूं, यह जानकर कि दिल्ली में मेरी मां की देखभाल उन्हीं की देखरेख में हो रही है।

- राहुल गांधी, सांसद, कांग्रेस

समान नागरिक संहिता

सत्ता में वापसी के तीन महीने के भीतर हम असम में समान नागरिक संहिता लागू करेंगे। हमारी बहुआयामी रणनीति में लव जिहाद, लैंड जिहाद, अतिक्रमण और घुसपैठ के खिलाफ कड़ी कार्रवाई भी शामिल होगी।

- हिमंता बिस्वा सरमा, सीएम, असम

सीबीआई जांच की मांग

एसीबी अब तक झारखंड शराब घोटाले के किसी भी आरोपी के विरुद्ध चार्जशीट दाखिल करने में विफल रही है, जिसके परिणामस्वरूप सभी आरोपियों को डिफॉल्ट बेल मिल गई। इसी विषय को लेकर आज राज्यपाल से मिलकर सीबीआई जांच सुनिश्चित करने का आग्रह किया।

- बाबूलाल मरांडी, पूर्व सीएम, झारखंड

करंट अफेयर

'गेट ऑफ टीयर्स' बन सकता है नया वैश्विक संकट बिंदु

वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति और समुद्री व्यापार पर पश्चिम एशिया संकट के कारण होर्मुज जलडमरूमध्य पर पहले से बने दबाव के बीच अब एक और अहम समुद्री मार्ग 'बाब अल-मंदेब जलडमरूमध्य' को लेकर चिंताएं बढ़ने लगी हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि यह जलडमरूमध्य जल्द ही एक नए वैश्विक तनाव केंद्र के रूप में उभर सकता है, जिससे विश्व अर्थव्यवस्था पर गंभीर असर पड़ सकता है। 'होर्मुज जलडमरूमध्य' दुनिया के लगभग 20 प्रतिशत तेल और गैस के परिवहन का प्रमुख मार्ग है। ईरान ने खुद पर अमेरिका और इजराइल के हमलों के बाद इस मार्ग को बंद कर दिया है जिससे वैश्विक बाजारों में अस्थिरता बढ़ गई है। इसी बीच, विश्लेषकों ने चेतावनी दी है कि अब बाब अल-मंदेब जलडमरूमध्य भी संकट का केंद्र बन सकता है। दरअसल, 28 मार्च को यमन के हूती विद्रोहियों ने इजराइल की ओर मिसाइलें दागीं। यह कदम ईरान-इजराइल संघर्ष शुरू होने के बाद पहली बार उठाया गया है। यमन, बाब अल-मंदेब जलडमरूमध्य के एक किनारे पर स्थित है और हूती पहले भी लाल सागर में जहाजों पर हमले कर चुके हैं, जिससे 2023 और 2024 में समुद्री यातायात बाधित हुआ था।

ऑफ बीट

रंगीन चावल वास्तव में क्या स्वास्थ्यवर्धक है

चावल की 40,000 से अधिक विभिन्न किस्में हैं – जो इस मुख्य फसल की विविधता और अनुकूलनशीलता का प्रमाण है। चावल, अन्य अनाजों की तरह, एक घास के पौधे का खाने योग्य स्टार्चयुक्त दाना है।सफेद चावल की तुलना में, भूरा चावल एक साबुत अनाज है जिसमें केवल अखाद्य बाहरी छिलका हटा दिया जाता है। सफेद चावल बनाने के लिए अनाज का चोकर (बाहरी आवरण) हटा दिया जाता है। भूरे चावल में, चोकर और मगज़ (अनाज का मूल) बरकरार रहते हैं, जिससे इस प्रकार के चावल को इसका भूरा रंग और उच्च फाइबर सामग्री मिलती है। भूरे चावल में स्वाभाविक रूप से सफेद चावल की तुलना में अधिक पोषक तत्व होते हैं, जिसमें आहार फाइबर की दोगुनी मात्रा और फोलिक एसिड सहित काफी अधिक मैग्नीशियम, लौह, जस्ता और बी समूह विटामिन शामिल हैं। ब्राउन राइस में पॉलीफेनोल्स और फ्लेवोनोइड्स भी होते हैं, यह ऐसे एंटीऑक्सिडेंट हैं, जो शरीर को तनाव से बचाते हैं। इसे अक्सर लंबे अनाज के विकल्प के रूप में बेचा जाता है और इसमें काले और लाल चावल की किस्मों के समान पौष्टिक स्वाद होता है, हालांकि कुछ रसोइयों का सुझाव है कि इसकी बनावट थोड़ी अलग होती फैंसी काला चावल।

हमारी सरकार शिक्षा के सुदृढ़ीकरण के लिए तत्परता से कर रही काम - भजनलाल शर्मा

» मुख्यमंत्री ने आदर्श विद्या मंदिर राजापार्क में बहुउद्देशीय सभागार का किया लोकार्पण

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि विद्यालय विद्यार्थियों में संस्कार के बीज बोते हैं। शिक्षक विद्यार्थी के जीवन में विद्या दान देकर उन्हें मजबूत बनाते हैं और आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करते हैं। उन्होंने कहा कि आदर्श विद्या मंदिर संस्थान केवल एक विद्यालय नहीं, बल्कि समाज में निस्वार्थ सेवा, सहयोग और करुणा भी भावना का विस्तार कर रही है। बच्चों में शिक्षा के साथ यह विद्यालय नैतिक मूल्यों एवं संस्कारों पर बल देता है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार शिक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए शिक्षा के सुदृढ़ीकरण के लिए तत्परता से कार्य कर रही है। हम पंडित दीनदयाल उपाध्याय की अंत्योदय की अवधारणा पर कार्य करते हुए अंतिम पंक्ति पर बैठे व्यक्ति के उत्थान के लिए कार्य कर रहे हैं। शर्मा बुधवार को आदर्श विद्या मंदिर विद्यालय, राजापार्क में बहुउद्देशीय सभागार के लोकार्पण समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने नवीन सभागार के लिए विद्यालय प्रबंधन समिति, शिक्षकों और भामाशाहों को बधाई देते हुए कहा कि यह सभागार उन हजारों सपनों की नींव पर खड़ा हुआ है, जो इस विद्यालय के शिक्षकों, अभिभावकों और दानदाताओं ने मिलकर बुने हैं। उन्होंने इन ज्ञान केन्द्रों के विकास में सभी लोगों से अपनी सक्रिय भागीदारी निभाने की अपील की।

आदर्श विद्या मंदिर ने समाज में फैलाया मानवता का संदेश

मुख्यमंत्री ने कहा कि विद्यार्थियों में करुणा का भाव विकसित करना विद्यालयों का दायित्व है, जिससे उनमें वसुधैव कुटुम्बकम की भावना फलीभूत हो। उन्होंने कहा कि जिस देश के बच्चे अपनी विरासत को जानते हैं, उस देश के विकास को कोई भी नहीं रोक सकता। आदर्श विद्या मंदिर विद्यालय धार्मिक, सांस्कृतिक और शैक्षिक कार्यक्रमों के माध्यम से लोगों को जोड़ने का काम करते हैं। साथ ही, शांति, सद्भाव और मानवता का संदेश यहां से निकलकर पूरे समाज में फैला है। उन्होंने कहा कि यह विद्यालय भविष्य की पीढ़ियों को अध्यात्म और भारतीय ज्ञान की धरोहर से परिचित कराते हैं, जो हमारे ऋषि-मुनियों ने हजारों वर्षों में संजोई है।

भारत के पास दुनिया की सबसे बड़ी युवा शक्ति

मुख्यमंत्री ने कहा कि किसी भी देश का सबसे बड़ा धन उसकी युवा पीढ़ी होती है। युवा शक्ति राष्ट्र की दशा और दिशा बदल सकती है। भारत के पास दुनिया की सबसे बड़ी युवा आबादी है, जो हमारी सबसे बड़ी ताकत है। उन्होंने कहा कि शिक्षक बच्चों के व्यक्तित्व को गढते हैं। विद्यार्थी जब आगे बढ़ते हैं, तो उनके हर कदम में गुरु का आशीर्वाद होता है। वे युवाओं में शिक्षा के साथ ही संस्कार और देश के प्रति जिम्मेदारी की भावना विकसित करते हैं। उन्होंने कहा कि जब एक शिक्षित युवा समाज में जाता है, तो वह केवल अपना ही नहीं, बल्कि पूरे देश का भविष्य उज्जवल करता है।

हर बच्चे तक पहुंचे शिक्षा की रोशनी

शर्मा ने कहा कि जब तक कोई भी बच्चा चाहे शहर में हो या गांव में, शिक्षा की रोशनी से वंचित है, तब तक विकास की बात अधूरी है। इसी सोच के साथ राज्य सरकार गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की सभी तक सुलभ पहुंच सुनिश्चित करने की दिशा में प्रतिबद्धता से कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि युवाओं के लिए हमारी सरकार युवा नीति लाई है, जिससे उद्यमिता को बढ़ावा मिल सके। हमारी मंशा है कि युवा रोजगार प्राप्त करने के साथ रोजगार प्रदाता बनें।

हमारी सरकार के कार्यकाल में एक भी पेपर लीक नहीं हुआ

मुख्यमंत्री ने कहा कि गत सरकार के समय पेपरलीक जैसे प्रकरणों से युवाओं के सपने चूर-चूर हो गए थे, लेकिन हमारी सरकार के कार्यकाल में एक भी पेपर लीक नहीं हुआ है। हमारी सरकार युवाओं के सपनों को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है। युवाओं को 4 लाख सरकारी क्षेत्र में एवं 6 लाख निजी क्षेत्र में रोजगार देने के लक्ष्य के साथ कार्य किया जा रहा है। अब तक 1 लाख 25 हजार नियुक्तियां दी जा चुकी हैं। 1 लाख 33 हजार पदों पर भर्ती प्रक्रियाधीन है तथा 1 लाख से ज्यादा पदों का भर्ती कैलेण्डर जारी किया जा चुका है। उपमुख्यमंत्री डॉ. प्रेम चन्द बैरवा ने कहा कि शिक्षक विद्यार्थियों में ज्ञान अर्जन ही नहीं, बल्कि चरित्र निर्माण एवं मूल्यों का विकास करते हैं। शिक्षा के माध्यम से व्यक्ति का समग्र विकास होता है। विद्या भारती द्वारा शुरू किए गए आदर्श विद्या मन्दिर विद्यालय विद्यार्थियों में शिक्षा के साथ संस्कार भी विकसित करते हैं। उन्होंने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय की अवधारणा के अनुसार हम सभी को राष्ट्र निर्माण में अहम भूमिका निभानी चाहिए। इससे पहले शर्मा ने फीता खोलकर सभागार का लोकार्पण किया तथा पट्टिका का अनावरण भी किया। उन्होंने परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं तथा भवन निर्माण में सहयोग देने वाले भामाशाहों का सम्मान किया।

दिल्ली में मुस्लिम राष्ट्रीय मंच का ईद मिलन समारोह सम्पन्न

नई दिल्ली। गत 29 मार्च' 2026 को दिल्ली के राजघाट गांधी स्मृति में मुस्लिम राष्ट्रीय मंच द्वारा ईद मिलन समारोह का आयोजन किया गया। मुस्लिम राष्ट्रीय मंच राजस्थान के जयपुर संभाग सह संयोजक आफताब हिंदुस्तानी ने बताया कि इस अवसर पर एक विस्तृत "संकल्प पत्र" भी साझा किया गया, जो इस बैठक की खास पहचान बनकर उभरा। इसमें छुआछूत और भेदभाव खत्म करने, हर बच्चे तक शिक्षा पहुंचाने, नशा मुक्त भारत बनाने, पर्यावरण की रक्षा करने और सभी धर्मों के बीच भाईचारा मजबूत करने जैसे महत्वपूर्ण संकल्प शामिल थे। संकल्प पत्र में यह भी स्पष्ट किया गया कि देश को दंगा, हिंसा और आतंकवाद से मुक्त रखना हर नागरिक की जिम्मेदारी है। वक्ताओं ने जोर देकर कहा कि जब समाज एकजुट और जागरूक रहेगा, तभी देश मजबूत बनेगा और हर चुनौती का सामना कर सकेगा। बैठक में "विकसित भारत 2047" के लक्ष्य पर भी विस्तार से चर्चा हुई। वक्ताओं ने कहा कि अगर भारत को विकसित राष्ट्र बनाना है, तो शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और सामाजिक समरसता पर समान रूप से ध्यान देना होगा। युवाओं की भूमिका को बेहद महत्वपूर्ण बताते हुए कहा गया कि उन्हें सही दिशा और अवसर देना समय की सबसे बड़ी जरूरत है। इस अवसर पर विशेष रूप से जाकिर हुसैन (प्रशासक, हरियाणा वक्फ बोर्ड), मोहम्मद अफजाल (राष्ट्रीय संयोजक, मुस्लिम राष्ट्रीय मंच), डॉ. शाहिद अख्तर (कार्यवाहक अध्यक्ष, राष्ट्रीय अल्पसंख्यक शैक्षणिक संस्थान आयोग), डॉ. शालिनी अली (सामाजिक कार्यकर्ता), डॉ. माजिद तालिकोटी (मानद स्वास्थ्य आयुक्त, इंडिया-जीसीसी ट्रेड काउंसिल), कर्नल ताहिर मुस्तफा (रजिस्ट्रार, जामिया हमदर्द विश्वविद्यालय), कारी अबरार जमाल (अध्यक्ष, जमीयत हिमायतुल इस्लाम), पद्मश्री दिलशाद हुसैन (पद्मश्री सम्मानित), अफसर आलम (वाइस चांसलर, जामिया हमदर्द यूनिवर्सिटी), महताब आलम रिज़वी (रजिस्ट्रार, जामिया मिल्लिया इस्लामिया), शम्स इकबाल (निदेशक, राष्ट्रीय उर्दू भाषा प्रोत्साहन परिषद), आचार्य यशी फुंतसोक (पूर्व उपाध्यक्ष, तिब्बती निर्वासित संसद), सैयद रज़ा हुसैन रिज़वी (पूर्व सदस्य, प्रेस काउंसिल), अबू बकर नकवी (पूर्व अध्यक्ष, राजस्थान वक्फ बोर्ड) और मज़ाहिर खान (पूर्व सदस्य, उत्तर प्रदेश मदरसा बोर्ड) सूफी शाह मलंग समुदाय से सैयद जियारत हक्कानी), डॉ. रिजवान खान (हेड अंग्रेजी डिपार्टमेंट, अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी) जैसे प्रमुख गणमान्य उपस्थित रहे।

पंच गौरव योजना के तहत चौगान स्टेडियम में कबड्डी शिविर का आयोजन

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी के निर्देशों की अनुपालना में जयपुर के चौगान स्टेडियम में "पंच गौरव – एक जिला, एक खेल" योजना के तहत कबड्डी प्रशिक्षण शिविर का आयोजन हुआ। इस अवसर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को ट्रैक सूट एवं स्पोर्ट्स शूज प्रदान कर उनका उत्साहवर्धन किया गया। समारोह में यह भी उल्लेख किया गया कि चौगान स्टेडियम से राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर के कबड्डी खिलाड़ी निकलकर देश-प्रदेश का नाम रोशन कर चुके हैं। यह कबड्डी प्रशिक्षण शिविर 22 मार्च से 31 मार्च 2026 तक आयोजित किया गया। इसमें खिलाड़ियों के लिए आवास, भोजन एवं प्रशिक्षण की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की गई। शिविर में कुल 22 बालक एवं 22 बालिका खिलाड़ियों ने भाग लिया। बालक वर्ग को कोच फूलचंद गुर्जर और बालिका वर्ग को महिला कोच श्रीमती आशा चौधरी ने प्रशिक्षण प्रदान किया। जिला खेल अधिकारी मान सिंह निर्वाण ने बताया कि "पंच गौरव – एक जिला, एक खेल" राज्य सरकार की एक महत्वपूर्ण पहल है, जिसका उद्देश्य प्रत्येक जिले में चयनित खेल को बढ़ावा देकर स्थानीय प्रतिभाओं को निखारना एवं उन्हें बेहतर मंच उपलब्ध कराना है। शिविर के समापन अवसर पर खिलाड़ियों में उत्साह एवं आत्मविश्वास का वातावरण देखने को मिला, जो उनके उज्ज्वल खेल भविष्य की ओर संकेत करता है।

3 अप्रैल शुक्रवार को आयोजित होगी भव्य 40वीं हनुमान शोभायात्रा

-सीएम भजनलाल शर्मा करेंगे शुभारंभ, जयपुर बनेगा आस्था का केंद्र

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। जयपुर शहर एक बार फिर भक्ति और उत्साह के रंग में रंगने जा रहा है। हनुमान जी महाराज के जन्मोत्सव के पावन अवसर पर 3 अप्रैल शुक्रवार को आयोजित होगी भव्य 40वीं हनुमान शोभायात्रा। इस ऐतिहासिक शोभायात्रा का शुभारंभ करेंगे राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़... शाम 5 बजे रामलीला मैदान से आरती के साथ यात्रा को रवाना किया जाएगा। पिछले 39 वर्षों की परंपरा को आगे बढ़ाते हुए इस वर्ष शोभायात्रा अपने 40वें वर्ष में प्रवेश कर रही है। रामलीला मैदान से शुरू होकर यह यात्रा सांगानेरी गेट हनुमान मंदिर पहुंचेगी, जहां शाम 6 बजे आरती के साथ स्वागत किया जाएगा। इस बार महोत्सव का खास आकर्षण...बड़ी चौपड़ पर 2 और 3 अप्रैल को स्थापित 12 फीट ऊंची हनुमान जी की भव्य प्रतिमा। शोभायात्रा में स्वर्ण मंडित हनुमान रथ और 35 से अधिक आकर्षक झांकियां शामिल होंगी। इलेक्ट्रॉनिक झांकियों में राम-हनुमान, शिव, गणेश और वाल्मीकि लव-कुश जैसे दिव्य दृश्य भक्तों को मंत्रमुग्ध करेंगे। रामलीला मैदान से निकलकर यह शोभायात्रा जौहरी बाजार, बड़ी चौपड़, त्रिपोलिया, छोटी चौपड़, किशनपोल, इंदिरा बाजार होते हुए चांदपोल स्थित हनुमान मंदिर पहुंचकर होगा समापन, त्रिपोलिया गेट पर जयपुर राजपरिवार द्वारा विशेष स्वागत भी किया जाएगा।

यूनेस्कों वर्ल्ड हैरिटेज सिटी के संर्वधन, सरंक्षण, सौन्दर्यकरण के लिये धरातल पर मिषन मोड पर कार्य करने के निर्देष

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। यूनेस्को वर्ल्ड हैरिटेज सिटी के संवर्धन, संरक्षण, सौन्दर्यकरण को बढ़ावा देने के लिये एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुये मुख्य सचिव वी.निवास ने मंगलवार को परकोटे के विभिन्न स्थानों, हवेलियों, मंदिर का निरीक्षण कर वस्तुस्थिति जानी। निरीक्षण के दौरान मुख्य सचिव ने परकोटे की संकरी गलियों में पैदल दौरा कर वहां की वास्तविक स्थिति को करीब से देखा तथा विरासत स्थलों की वर्तमान दषा का गहन अवलोकन किया।

परकोटे की हैरिटेज इमारतों, मंदिरों नाटाणियों की हवेली, खजाने वालों का रास्ता, जैमिनी बिल्डिंग, दिगम्बर जैन मंदिर, राजस्थान स्कूल ऑफ आर्ट, हैरिटेज वॉक वे, मणिहारों का रास्ता सहित विभिन्न स्थानों का जायजा लिया। इस दौरान शासन सचिव रवि जैन, संभागीय आयुक्त वे. सरवण कुमार, आयुक्त डॉ. गौरव सैनी, उपायुक्त (स्वास्थ्य) मृणाल कुमार, अतिरिक्त आयुक्त नरेन्द्र कुमार बंसल, एटीपी आकाष कुमावत सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

मुख्य सचिव ने सबसे पहले नाटाणियों की हवेली का निरीक्षण किया वहां संचालित कोतवाली थाने का निरीक्षण करते हुये वर्षो पुराने संधारित अभिलेखों को भी देखा तथा वहां की जर्जर इमारत को भी संरक्षण हेतु शीघ्र कार्रवाई करने के संबंध में संबंधित अधिकारियों को निर्देष दिये। इसके पष्चात् मुख्य सचिव खजाने वालों के रास्ते पहुंचे जहां खजाने वालों की हवेली तथा जैमिनी बिल्डिंग का भी निरीक्षण किया। मुख्य सचिव ने वहां की एतिहासिक जानकारी ली साथ ही हवेली को सरंक्षित करने के भी निर्देष दिये। इसके पष्चात मणिहारों का रास्ता स्थिति दिगम्बर जैन मंदिर, सांगो का रास्ता स्थित राजस्थान स्कूल ऑफ ऑर्ट, हैरिटेज वॉक वे का भी निरीक्षण किया। मुख्य सचिव ने बताया कि जयपुर एक एतिहासिक शहर है। यह हमारी समृद्ध संस्कृति और विरासत का जीवन्त प्रतीक है। इसकी पहचान को बनाये रखना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। इसके सौन्दर्य एवं हैरिटेज को बनाये रखने के लिये निरन्तर प्रयासों की आवष्यकता है। परकोटे को सरंक्षित करने और यूनेस्को वर्ल्ड हैरिटेज सिटी का टैग बनाये रखने हेतु किये जाने वाले प्रयासों पर जोर देने के निर्देष दिये।

मुख्य सचिव ने नगर निगम मुख्यालय पर अधिकारियों की ली बैठकः-

निरीक्षण के पष्चात् मुख्य सचिव ने नगर निगम के ई.सी. मीटिंग हॉल में जोन एवं मुख्यालय उपायुक्तों, अधिकारियों, कर्मचारियों की बैठक ली। बैठक में मुख्य सचिव ने जोन उपायुक्तों से उनके कार्यो के बारे में जानकारी ली तथा हैरिटेज सैल द्वारा बनाई गई पीपीटी के माध्यम से धरोहर संरक्षण, संर्वधन, सौन्दर्यकरण के लिये अब तक किये गये कार्यो तथा वर्तमान में किये जा रहे कार्यो के बारे में जानकारी ली।

मुख्य सचिव ने परकोटे के सरंक्षण, संर्वधन, यूनेस्को वर्ल्ड हैरिटेज टैग को बनाये रखने के दिये निर्देषः-

1. मुख्य सचिव ने अनाधिकृत रूप से लगी हुई केबल को हटाने तथा हैरिटेज क्षेत्र में खराब पड़ी लाईटों को ठीक करने तथा फसाड लाईटिंग ठीक करने के निर्देष दिये।
2. स्पेषल एरिया हैरिटेज प्लान बनाने का कार्य अतिषीघ्र किया जाये।
3. हैरिटेज सैल को अधिक सक्रिय, उत्तरदायी एवं परिणान्मुख बनाकर कार्य करने के निर्देष दिये।

ऑटिज़्म जागरूकता के लिए हो सभी स्तरों पर प्रयास- राज्यपाल

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने विश्व ऑटिज़्म जागरूकता दिवस (2 अप्रैल) पर विद्यालयों और कार्यस्थलों में छात्रों और सहकर्मियों को शिक्षित करने का आह्वान किया है। उन्होंने ऑटिज्म से ग्रसित लोगों के प्रति अधिक सकारात्मक और स्वीकार्य होने पर जोर दिया है। राज्यपाल ने कहा कि हर जीवन का महत्व है। ऑटिज्म के प्रति सामुदायिक जागरूकता हम सबका सामूहिक दायित्व है। इसी से ऑटिज़्म से ग्रसित व्यक्तियों को जीवन के सभी क्षेत्रों में समान पहुँच, समर्थन और समावेश का अधिकार मिल सकेगा।

परिवहन विभाग के प्रमुख शासन सचिव ने संपर्क हेल्पलाइन 181 कंट्रोल रूम का किया निरीक्षण

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। परिवहन विभाग के प्रमुख शासन सचिव भवानी सिंह देथा ने बुधवार को शासन सचिवालय स्थित राजस्थान संपर्क हेल्पलाइन (181) कंट्रोल रूम का निरीक्षण कर विभागीय प्रकरणों की विस्तृत समीक्षा की। बैठक में उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि संपर्क पोर्टल पर दर्ज शिकायतों का त्वरित, समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। देथा ने जिला स्तर पर दर्ज शिकायतों की स्थिति पर विशेष ध्यान देते हुए कहा कि संबंधित अधिकारी स्वयं परिवादियों से संवाद स्थापित करें। जिन जिलों में निस्तारण प्रतिशत, समाधान पर संतुष्टि का स्तर और औसत निस्तारण समय राज्य स्तर से कमजोर है, वहां तत्काल सुधार किया जाए। उन्होंने बैठक के दौरान कुछ जिलों के अधिकारियों से सीधे बातचीत भी की और कम प्रदर्शन वाले क्षेत्रों में सुधार के निर्देश दिए। प्रमुख शासन सचिव देथा ने बस स्टैंड पर साफ-सफाई, मूलभूत सुविधाओं की उपलब्धता और महिला सुरक्षा से जुड़े मुद्दों पर विशेष ध्यान देने को कहा। उन्होंने स्पष्ट किया कि ड्राइवर और कंडक्टर के व्यवहार संबंधी शिकायतों पर सख्त कार्रवाई की जाए। उन्होंने उन मामलों की भी वास्तविक स्थिति जानी, जिनमें पोर्टल पर संतुष्टि दर्ज की जा चुकी थी। उन्होंने परिवादियों से सीधे संवाद कर फीडबैक लिया और अधिकारियों को निर्देशित किया। देथा ने कहा कि विभाग की आवश्यक सेवाओं से जुड़े मामलों में कोई भी शिकायत लंबित नहीं रहनी चाहिए। प्रत्येक परिवादी की समस्या का समाधान प्राथमिकता के आधार पर किया जाए और निस्तारण प्रतिशत के साथ-साथ संतुष्टि प्रतिशत में भी निरंतर सुधार हो। उन्होंने निर्देश दिए कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) के माध्यम से जिलों के अधिकारियों की प्रदर्शन सूची तैयार की जाए, ताकि कम प्रदर्शन करने वालों की पहचान कर समयबद्ध सुधार सुनिश्चित किया जा सके। उन्होंने प्रत्येक 15 दिन में प्रकरणों की समीक्षा करने और समाधान में किसी भी प्रकार की देरी नहीं होने देने पर जोर दिया और नियमित मॉनिटरिंग के लिए अधिकारियों की डयूटी लगाने के निर्देश भी दिए। उन्होंने कहा कि शिकायतों के समाधान में गुणवत्ता और गति दोनों का संतुलन बनाए रखना आवश्यक है। साथ ही अधिकारियों और कर्मचारियों को बेहतर प्रशिक्षण देने, लंबित मामलों को शीघ्र निपटाने और शिकायतों की प्रभावी मॉनिटरिंग सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक में प्रस्तुत आंकड़ों के अनुसार, पिछले एक वर्ष में परिवहन विभाग से जुड़े कुल 10,020 प्रकरण संपर्क पोर्टल पर दर्ज हुए, जिनमें से 9,258 का निस्तारण किया जा चुका है, जो लगभग 92.40 प्रतिशत है। इन मामलों के समाधान में औसतन 23 दिन का समय लगा, जबकि करीब 63.37 प्रतिशत परिवादियों ने समाधान पर संतुष्टि जताई। वहीं राजस्थान राज्य पथ परिवहन निगम (RSRTC) से संबंधित कुल 18,035 प्रकरण दर्ज हुए, जिनमें से 16,887 का निस्तारण किया जा चुका है, जो लगभग 93.64 प्रतिशत है। इन मामलों के समाधान में औसतन 17 दिन का समय लगा, जबकि 61.11 प्रतिशत परिवादियों ने संतुष्टि व्यक्त की। मुख्य सचिव की नियमित मॉनिटरिंग और सचिव स्तर पर किए गए निरीक्षणों के बाद विभाग में उल्लेखनीय सुधार दर्ज किया गया है। मार्च माह में परिवहन विभाग में समाधान पर संतुष्टि का प्रतिशत बढ़कर 80 प्रतिशत तक पहुंच गया है, जबकि RSRTC में यह आंकड़ा 69.47 प्रतिशत हो गया है और औसत निस्तारण समय घटकर 16 दिन रह गया है। निरीक्षण के दौरान देथा ने कंट्रोल रूम में उपस्थित रहकर स्वयं परिवादियों से संवाद किया, उनकी समस्याएं सुनीं और मौके पर ही संबंधित अधिकारियों को समाधान के निर्देश दिए।

आवश्यक नम्बर

रॉयल पत्रिका

बिजली फॉल्ट के लिए

टोल फ्री नंबर	18001806507
वॉट्सएप नंबर	9414037085
कस्टमर केयर	2203000
आईवीआरएस	1912

कचरा गाड़ी के लिए

ग्रेटर	2747400
सीवरेज लीकेज	2607500
हेरिटेज	2607500
टोल फ्री नंबर	14420

पुलिस की मदद के लिए

साइबर क्राइम	1930/2360094
कंट्रोल रूम	2388435/36/37/38
ट्रैफिक कंट्रोल रूम	2565630
चाइल्ड हेल्पलाइन	1098
महिला हेल्पलाइन	1090
मुख्यमंत्री पोर्टल	181

पानी के लिए

जलदाय कार्यालय	2706624
फायर ब्रिगेड	2747400

मेडिकल इमरजेंसी के लिए

एंबुलेंस	102/108
एसएमएस इमरजेंसी	2518333
महिला चिकित्सालय	22610616
जनाना हॉस्पिटल	22378721
SDMH	22574189
SMS ब्लड बैंक	22518222
कल्याण ब्लड बैंक	22721771

घायल पशुओं के लिए

नगर निगम	2747400
बर्ड बाइक	9887345580
हेल्प इन सफरिंग	8107299711
जनमंच ट्रस्ट	7230055800
पशु चिकित्सालय	2747400

राजस्व मण्डल अध्यक्ष अजिताभ शर्मा ने ली समीक्षा बैठक

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राजस्व मण्डल के नव नियुक्त अध्यक्ष अजिताभ शर्मा ने राजस्व मण्डल से लेकर सभी अधीनस्थ न्यायालयों में लंबित प्रकरणों के त्वरित निस्ता रण को लेकर बेहतरीन कार्ययोजना की क्रियान्विति पर जोर दिया। उन्हों‍ने बुधवार को राजस्वो मंडल प्रशासन एवं सभी मंडल सदस्यों के साथ बैठक में मंडल के कामकाज की विस्तृहत समीक्षा करते हुए और बेहतरीन ढंग से कार्य निष्पा दन करने के निर्देश दिये। उन्होंबने मंडल एवं अधीनस्थ न्यायालयों में लंबित राजस्व् प्रकरणों का अधिक गुणवत्ता एवं शीघ्रता से निस्तावरण की दिशा में कारगर कदम उठाये जाने पर जोर दिया। उन्हों ने इसके लिये मंडल स्तवर से प्रभावी कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि राज्य के विविध स्तरीय राजस्व न्यायालयों की सेवाओं को और बेहतर बनाने के प्रभावी प्रयास किये जायेंगे। उन्होंने राजस्वक मंडल के प्रशासनिक दायित्वोंब के बारे में भी राजस्वी मंडल निबंधक महावीर प्रसाद एवं समस्त् शाखा प्रभारी अधिकारियों से फीडबैक लिया एवं सभी दायित्वों का विधिक प्रावधानों एवं पूर्ण जवाबदेही एवं व्याावहारिक दृष्टिकोण से निर्वहन के निर्देश दिये। इस अवसर पर अधिकारियों ने मण्डल अध्यवक्ष शर्मा का पुष्पष गुच्छह भेंट कर स्वागित किया।

राज्य बहाई परिषद की तीन दिवसीय बैठक का सफल समापन

-युवाओं की सक्रिय भागीदारी, एक वर्षीय कार्ययोजना तैयार — विशेषज्ञों ने दिया मार्गदर्शन

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान राज्य बहाई परिषद द्वारा आयोजित तीन दिवसीय महत्वपूर्ण बैठक का सफल समापन हुआ। 30 मार्च से 1 अप्रैल तक चली इस बैठक में प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों से बड़ी संख्या में बहाई मित्रों एवं समुदाय के सक्रिय सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। बैठक में आदरणीय सलाहकार दृगपाल सिंह एवं अनुभवी रिसोर्स पर्सन उमा शंकर की गरिमामयी उपस्थिति रही। दोनों वक्ताओं ने अपने अनुभव और मार्गदर्शन से प्रतिभागियों को प्रेरित किया तथा समुदाय के विकास के लिए नई दिशा प्रदान की। बैठक का मुख्य उद्देश्य बहाई समुदाय के समग्र विकास को सुदृढ़ बनाना था। इस दौरान गहन विचार-विमर्श कर आगामी एक वर्ष के लिए ठोस कार्ययोजना तैयार की गई, जिससे गतिविधियों को अधिक प्रभावी और संगठित रूप से संचालित किया जा सके। कार्यक्रम में युवाओं की भागीदारी विशेष रूप से उल्लेखनीय रही। युवाओं ने न केवल बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया, बल्कि समाज में अपनी भूमिका, जिम्मेदारियों और नेतृत्व क्षमता को लेकर सार्थक चर्चा भी की बैठक के दौरान विश्व न्याय मंदिर (Universal House of Justice) के प्रपत्रों का भी विस्तृत अध्ययन किया गया, जिससे प्रतिभागियों को बहाई विश्व व्यवस्था की गहरी समझ प्राप्त हुई। अंत में सभी प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया गया तथा नए संकल्प के साथ समूह फोटो लेकर कार्यक्रम का समापन किया।

सालाना उर्स झंडे की रस्म के साथ परवान पर
हजरत ख्वाजा हाजी नजमुद्दीन सुलेमानी चिश्ती अल फारूकी रहमतुल्लाह आलैह का आठ दिवसीय उर्स

फतेहपुर (रॉयल पत्रिका)। दरगाह फतेहपुर में उर्स-ए-आफ़ताब-ए-शेखावाटी, शहंशाह-ए-विलायत, नज्मुल औलिया, सिराजुल अस्फ़िया हज़रत ख्वाजा हाजी मुहम्मद नजमुद्दीन साहिब सुलेमानी फख़री निज़ामी चिश्ती अलफारू की (रज़ि.) के उर्स मुबारक के सिलसिले में खानका-ए-शरीफ़, फतेहपुर शेखावाटी में झंडे की रस्म के साथ शुरू हुआ। फूलों की बरसात के साथ ही आतिशबाजी भी की गई। दरगाह के बाहर खुले मैदान में बाजार सजाए गए जहां पर दिनभर सैकड़ो की तादाद में भीड़ रही दूर दराज से आए हुए जायरीनों ने दरगाह में रश्मे अदा की बच्चों ने खरीदारी की झूला झूले और मेले का आनंद लिया प्रशासन की तरफ से भी मेले में भरपूर सहयोग है और कुरान ख्वानी, मिलाद शरीफ एवं नज्मुल औलिया कॉन्फ्रेंस, महफ़िल-ए-नात व मनक़बत आदि कार्यक्रमों का आयोजन रहेगा। मुख्य चादर जुलूस-ए-कदीमी शाही चादर बाद नमाज़-ए-ज़ुहर मोहल्ला चेजारान से दरगाह शरीफ आएगी। आए हुए जायरीनों के लिए इहतिमाम-ए-लंगर — सुबह व शाम उर्स के दौरान दूर-दराज़ से आने वाले तमाम अकीदत मंद दरगाह शरीफ़ पर हाज़िरी देकर फ़ुयूज़ व बरकात हासिल करेंगे। सज्जादा नशीन व मुतवल्ली: शहजादा-ए-हुज़ूर फारूक-ए-आज़म, पीर-ए-तरीक़त, सिराजुल हिदायत, हज़रत,नसीर-ए-मिल्त पीर गुलाम नसीर नज्मी सुलेमानी फख़री निज़ामी चिश्ती अलफारूकी की सरपरस्ती में सभी कार्यक्रम सम्पन्न होंगे।

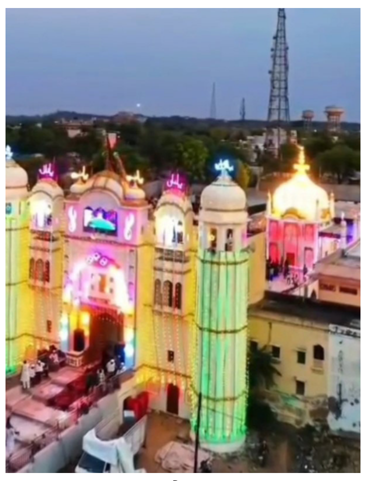

मक्खी-मच्छरों की भरमार से बीमारियां-महामारी फैलने का बना खतरा

लाडनूं (रॉयल पत्रिका)। क्षेत्र के संघर्षशील वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता मो. मुश्ताक खान कायमखानी ने बताया कि लाडनूं शहर में जगह-जगह बने गंदे नाले नालियो की नियमित रूप से सफाई नहीं होने के कारण गंदे पानी और गंदे कचरे के कारण क्षेत्र में मच्छरों की भरमार है, जनता परेशान हैं, लेकिन प्रशासन पूरा बेखबर है। दिन हो या रात, मच्छरों के काटने से हर व्यक्ति बेचैन है। घरों में लोग ऑल आउट, गुड नाइट, कछुआ छाप अगरबत्ती, काला हिट या नीम के पतो आदि सभी की आजमाइश करने के बावजूद भी मच्छरों से कोई छुटकारा नहीं मिल पा रहा हैं। लगता है मलेरिया, चिकनगुनिया, डेंगू आदि बीमारियों से आम नागरिकों के ग्रस्त होने के बाद ही प्रशासन की आंखें खुलेंगी। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग और नगर पालिका इन सबके लिए जिम्मेदार हैं और उनका दायित्व है कि शहर भर में एंटीलार्वा का छिड़काव सभी जलभराव क्षेत्रों में किया जाए, सभी नाले-नालियों की नियमित और परिपूर्ण सफाई हो, सारा कीचड़ व गंदगी को अविलम्ब हटाया जाए तथा सभी नाले-नालियों में डीडीटी, फिनायल वगैरह का पर्याप्त और अनेक बार छिड़काव करवा जाए।

शहर में ऑटो टीपर्स की कचरा संग्रहण की व्यवस्था चरमाराई:-

कायमखानी ने बताया कि शहर की सफाई व्यवस्था में सुधार नाममात्र का ही हो पाया है। शहर में ऑटो टीपर द्वारा घर-घर पहुंच कर कचरा संग्रहण का काम पूरी तरह से चरमरा गया है। सप्ताह-दस दिन और इससे भी अधिक समय तक गलियों में ऑटो टीपर गायब रहते हैं और लोगों के घरों में गीला और सूखा कचरा इकट्ठा पड़ा रहता है, जिससे न केवल बदबू ही फैलती है, बल्कि भारी संख्या में मक्खी-मच्छर पनपते हैं और पूरे घर में भिनभिनाते रहते हैं। इनसे स्पष्ट रूप से बीमारियों के फैलने और महामारी तक की नौबत आ सकती है। नगर पालिका को इस ओर सबसे पहले ध्यान देना होगा। नगर पालिका के पास सभी वार्डों में भेजने के लिए पर्याप्त ऑटो टीपर हैं, लेकिन उनमें खराबियां बताई जाकर उन्हें केवल स्टेडियम ही नहीं शहर के अन्य विभिन्न स्थानों पर खड़ा करके छोड़ दिया गया है। आखिर यह कैसा गोरखधंधा है। अगर ऐसा वाहन किसी प्राइवेट व्यक्ति के पास होता तो बरसों बरस उसका कुछ भी नहीं बिगड़ता और उसके रखरखाव में कभी कोई कमी नहीं रहती, लेकिन लगता है कि यहां कोई धणी-धोरी नहीं है, सब अंधेर नगरी चौपट राजा की तर्ज पर चल रहा है।

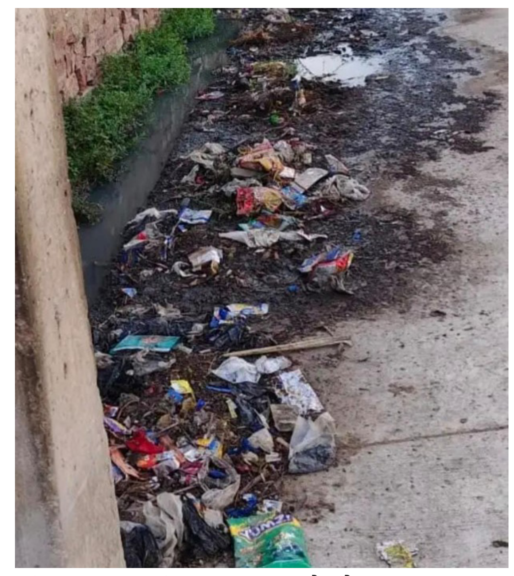

नाले-नालियों की गंदगी और बदबू से जनता परेशान:-

कायमखानी ने बताया कि इसी तरह से नगर पालिका की तरफ से पूरे शहर के विभिन्न नाले-नालियों के रखरखाव और साफ-सफाई की हालत बिगड़ी हुई है। कई-कई महिनों तक उनकी सफाई नहीं की जाती और फिर कभी एक साथ सफाई की जाती है, तो पूरा कचरा-कीचड़ निकल नहीं पाता और जो टनों-टन कीचड़-कचरा निकाला जाता है, वह गीला रहता है, तब तक कोई हटाता नहीं और जब तक कोई हटाने के लिए पहुंचता से, तब तक वह कचरा कुछ तो वापस नाली में चला जाता है और बाकी का वाहनों के टायरों से चिपक-चिपक कर पूरे रास्तों में फ़ैल कर चिपक जाता है। इस प्रकार के हालात भी शहर में मक्खी-मच्छरों और विभिन्न किटाणुओं को पनपाने में अत्यंत सहायक होते हैं। नगर पालिका प्रशासन को इन स्थितियों की तरफ गंभीरता से ध्यान देना चाहिए और शहर को मच्छरों और अन्य किटाणुओं-विषाणुओं के फैलने से बचाना चाहिए।

आईएफडब्ल्यूजे प्रतिनिधिमंडल ने पुलिस अधीक्षक ज्येष्ठा मैत्रीय से की शिष्टाचार भेंट

-जिले में सुधारों पर साझा किए सुझाव

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका)। जिले की नवपदस्थ पुलिस अधीक्षक ज्येष्ठा मैत्रीय से बुधवार को इंडियन फेडरेशन ऑफ वर्किंग जर्नलिस्ट्स (आईएफडब्ल्यूजे) पत्रकार संगठन के जिलाध्यक्ष राजेश शर्मा के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने शिष्टाचार मुलाकात की। इस दौरान संगठन के सदस्यों ने पुलिस अधीक्षक का गुलदस्ता भेंट कर स्वागत किया। मुलाकात के दौरान आईएफडब्ल्यूजे पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने जिले से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा करते हुए कानून-व्यवस्था में सुधार एवं जनहित से संबंधित कई महत्वपूर्ण सुझाव एस पी से साझा किए। प्रतिनिधिमंडल ने स्थानीय स्तर पर पत्रकारों से जुड़ी समस्याओं को भी पुलिस प्रशासन के समक्ष रखा। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक ज्येष्ठा मैत्रीय ने सभी का आभार व्यक्त करते हुए भरोसा दिलाया कि जिले में बेहतर कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए हर संभव प्रयास किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि सभी के सहयोग से सकारात्मक बदलाव लाने की दिशा में कार्य किया जाएगा।

जामिआ कौसर सेकेंडरी स्कूल की टॉपर प्रतिभाओं का किया सम्मान

बारां (रॉयल पत्रिका) । जामिआ कौसर सैकंडरी स्कूल का बोर्ड कक्षाओं का रिज़ल्ट हर साल की तरह इस साल भी शत प्रतिशत रहा। परीक्षा परिणाम की बाद जामिआ कौसर सेकेंड्री स्कूल में 31 मार्च 2026 को विद्यालय परिसर में प्रतिभा सम्मान समारोह का प्रोग्राम आयोजित किया गया। जिसमे कक्षा नर्सरी से लेकर कक्षा 10 तक के बच्चो की हौसला अफजाई की गई। समारोह में कक्षा 10 th की रोशनी अंसारी ने 82.50 प्रतिशत अंक बनाकर स्कूल में पहला स्थान हासिल किया, अर्शी खानम ने 81.67 प्रतिशत अंक बना कर दूसरा स्थान हासिल किया, अल्फिया बानो ने 79.83 प्रतिशत अंक बनाकर तीसरा स्थान हासिल किया है। ओर भी बच्चों प्रथम श्रेणी में पास हुए है। इसी के साथ कक्षा 8 की मलिका ओर सना खान ने A ग्रेड (81 से 100 प्रतिशत) हासिल की ओर बाकी बच्चों ने B ग्रेड (61 से 80 प्रतिशत) हासिल की। कक्षा 5 में हुमेरा खानम, सोहा इमरानी, आईशा अंसारी ओर फरीन ने A ग्रेड (81 से 100 प्रतिशत) हासिल की ओर बाकी बच्चों ने B ग्रेड (61 से 80 प्रतिशत) हासिल की। इन सभी बच्चों ने स्कूल का नाम रोशन किया है। जिस लिए स्कूल के अध्यक्ष यूसुफ राज की सदारत में इन सभी बच्चो को माला पहनाकर मिटाई खिलाकर और सर्टिफिकेट से नवाजा गया। इस प्रोग्राम के मुख्य अतिथि अब्दुल हफिज रहे। साथ ही मुस्लिम एजुकेशन सोसायटी के सदर यूसुफ राज, अब्दुल हफिज, मास्टर शाहबुद्दीन, अब्दुल हसीब, अब्दुल शकुर, इमाम शब्बीर अहमद और जामिया कौसर सेकेंडरी स्कूल का पूरा स्टाफ और सभी बच्चो के पेरेंट्स ने भी इस प्रोग्राम में शिरकत करके सभी बच्चो की हौसला अफजाई की गई ।

ऑल युवा मुस्लिम सेवा संस्थान ने दो अनाथ बच्चीयों की शादी का खर्च उठाकर किया पुण्य का काम

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर जयपुर रोड़ स्थित झुगी झोंपड़ियों में ऑल युवा मुस्लिम सेवा संस्थान ने जरूरन्त मंद परिवार में दो लड़कियों की शादी करवाई लड़कियों के माता पिता तीन सालों के अंतराल में दोनों का स्वर्गवास हो गया। संस्थान के जिलाध्यक्ष संजय खान घांघू ने बताया के जरूरतमंद परिवार ने हम से मुलाकात की तब संस्थान के पदाधिकारी के साथ झूगगियों में जाकर जायजा लिया तो परिवार की दयनीय स्थिति देखकर संस्थान ने दोनों लड़कियों की शादी करने का फैसला लिया, इस मौके समाजसेवी अल्लाउदीन खान, मुन्ना सिरोठिया, और रफीक खान मेहरी ने, संस्थान के अच्छे नेक कार्यों की सरहाना की, इस मौके पर अमहद खान, मो.आसिफ, मो. इकबाल, मो.मुस्लिम, रफीक सोलंकी, मो.जमिल, खुर्शीद कुरैशी, खादिम हुसेन, नानू खान, मकसूद खान, शारुख खान, युसुफ़ प्रधान, सुरेश कुमार, आरिफ खान, इमरान खान आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

करौली को मिला नया कलेक्टर, अक्षय गोदारा संभालेंगे कमान

हनीस शेख

करौली (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान प्रशासनिक बेड़े में बीती रात बड़ा फेरबदल देखने को मिला है। राज्य सरकार ने देर रात 65 आईएएस अधिकारियों की तबादला सूची जारी कर प्रशासनिक व्यवस्था को नई गति देने की कोशिश की है। इस फेरबदल का असर करौली जिले पर भी पड़ा है, जहाँ अब नए जिला कलेक्टर की तैनाती की गई है।

तबादलों की बड़ी लिस्ट:

राजस्थान सरकार द्वारा जारी ताज़ा सूची में 65 वरिष्ठ आईएएस अधिकारियों के नाम शामिल हैं। इसमें कई जिलों के कलेक्टर बदले गए हैं।

नीलाभ सक्सेना का विदाई संदेश:

करौली के वर्तमान जिला कलेक्टर नीलाभ सक्सेना का स्थानांतरण अब राजधानी जयपुर कर दिया गया है। उनके कार्यकाल के दौरान जिले में किए गए प्रशासनिक कार्यों की चर्चा रही है।

अक्षय गोदारा होंगे नए मुखिया:

करौली की कमान अब युवा आईएएस अधिकारी अक्षय गोदारा के हाथों में होगी। गोदारा इससे पहले बूंदी जिला कलेक्टर के पद पर अपनी सेवाएँ दे रहे थे।

चुनौतियां और प्राथमिकताएं:

नए कलेक्टर अक्षय गोदारा के सामने जिले में विकास कार्यों को गति देने और जनसुनवाई के माध्यम से आमजन की समस्याओं का त्वरित निस्तारण करने की अहम जिम्मेदारी होगी। प्रशासनिक गलियारों में इस बदलाव को आगामी योजनाओं और जमीनी स्तर पर कार्यक्षमता बढ़ाने के नजरिए से देखा जा रहा है। अब देखना होगा कि अक्षय गोदारा करौली में अपनी नई पारी की शुरुआत किन प्राथमिकताओं के साथ करते हैं।

चूरू की आफरीन को मिली काली बाई भील मेधावी छात्रा स्कूटी योजना अंतर्गत स्कूटी

-आवागमन में बचा समय पढ़ाई में लगा रहीं, अब कैरियर आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए बढ़ा रही मजबूत कदम

मोहम्मद अली पठान

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर बालिका प्रोत्साहन के लिए कृत संकल्पित है। प्रदेश सरकार की काली बाई भील मेधावी छात्रा स्कूटी योजना अंतर्गत स्कूटी मिलने से बालिकाओं को उच्च शिक्षा सुलभ हो रही है। ऐसा ही एक उदाहरण है चूरू शहर के वार्ड नंबर 21 निवासी आफरीन का, जिनको काली बाई भील मेधावी छात्रा स्कूटी योजना अंतर्गत उच्च शिक्षा हेतु प्रोत्साहन स्वरूप स्कूटी मिलने पर उनकी पढ़ाई में काफी सहयोग मिला है। आफरीन के पिता रफीक खान मजदूरी कर आजीविका चलाते हैं। एक सामान्य परिवार से संबंध रखने वाली आफरीन बताती हैं कि वह वर्तमान में राजकीय लोहिया महाविद्यालय में बीए में पांचवे सेमेस्टर की नियमित विद्यार्थी हैं। उन्होंने वर्ष — 2023 में 86.4 प्रतिशत अंकों के साथ कला संकाय में 12 वीं कक्षा उत्तीर्ण की और राजकीय लोहिया महाविद्यालय में बीए में प्रवेश लिया। उनके घर की दूरी कॉलेज से ज्यादा होने के कारण उन्हें कॉलेज आने —जाने मे बहुत समय व्यतीत होता था। इसके बाद उन्हें कॉलेज के माध्यम से काली बाई भील मेधावी छात्रा स्कूटी योजना का पता चला और उन्होंने आवेदन किया तो चयन के पश्चात उन्हें तीसरे सेमेस्टर में स्कूटी मिली। आफरीन बताती हैं कि स्कूटी मिलने के बाद उनके जीवन में बहुत सकारात्मक परिवर्तन आए हैं। अब उन्हें कॉलेज जाने के लिए स्टैन्ड पर ऑटो का इंतजार नहीं करना पड़ता। पहले कॉलेज आने—जाने में लगने वाला अतिरिक्त समय बचने लगा है और आर्थिक बचत भी हो रही है। वह बचे हुए समय को पढ़ाई में उपयोग लेने लगी हैं, जिससे उनकी शैक्षणिक प्रदर्शन में सुधार हुआ है। वह बताती हैं कि उनका लक्ष्य भविष्य में अध्यापक बनना है। उनके लक्ष्य प्राप्ति के लिए लिए यह स्कूटी बहुत सहयोगी भूमिका निभा रही है। वह अब आसानी से कॉलेज व लाइब्रेरी जा-पा रही हैं। आफरीन कहती हैं कि स्कूटी मिलने से उनकी शिक्षा सुलभ हुई है, जिससे अब वह अपने लक्ष्य की ओर कदम बढ़ा रही हैं।

जैन समाज में ओली पर्व के आठवें दिन का विशेष महत्व

-यह दिन तप, संयम और आत्मषुद्वि की साधना का दिन है

बारां (रॉयल पत्रिका) । श्वेताम्बर जैन समाज अध्यक्ष राजेन्द्र रंगावत, ललित श्रीमाल, विजया श्रीमाल ने बताया कि चन्द्रप्रभू जैन मंदिर पर चल रहे ओली पर्व के आठवे दिवस के लाभार्थी प्रमोद जैन भाया, यश जैन भाया पारख कोठारी तथा अशोक बोरडिया, गौत्तम बोरडिया परिवारगण रहे। आज ओली पर्व के आठवे दिवस अर्चना श्रीजी, यषोगुणा श्री जी महाराज सा. ने बताया कि समाज में श्रद्धा और भक्ति के साथ मनाए जा रहे ओली पर्व के आठवें दिन का धार्मिक एवं आध्यात्मिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण स्थान है। यह दिन तप, संयम और आत्मशुद्धि की साधना को और अधिक दृढ़ करने का प्रतीक माना जाता है। ओली पर्व के अंतर्गत श्रद्धालु नौ दिनों तक विशेष तपस्या, आयंबिल व्रत, एकासन तथा संयमित आहार-विहार का पालन करते हैं। आठवां दिन इस साधना के अंतिम चरणों में से एक होता है, जिसमें साधक अपनी तपस्या को और अधिक गहन करते हुए आत्मनिरीक्षण और आत्मशुद्धि की ओर अग्रसर होते हैं। जैन धर्माचार्यों के अनुसार, इस दिन साधकों को मन, वचन और काया की शुद्धता पर विशेष ध्यान देना चाहिए। यह दिन आत्मबल को मजबूत करने तथा सांसारिक आसक्तियों से विरक्ति का संदेश देता है। चन्द्रप्रभू महिला मण्डल अध्यक्ष एवं जिला प्रमुख उर्मिला जैन भाया, विजया श्रीमाल तथा नवयुवक मण्डल सचिव राहुल मारू, चेतना श्रीमाल ने बताया कि नवपद ओली का आठवा पद श्री सम्यक चरित्र पद है जो मोक्ष मार्ग के तीन रत्नों-दर्षन, ज्ञान, चरित्र में से तीसरा और अंतिम है। चन्द्रप्रभू जैन मंदिर पर नौ दिवसीय ओली पर्व का आयोजन किया जा रहा है जिसमें आज ओली के आठवे दिवस पर धार्मिक कार्यक्रम सम्पन्न हुए।

बारां जिला फोटोग्राफर सोसायटी का शपथ ग्रहण समारोह संपन्न

बारां (रॉयल पत्रिका)। बारां जिला फोटोग्राफर सोसायटी, जिला बारां द्वारा शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर सोसायटी के नवनिर्वाचित पदाधिकारी अध्यक्ष-संपतराज नागर, सचिव-महावीर पंकज, कोषाध्यक्ष-गणेश चौरसिया को बनाया गया। संरक्षक-राज सक्सेना ने तीनों को अपने पद का कर्तव्यपूर्ण निष्ठा, ईमानदारी एवं विधिवत तरीके से कार्य करने की शपथ दिलाई गई। समारोह में सभी वरिष्ठ फोटोग्राफर रामकिशन नागर, हेमंत गुप्ता, प्रमोद नागर, निशार भाई, धनराज मीना, हैदर भाई, राम और समस्त सभी सदस्य करीब 350 उपस्थित रहे। साथ ही कार्यक्रम के दौरान सोसायटी के सभी पंजीकृत सदस्यों को आईडी कार्ड एवं प्रमाण पत्र वितरित किए गए। साथ ही सभी दस्यों का बीमा किया गया एवं सोसायटी के सहयोगकर्ताओं को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर सभी फोटोग्रॉफर साथियों को व्यवसाय के प्रति जागरूक किया गया। बताया गया कि सभी फोटोग्राफी में उपयोग होने वाले उपकरण अत्यधिक महेंगे होने के बावजूद फोटोग्राफर्स की रेट काफी कम है। इसी को ध्यान में रखते हुए सोसायटी द्वारा नई गाइड लाइन जारी की गई और नई रेट लिस्ट भी जारी की गई, जिसमें पूर्व रेट में वृद्धि की गई है। सभी सदस्यों को सोसायटी की ओर से एग्रीमेंट बुक वितरित कीं। साथ ही एग्रीमेंट के माध्यम से अपनी टर्मस एंड कंडीसंस के अनुसार कार्य करने की सलाह दी गई। अगर साथी नई रेट और गाइड लाइन का ईमानदारी और जिम्मेदारी पालन करेंगे। कार्यक्रम में उपस्थित सभी फोटोग्राफर साथियों ने एकमत होकर सोसायटी की निर्धारित रेट लिस्ट के अनुसार कार्य करने की शपथ ली।

महात्मा ज्योतिबा फुले की 200वीं जयंती पर प्रदेश स्तरीय आयोजन, महवा में जनप्रतिनिधियों ने किया जनसंपर्क

शफीक अली

महवा (रॉयल पत्रिका)। महवा में महात्मा ज्योतिबा फुले सामाजिक एवं शैक्षिक विकास संस्थान, बांदीकुई के तत्वावधान में 11 अप्रैल को आयोजित होने वाली महात्मा ज्योतिबा फुले की 200वीं जयंती एवं विशाल कलश यात्रा को लेकर महवा में जनसंपर्क कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान भागचंद टाकडा, प्रमोद सीमला, कजोड़ सैनी, ताराचंद सैनी, मन्नालाल सैनी, डॉ मोतीलाल सैनी, गोरी शंकर सैनी, नाथूलाल सैनी सहित सैनी समाज के जनप्रतिनिधि, पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान सभी ने क्षेत्रवासियों को 11 अप्रैल को बांदीकुई में होने वाले भव्य आयोजन में अधिक से अधिक संख्या में पहुंचने का निमंत्रण दिया। साथ ही समाज के लोगों से एकजुट होकर कार्यक्रम को सफल बनाने का आह्वान किया गया। इस अवसर पर वक्ताओं ने महात्मा ज्योतिबा फुले के सामाजिक एवं शैक्षिक योगदान को याद करते हुए उनके आदर्शों पर चलने का संदेश भी दिया।

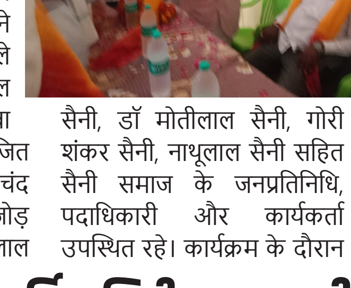

दिल्ली में रिहाना पठान को मिला सक्सेज अवॉर्ड 2026, क्षेत्र में खुशी की लहर

राजगढ़ (रॉयल पत्रिका)। राजगढ़क्षेत्र के लिए गर्व की बात है कि हमारी ख्वाइश एनजीओ की अध्यक्ष रिहाना पठान को दिल्ली में आयोजित एशिया सक्सेज बिजनेस लीडरशिप कार्यक्रम में सक्सेज अवॉर्ड 2026 से सम्मानित किया गया। इस कार्यक्रम में देश-विदेश से आए सैकड़ों बिजनेसमैन एवं विभिन्न क्षेत्रों के प्रतिभागियों ने भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान फिल्मी सितारे आफताब शिवदासानी ओर भाग्यश्री द्वारा रिहाना पठान को मोमेंटो व अवॉर्ड प्रदान कर सम्मानित किया गया। उनकी इस उपलब्धि से क्षेत्र में खुशी का माहौल है और लोगों ने उन्हें बधाइयां दी हैं। गौरतलब है कि हमारी ख्वाइश एनजीओ के माध्यम से रिहाना पठान बेरोजगार महिलाओं को हाथ का काम सिखाकर उन्हें आत्मनिर्भर बना रही हैं। इसके साथ ही संस्था द्वारा समय-समय पर गरीब व जरूरतमंद लोगों की भी सहायता की जाती है।रिहाना पठान की इस सफलता को समाज सेवा के क्षेत्र में एक बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है, जिससे अन्य लोगों को भी प्रेरणा मिल रही है।

सूचना

समाचार पत्र में प्रकाशित लेखों में लेखक के अपने विचार हैं, इनसे संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र जयपुर होगा।

बनेड़ा थाना का वार्षिक निरीक्षण, एसपी ने दिए सख्त निर्देश

इकबाल शाह

बनेड़ा/भीलवाड़ा (रॉयल पत्रिका)। जिले के पुलिस अधीक्षक धर्मेंद्र सिंह यादव द्वारा थाना परिसर में पहुंचकर सलामी ली गई इस दौरान थाना स्टाफ द्वारा उन्हें गार्डन ऑफ ऑनर दिया गया एसपी ने निरीक्षण के दौरान पुलिस कर्मियों की कार्य प्रणाली अनुशासन एवं व्यवस्था का जायजा लिया बुधवार को पुलिस थाना बनेड़ा का वार्षिक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान एसपी ने थाने की व्यवस्थाओं, रिकॉर्ड और अपराध नियंत्रण से जुड़े पहलुओं की गहन समीक्षा की। एसपी ने थाना क्षेत्र में सक्रिय अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए। साथ ही यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों पर प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करने के लिए कहा, ताकि सड़क सुरक्षा व्यवस्था बेहतर बनी रहे। निरीक्षण के दौरान पिछले तीन वर्षों में दर्ज प्रकरणों और उनके निस्तारण से संबंधित आलेखन रिपोर्ट की भी जांच की गई। एसपी ने रिकॉर्ड संधारण, लंबित मामलों के शीघ्र निपटारे और आमजन को बेहतर पुलिस सेवा उपलब्ध कराने पर जोर दिया। उन्होंने थाना परिसर की साफ-सफाई, दस्तावेजों के सुव्यवस्थित रखरखाव और ड्यूटी व्यवस्था को और मजबूत बनाने के निर्देश दिए, ताकि पुलिस थाना बनेड़ा में बेहतर व्यवस्था बनी रहे और आमजन को त्वरित राहत मिल सके।

एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया ने प्रधानमंत्री कार्यालय भवन सेवा तीर्थ में उन्नत एचवीएसी समाधान स्थापित किए

मुंबई, एजेंसी। भारत के सबसे भरोसेमंद इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांड्स में से एक, एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया ने आज हाल ही में उद्घाटित प्रधानमंत्री कार्यालय भवन, सेवा तीर्थ में अपने उन्नत एचवीएसी समाधानों की सफल स्थापना की घोषणा की। एलजीई इंडिया ने 1,590 हॉर्सपावर की कुल क्षमता वाला एक वेरिएबल रेफ्रिजरेंट फ्लो एयर-कंडीशनिंग सिस्टम स्थापित किया है, जिसमें 113 आउटडोर यूनिट शामिल हैं। इस परियोजना पर बात करते हुए एलजीई इंडिया के मैनेजिंग डायरेक्टर और चीफ सेल्स और मार्केटिंग ऑफिसर श्री हांग जू जियोन ने कहा एलजीई इंडिया को आदरणीय प्रधानमंत्री कार्यालय भवन, सेवा तीर्थ में योगदान देने पर गर्व है। चूंकि भारत बुनियादी ढांचे के विकास के एक परिवर्तनकारी चरण से गुजर रहा है, इसलिए स्मार्ट और ऊर्जा-कुशल जलवायु नियंत्रण प्रणालियों की भूमिका तेजी से महत्वपूर्ण होती जा रही है। एलजीई इंडिया में, हमारा मानना है कि वाणिज्यिक और संस्थागत स्थानों में परिचालन दक्षता का समर्थन करने में एचवीएसी एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। साथ ही, हमारी मेक इन इंडिया विनिर्माण क्षमताओं के साथ, हम देश की विविध जलवायु परिस्थितियों के लिए डिज़ाइन किए गए उच्च-प्रदर्शन वाले समाधान प्रदान करके भारत के एचवीएसी पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। जैसे-जैसे ऊर्जा-कुशल इमारतों की मांग बढ़ती है, एलजीई इंडिया का लक्ष्य अत्याधुनिक तकनीकों को लाकर इस बदलाव में योगदान देना है जो भारत के लिए भविष्य के लिए तैयार बुनियादी ढांचे को सक्षम बनाती हैं। इस प्रणाली की आपूर्ति एलजीई इंडिया के पुणे विनिर्माण संयंत्र से की गई है, जो भारत की मेक इन इंडिया पहल का समर्थन करने और आत्मनिर्भर भारत की दिशा में आगे बढ़ने की कंपनी की प्रतिबद्धता को मजबूत करता है। विशेष रूप से भारतीय परिस्थितियों के लिए तैयार किए गए, इन वीआरएफ सिस्टम को आंतरिक उत्पाद परीक्षण मानकों के अनुसार 39 डिग्री सेल्सियस तक के तापमान पर भी बिना किसी क्षमता में गिरावट के पूरी क्षमता पर काम करने के लिए डिज़ाइन किया गया है, जिससे गर्मियों के चरम महीनों के दौरान निरंतर और कुशल शीतलन प्रदर्शन सुनिश्चित होता है।

महत्वपूर्ण सरकारी परियोजनाओं को अवधारणा से लेकर वास्तविक क्रियान्वयन तक आकार देते हैं: राजगोपाल

नई दिल्ली, एजेंसी। राजगोपाल रेड्डी, अध्यक्ष, मुख्य कार्यकारी अधिकारी और प्रबंध निदेशक, कंपनी के व्यवसाय विकास का नेतृत्व करते हैं तथा ग्राहकों की अपेक्षाओं के

अनुरूप परियोजनाओं का समय पर और कुशलतापूर्वक निष्पादन सुनिश्चित करते हैं। राजगोपाल रेड्डी से जब पूछा गया कि सरल शब्दों में बताएं तो वी.एल. इंफ्राप्रोजेक्ट्स वास्तव में क्या करती है? और एए श्रेणी के ठेकेदार का दर्जा आपके व्यवसाय के लिए कितना महत्वपूर्ण है? रेड्डी ने कहा कि यदि एक वाक्य में कहें, तो हम जल से संबंधित महत्वपूर्ण सरकारी परियोजनाओं को अवधारणा से लेकर वास्तविक क्रियान्वयन तक आकार देते हैं। जल आपूर्ति और सिंचाई जैसी जीवन-आवश्यक अवसंरचना के निर्माण में हम डिज़ाइन, निर्माण और कमिशनिंग—सभी चरणों में सक्रिय रहते हैं। एए श्रेणी का ठेकेदार होना हमारे लिए केवल एक दर्जा नहीं, बल्कि हमारी विश्वसनीयता और क्षमता की पहचान है। गुजरात सरकार से प्राप्त यह सर्वोच्च मान्यता हमें बड़े, जटिल और उच्च तकनीकी योग्यता वाले परियोजनाओं में भाग लेने का अवसर प्रदान करती है। रेड्डी ने कहा कि हमारी रणनीति सरल और प्रभावी है—सभी कार्य एक ही छत के नीचे करना। डिज़ाइन से लेकर निर्माण तक हर चरण को इन-हाउस संभालने से हम गुणवत्ता, समय और लागत पर सटीक नियंत्रण बनाए रखते हैं। हमारी वृद्धि को गति देने वाले प्रमुख स्तंभों में 249 करोड़ से अधिक का मजबूत ऑर्डर बुक, 30 से अधिक सफल परियोजनाओं का अनुभव और नए राज्यों में रणनीतिक विस्तार शामिल हैं। ये सभी कारक मिलकर कंपनी को सतत और स्थायी विकास की दिशा में आगे बढ़ा रहे हैं।

स्टाइल आइकन रितिक रोशन बने ओएनएन ब्रांड के एम्बेसडर

प्रीमियम सेगमेंट पर फोकस तेज

कोलकाता, एजेंसी। देश की प्रमुख इनरवियर कंपनी लक्स इंडस्ट्रीज लिमिटेड ने अपने प्रीमियम वियर ब्रांड ओएनएन के लिए बॉलीवुड अभिनेता रितिक रोशन को ब्रांड एम्बेसडर नियुक्त करने की घोषणा की है। इस कदम के जरिए कंपनी भारत के तेजी से बढ़ते प्रीमियम इनरवियर और थर्मल वियर बाजार में अपनी पकड़ मजबूत करना चाहती है। कंपनी की यह साझेदारी ओएनएन ब्रांड की पहचान को मजबूत करने और खासकर युवा एवं महत्वाकांक्षी उपभोक्ताओं तक पहुंच बढ़ाने की रणनीति का हिस्सा है। ओएनएन को एक आधुनिक लाइफस्टाइल ब्रांड के रूप में पेश किया गया है, जो कंफर्ट, परफॉर्मेंस और स्टाइल का संतुलित अनुभव देता है। अशोक तोड़ी चेयरमैन, लक्स इंडस्ट्रीज ने कहा कि यह सहयोग कंपनी के पोर्टफोलियो में मजबूत और प्रेरणादायक ब्रांड बनाने की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि ओएनएन नई पीढ़ी के लिए आधुनिक डिजाइन, बेहतर आराम और स्टाइल प्रदान करने की कंपनी की सोच का प्रतिनिधित्व करता है, और रितिक रोशन की व्यक्तित्व और फिटनेस ब्रांड के मूल्यों से मेल खाती है। वहीं, साकेत तोड़ी, एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर, लक्स इंडस्ट्रीज के अनुसार, इस साझेदारी से ब्रांड की दृश्यता बढ़ेगी और प्रीमियम एवं परफॉर्मेंस-ओरिएंटेड इनरवियर की तलाश कर रहे ग्राहकों से मजबूत जुड़ाव बनेगा। इस सहयोग पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए रितिक रोशन ने कहा कि व्यक्तिगत स्टाइल की नींव आराम और आत्मविश्वास है। ओएनएन का गुणवत्ता, इनोवेशन और आधुनिक डिजाइन पर फोकस उनकी लाइफस्टाइल सोच से मेल खाता है। इस कैंपेन के तहत रितिक रोशन टीवी, डिजिटल प्लेटफॉर्म, रिटेल और आउटडोर मीडिया पर विभिन्न मार्केटिंग अभियानों में नजर आएंगे। इस कैंपेन को रेडिफ्यूजन ब्रांड सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड. द्वारा तैयार किया गया है। प्रमोद शर्मा, नेशनल क्रिएटिव डायरेक्टर, रेडिफ्यूजन ने कहा कि ओएनएन स्टाइल, परफॉर्मेंस और रोजमर्रा के आराम का बेहतरीन संगम है और रितिक रोशन इन सभी गुणों का सटीक प्रतिनिधित्व करते हैं। देशभर में मल्टी-चैनल प्लेटफॉर्म्स पर यह कैंपेन शुरू किया जा रहा है, जिससे ओएनएन की पहुंच स्टाइल-कॉन्शियस युवा उपभोक्ताओं तक और मजबूत होगी। इस नई साझेदारी के साथ लक्स इंडस्ट्रीज लिमिटेड ओएनएन ब्रांड की ग्रोथ को गति देने और प्रीमियम सेगमेंट में अपनी स्थिति और मजबूत करने की दिशा में आगे बढ़ रहा है।

पूजा गर्ग ने वर्ष 2026-27 के लिए दक्षिण-पूर्व एशिया के सबसे पुराने महिला-नेतृत्व वाले और महिला-केंद्रित व्यापार मंडल

पूजा गर्ग ने फिक्की लेडीज़ ऑर्गनाइजेशन की 43वीं राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में पदभार संभाला

नई दिल्ली, एजेंसी। सुश्री पूजा गर्ग ने फिक्की लेडीज़ ऑर्गनाइजेशन की 43वीं राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में पदभार ग्रहण किया, जो फिक्की का महिला व्यवसायिक विंग है और दक्षिण-पूर्व एशिया का सबसे पुराना महिला-नेतृत्व वाला एवं महिला-केंद्रित व्यापार मंडल है।

फ़्लो की 43वीं राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में, सुश्री पूजा गर्ग अपने 2026-27 के एक वर्षीय कार्यकाल में महिलाओं को सशक्त बनाने पर ध्यान केंद्रित करेंगी, जिसके लिए वे एक सक्षम वातावरण तैयार करेंगी जो उद्यमिता, उद्योग में भागीदारी और महिलाओं के आर्थिक विकास को बढ़ावा देता है। उनके नेतृत्व में, फ़्लो भारत की औद्योगिक और आर्थिक विकास गाथा में महिलाओं के बड़े योगदान को प्रोत्साहित करने के लिए कई पहल करेगा।

फ़्लो (फिक्की लेडीज़ ऑर्गनाइजेशन) की स्थापना 1983 में फेडरेशन ऑफ इंडियन चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के एक प्रभाग के रूप में हुई थी। फ़्लो महिलाओं के लिए एक अखिल भारतीय मंच के रूप में कार्य करता है, जिसका मुख्यालय नई दिल्ली में है और भारत भर में इसके 21 चैप्टर हैं, जो लगभग 15,000 महिला उद्यमियों, पेशेवरों और कॉर्पोरेट अधिकारियों का प्रतिनिधित्व करते हैं ङ्क और यह संख्या लगातार बढ़ रही है। जब मैं पूरे भारत की इस असाधारण महिला समूह का नेतृत्व करने की जिम्मेदारी ले रही हूं, तो मेरा दृष्टिकोण स्पष्ट और गहराई से प्रतिबद्ध है- भीतर से फ़्लो को मजबूत करना और इसके प्रभाव को व्यापक स्तर पर बढ़ाना। यह मार्गदर्शक विषय 'Strength Within, Scale Beyond' संस्थागत उत्कृष्टता, चैप्टरों के बीच बेहतर समन्वय और हमारे राष्ट्रीय एवं वैश्विक प्रभाव के साहसिक विस्तार पर रणनीतिक ध्यान को दर्शाता है। नई नियुक्त राष्ट्रीय अध्यक्ष सुश्री पूजा गर्ग ने कहा। फ़्लोकेवल एक नेटवर्क नहीं है; यह नेतृत्व, उद्यमिता, सहयोग और सार्थक प्रभाव पर आधारित एक सशक्त संस्था है। यह भारत के आर्थिक और सामाजिक भविष्य को आकार देने वाली महिलाओं की सामूहिक शक्ति का प्रतिनिधित्व करता है। मेरी प्रतिबद्धता है कि फ़्लोविभिन्न क्षेत्रों, क्षेत्रों और पीढ़ियों की महिलाओं के लिए सबसे विश्वसनीय और प्रभावशाली मंच बने। सुश्री गर्ग ने कहा।हमारी पहल स्थिरता, नवाचार, उद्यमिता, कौशल विकास और नेतृत्व पर आधारित रहेंगी, जिन्हें दीर्घकालिक और मापनीय परिवर्तन की दृष्टि से निर्देशित किया जाएगा। जैसे-जैसे भारत 'विकसित भारत 2047' के लक्ष्य की ओर अग्रसर है, महिलाएं इस यात्रा का केंद्रीय हिस्सा होंगी। फ़्लो को केवल इन चर्चाओं में भाग नहीं लेना चाहिए; हमें इन्हें आकार देने में भी भूमिका निभानी चाहिए। उन्होंने कहा। सुश्री पूजा गर्ग एक रणनीतिक नेता और उद्यमी हैं, जो प्रभावशाली मंचों के निर्माण और बड़े पैमाने की पहलों को आगे बढ़ाने के लिए जानी जाती हैं। कानपुर के क्राइस्ट चर्च कॉलेज से वाणिज्य में स्नातक करने के बाद, उन्होंने 1999 में लखनऊ में अपने पेशेवर करियर की शुरुआत की और तब से डिस्ट्रिब्यूटर्स इंडिया ग्रुप के अंतर्गत टेक्स इंडिया ग्रुप को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

आज से बदलेंगे काम के नियम

करोड़ों कर्मचारियों की सैलरी से ओवर टाइम तक यह कैसे डालेगा असर

नई दिल्ली, एजेंसी। 1 अप्रैल 2026 से देश में नए श्रम कानून लागू होने जा रहे हैं, जो कर्मचारियों की सैलरी, ओवरटाइम, काम के घंटे और सामाजिक सुरक्षा से जुड़े नियमों को पूरी तरह बदल देंगे। केंद्र सरकार ने चारों लेबर कोड के नियम लगभग तैयार कर लिए हैं। यह बदलाव करोड़ों कर्मचारियों और कंपनियों दोनों पर सीधा असर डालेंगे। चार नए लेबर कोड, वेतन, सोशल सिक्योरिटी, इंडस्ट्रियल रिलेशन और ऑकुपेशनल सेफ्टी, हेल्थ एंड वर्किंग कंडीशन कोड को 44 लेबर कानूनों को एक सरल ढांचे में समेटने के लिए बनाया गया है। सरकार ने इन कोड्स को 21 नवंबर 2025 से नोटिफाई कर दिया था और ड्राफ्ट नियमों को सार्वजनिक सलाह के लिए रखा गया था। जनवरी तक आए सुझावों के बाद मंत्रालय ने केंद्रीय स्तर पर इनके क्रियान्वयन के नियमों को अंतिम रूप दे दिया है। नए श्रम कानूनों के तहत, काम के मानक घंटे पहले की तरह 8 घंटे प्रतिदिन और 48 घंटे साप्ताहिक रहेंगे। हालांकि, इनमें काम करने के तरीकों को लेकर अधिक फ्लेक्सिबल बनाया गया है। नियोक्ता अब कर्मचारियों को फ्लेसिबल वर्किंग कल्चर दे सकेंगे। साप्ताहिक काम के घंटों के प्रबंधन के आधार पर अतिरिक्त ओवरटाइम विकल्प भी उपलब्ध होंगे। ओवरटाइम की यह व्यवस्था इंटरनेशनल लेबर प्रैक्टिसेज के अनुरूप रखी गई है, जिससे कर्मचारियों और नियोक्ताओं दोनों को लचीलापन मिलेगा, लेकिन श्रमिकों के हितों की रक्षा भी सुनिश्चित रहेगी। नए श्रम कोड का एक प्रमुख उद्देश्य सामाजिक सुरक्षा का दायरा बढ़ाना है। सरकार मार्च 2026 तक सामाजिक सुरक्षा लाभ को 100 करोड़ श्रमिकों तक पहुंचाने का लक्ष्य लेकर काम कर रही है।

कोटक और स्मॉल फाइनेंस बैंक की शाखाओं में अचानक पहुंची पुलिस

नई दिल्ली, एजेंसी। पंचकूला में स्मॉल फाइनेंस बैंक और कोटक महिंद्रा बैंक की शाखाओं के बाहर हरियाणा पुलिस तैनात की गई। मौके से सामने आए वीडियो में बैंकों के बाहर भारी पुलिस बल देखा गया, जिससे कुछ समय के लिए बैंकिंग गतिविधियां बाधित हो गईं। हरियाणा के पंचकूला नगर निगम की करीब 150 करोड़ रुपये की सावधि जमा रसीदों (एफडीआर) में कथित गड़बड़ी के मामले में राज्य पुलिस ने बड़ा कदम उठाया है। दरअसल, सोमवार (30 मार्च) की सुबह पंचकूला में स्मॉल फाइनेंस बैंक और कोटक महिंद्रा बैंक की शाखाओं के बाहर हरियाणा पुलिस तैनात की गई। मौके से सामने आए वीडियो में बैंकों के बाहर भारी पुलिस बल देखा गया, जिससे कुछ समय के लिए बैंकिंग गतिविधियां बाधित हो गईं। सीएनबीसी की एक खबर में सूत्रों ने बताया कि शुरुआती समय में बैंक कर्मचारियों को शाखाओं के ताले तक खोलने से रोका गया। हालांकि, कुछ समय बाद स्थिति सामान्य हुई और दोनों बैंकों की शाखाओं में कामकाज फिर से शुरू हो गया।

ट्रूकॉलरः खासतौर पर भारत को ध्यान में रखकर तैयार किया गया प्रोडक्ट

मुंबई, एजेंसी। दुनिया में संचार को सुरक्षित और भरोसेमंद बनाने वाले सबसे बड़े प्लेटफ़ॉर्म, ट्रूकॉलर ने आज घोषणा की है कि दुनिया भर में उसके यूजर्स की संख्या 500 मिलियन के पार पहुँच गई है। यह लोगों के बीच संचार को भरोसेमंद बनाने के कंपनी के सफ़र में एक बड़ी उपलब्धि है।

इस प्लेटफ़ॉर्म पर यूज़र्स की संख्या लगातार काफ़ी तेजी से बढ़ रही है, और केवल साल 2025 में ही 50 मिलियन से ज़्यादा नए यूज़र्स इस प्लेटफ़ॉर्म से जुड़े हैं। अकेले भारत में ही ट्रूकॉलर का उपयोग करने वालों की संख्या 350 मिलियन से ज़्यादा हो गई है, और भारत के बाहर इसके यूज़र्स की संख्या 150 मिलियन से ज़्यादा है। इसकी वजह है यह है कि, आज दुनिया भर में अनचाही कॉल्स, स्पैम और धोखाधड़ी से सुरक्षा की ज़रूरत लगातार बढ़ रही है। इस साल की शुरुआत में, दुनिया भर में भुगतान करके ट्रूकॉलर की सेवाओं का लाभ उठाने वाले सब्सक्राइबर्स की संख्या भी 4 मिलियन के आंकड़े को पार कर गई, जिससे कंपनी की आमदनी का एक मुख्य जरिया और भी मज़बूत हुआ है।

इस मौके पर ट्रूकॉलर के सीईओ, ऋषित झुनझुनवाला ने कहा, वैसे तो यह हमारे लिए एक बड़ी उपलब्धि है, लेकिन यह उस दुनिया के बारे में भी बहुत कुछ बयां करता है, जिसमें आज हम सब रह रहे हैं। उन्होंने आगे कहा,

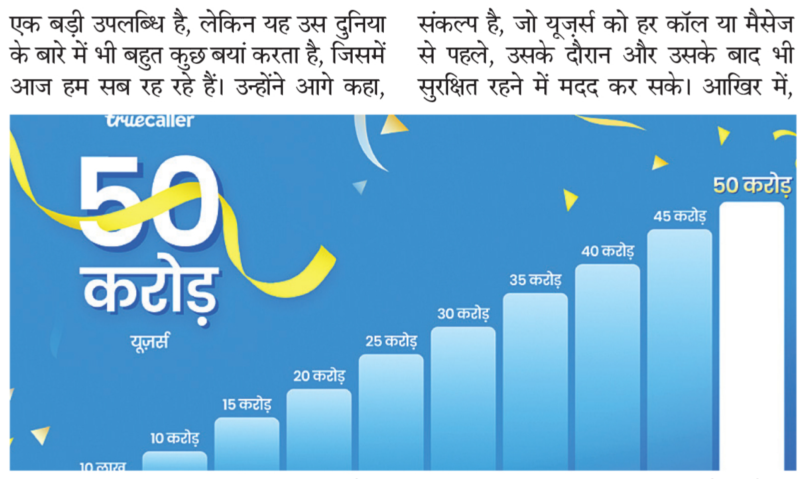

आज हर दिन ज़्यादा से ज़्यादा लोगों को स्पैम, स्कैम और अनचाहे संचार से निपटने में मदद की ज़रूरत है। 500 मिलियन यूज़र्स के आंकड़े से जाहिर है कि लोगों को इसकी कितनी ज़्यादा ज़रूरत है। साथ ही इसे यह भी पता चलता है कि लोग अपने संचार को सुरक्षित बनाने के लिए लोग ट्रूकॉलर पर कितना भरोसा करते हैं। ट्रूकॉलर को लगातार और भी ज़्यादा स्मार्ट टेक्नोलॉजी और नई खूबियों के साथ मज़बूत बनाना ही हमारा संकल्प है, जो यूज़र्स को हर कॉल या मैसेज से पहले, उसके दौरान और उसके बाद भी सुरक्षित रहने में मदद कर सके। आखिर में, हमारा लक्ष्य संचार का ऐसा माहौल तैयार करना है जो सभी के लिए एक ज़्यादा सुरक्षित और भरोसेमंद हो। अब हमारी निगाहें अगले पड़ाव पर टिकी हैं- और हम 1 बिलियन यूज़र्स तक पहुँचना चाहते हैं।

आज हर महीने आधे बिलियन से भी ज़्यादा लोग इस प्लेटफ़ॉर्म का इस्तेमाल कर रहे हैं, और इसी वजह से ट्रूकॉलर अब सिर्फ़ एक कॉलर आइडेंटिफ़िकेशन ऐप नहीं रह गया है।

30+ स्टार्टअप्स, एक विज़न

हेल्थएक्सचेंज 2026 से हेल्थ इनोवेशन को नई दिशा

जयपुर, एजेंसी। आईआईएचएमआर यूनिवर्सिटी में आयोजित हेल्थएक्सचेंज 2026 हेल्थकेयर इनोवेशन, पॉलिसी संवाद और सहयोग का एक सशक्त मंच बनकर उभरा। इस कार्यक्रम में 30 से अधिक स्टार्टअप्स और 50 से ज्यादा स्टेकहोल्डर्स—जिनमें हॉस्पिटल लीडर्स, कॉर्पोरेट, सरकारी अधिकारी और सीएसआर प्रतिनिधि शामिल थे—ने भाग लेकर भारत में स्वास्थ्य सेवाओं में बदलाव की दिशा में एक मजबूत इकोसिस्टम तैयार किया। पब्लिक हेल्थ और हेल्थकेयर मैनेजमेंट के एक प्रतिष्ठित अकादमिक और नीति विशेषज्ञ हैं। उन्होंने वास्तविक स्वास्थ्य चुनौतियों के साथ इनोवेशन को जोड़कर टिकाऊ और प्रभावी समाधान विकसित करने पर जोर दिया। फर्स्ट् सेशन राजस्थान का हेल्थकेयर परिदृश्य~ अगले बड़े अवसर की संभावनाएं विषय पर केंद्रित था, जिसमें डॉ. अमित यादव, एमडी, एनएचएम राजस्थान, डॉ. मोना दुग्गल, निदेशक, आईसीएमआर-एनआईआरडीएचडीएस, और डॉ. डी.के. शर्मा, मेडिकल सुपरिटेंडेंट, डॉ. आर.पी. सेंटर, एम्स दिल्ली शामिल रहे। इस सेशन का संचालन डॉ. सबीन कपासी,

सीईओ एवं एमडी, एनिरा कंसल्टिंग द्वारा किया गया, जहां प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने, पहुंच में सुधार लाने और एकीकृत केयर मॉडल के जरिए सिस्टम की खामियों को दूर करने पर जोर दिया गया। सेकंड सेशन हेल्थकेयर का अगला दौर~ एआई-सक्षम सेवाएं और सहयोगात्मक इनोवेशन विषय पर आधारित था, जिसमें डॉ. अतुल तिवारी, अतिरिक्त नोडल अधिकारी, एआई/एमएल नीति, चिकित्सा शिक्षा विभाग, राजस्थान सरकार, श्री ललित सिंगला, संस्थापक एवं सीईओ, स्टियरएक्स और मैनेजिंग पार्टनर, स्टियरएक्स वेंचर्स, तथा श्री अनुभव सुखवानी, सीओओ, किम्स हॉस्पिटल, मुंबई शामिल रहे।

सैमसंग ने भारत में आधुनिक परफॉर्मेंस और एआई-संचालित प्रोडक्टिवटी के साथ लॉन्च किया गैलेक्सी बुक

गुरुग्राम, एजेंसी। सैमसंग, भारत के सबसे बड़े कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांड, ने गैलेक्सी बुक6 सीरीज़ को लॉन्च कर दिया है। इसकी शुरुआती कीमत 1,27,990 रुपये है। सैमसंग की सबसे एडवांस्ड गैलेक्सी बुक सीरीज़ एआई-पावर्ड प्रोडक्टिविटी को सटीक इंजीनियरिंग और संतुलित, स्लिम प्रोफाइल के जरिए नई ऊंचाइयों पर ले जाती है।

बेजोड़ परफॉर्मेंस: गैलेक्सी बुक6 सीरीज़ इंटेल0 कोर अल्ट्रा सीरीज 3 प्रोसेसर्स द्वारा संचालित है, जो पिछले जेनरेशन की तुलना में 60 प्रतिशत से ज्यादा तेज सीपीयू परफॉर्मेंस देता है। इससे तेज प्रोसेसिंग, सहज मल्टीटास्किंग और रिस्पॉन्सिव एआई अनुभव मिलता है। इंटीग्रेटेड एनपीयू 50 टीओपीएस तक की क्षमता प्रदान करता है, जो इमेज क्लीनअप, तुरंत अनुवाद और इंटेलिजेंट सर्च जैसी एआई -संचालित टास्क को क्लाउड पर निर्भर हुए बिना तुरंत पूरा करता है। गैलेक्सी बुक6 अल्ट्रा इस अनुभव को और बेहतर बनाता है – इसमें लेटेस्ट एनवीडिया0 जीईफोर्स आरटीएक्स 5070 लैपटॉप जीपीयू दिया गया है, जो हाई-स्पीड एआई इमेज जेनरेशन, स्मूथ वीडियो प्लेबैक और एडिटिंग तथा शानदार गेमिंग के लिए बेहतरीन परफॉर्मेंस देता है।

परफॉर्मेंस को बेहतर बनाने के लिए, गैलेक्सी बुक6 अल्ट्रा और प्रो में बड़ा ऑप्टिमाइज्ड वेपर चैंबर लगा है जो गर्मी को बेहतर तरीके से बांटता है। एन्हांस्ड फिन्स सतह क्षेत्र को बढ़ाते हैं, जिससे पिछले जेनरेशन की तुलना में कूलिंग एफिशिएंसी 35 प्रतिशत बेहतर हो गई है। गैलेक्सी बुक6 अल्ट्रा में डुअल-पाथ आउटलेट फैन और हीटसिंक भी है, जो गर्मी को प्रभावी ढंग से सोखता और बाहर निकालता है। गैलेक्सी बुक6 अल्ट्रा और प्रो सीरीज़ में सैमसंग की सबसे लंबे समय तक चलने वाली गैलेक्सी बुक बैटरी दी गई है, जो 30 घंटे तक वीडियो प्लेबैक देती है। साथ ही सुपर-फास्ट चार्जिंग सिर्फ 30 मिनट में बैटरी को 63 प्रतिशत तक रिचार्ज कर देती है।

अपग्रेडेड डिस्प्ले : गैलेक्सी बुक6 अल्ट्रा और प्रो में डायनैमिक एमोलेड 2ङ्क टचस्क्रीन दिया गया है, जो एचडीआर में 1000 निट्स तक पीक ब्राइटनेस और एसडीआर में 500 निट्स पीक ब्राइटनेस प्रदान करता है, जिससे बेहद साफ और जीवंत विजुअल्स मिलते हैं। विज़न बूस्टर टेक्नोलॉजी आसपास की रोशनी का विश्लेषण करके डिस्प्ले को आउटडोर वातावरण के अनुसार अनुकूलित कर देती है, जिससे बेहतर विज़िबिलिटी और रंग सटीकता बनी रहती है। इसका ट्रू ब्राइट 1300 सर्टिफिकेशन वास्तविक ब्राइटनेस लेवल सुनिश्चित करता है, जो क्लैरिटी और वाइब्रेंसी को और बढ़ाता है। वहीं ट्रू ब्लैक 0.0005 निट्स रियल ब्लैक लेवल देता है, जिससे हाई-कॉन्ट्रास्ट देखने का शानदार अनुभव मिलता है। रिफ्रेश रेट एनिमेशन, गेमिंग और वीडियो स्ट्रीमिंग के दौरान स्मूथ मोशन सुनिश्चित करता है। डीएक्ससी के साथ कॉर्निंग0 गोरिल्ला0 ग्लास डिस्प्ले को ज्यादा मजबूत बनाता है – इसमें बेहतर ड्रॉप और स्क्रैच रेसिस्टेंस है और यह रिफ्लेक्शन को 75 प्रतिशत तक कम कर देता है।

एयरटेल पेमेंट बैंक पर आरबीआई का बड़ा एक्शन, 30 लाख से ज्यादा का लगा जुर्माना

नई दिल्ली, एजेंसी। रिजर्व बैंक ने वित्तीय लेखे-जोखे में खुलासे से संबंधित प्रावधानों के उल्लंघन के लिए एयरटेल पेमेंट बैंक पर 31.8 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। रिजर्व बैंक ने साफ किया कि यह कार्रवाई केवल नियमों की अनदेखी के कारण की गई है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने एयरटेल पेमेंट बैंक पर बड़ी कार्रवाई की है। रिजर्व बैंक ने वित्तीय लेखे-जोखे में खुलासे से संबंधित प्रावधानों के उल्लंघन के लिए 31.8 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। केंद्रीय बैंक ने बताया कि उसने 31 मार्च, 2025 तक की बैंक की आर्थिक स्थिति की निगरानी और जांच के लिए एक कानूनी ऑडिट किया था। इस दौरान बैंक के कामकाज में आरबीआई के निर्देशों की अनदेखी पाई गई, जिसके बाद बैंक को कारण बताओ नोटिस जारी कर जवाब मांगा गया था। बैंक की ओर से दिए गए जवाब और दलीलों पर विचार करने के बाद आरबीआई ने पाया कि एयरटेल पेमेंट बैंक ने वित्त वर्ष 2024-25 के अपने सालाना लेखा-जोखा में ग्राहकों की कुछ शिकायतों की जानकारी छिपाई थी। चूंकि यह आरोप सही साबित हुआ, इसलिए बैंक पर मौद्रिक जुर्माना लगाना जरूरी समझा गया। आरबीआई ने साफ किया कि यह कार्रवाई केवल नियमों की अनदेखी के कारण की गई है। इसका मकसद बैंक और उसके ग्राहकों के बीच हुए किसी भी लेनदेन या समझौते की वैधता पर सवाल उठाना या उस पर कोई फैसला देना नहीं है।

कृति सेनन और रश्मिका मंदाना

कौन है ज्यादा अमीर?

'कॉकटेल 2' एक्ट्रेसेस की नेटवर्थ

कृति सेनन और रश्मिका मंदाना इन दिनों अपनी फिल्म कॉकटेल 2 को लेकर चर्चा में हैं। दोंनो में से कौन ज्यादा अमीर है। इस फिल्म में दोनों एक्ट्रेसेस धमाल मचाने को तैयार हैं। ऐसे में आइए जानते है कि कृति और रश्मिका में से किसकी नेटवर्थ ज्यादा है। कृति सेनन बॉलीवुड की टैलेंटेड एक्ट्रेस हैं। कृति ने अपनी मेहनत को दम पर फिल्म इंडस्ट्री में अलग पहचान बनाई है। कृति ने 'बरेली की बर्फी', 'लुका छुपी', 'दिलवाले', 'दो पत्ती' और 'हाउसफुल 4' जैसी हिट फिल्मों में काम किया है। कृति ने 'बरेली की बर्फी', 'लुका छुपी', 'दिलवाले', 'द मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक कृति सेनन की नेटवर्थ 82 करोड़ रुपये हैं। एक्ट्रेस एक फिल्म के लिए करीब 4 करोड़ की फीस लेती हैं। कृति फिल्मों के अलावा ब्रांड एंडोर्समेंट्स, सोशल मीडिया और अपने स्किनकेयर ब्रांड 'हाइफ़न' और प्रोडक्शन हाउस 'ब्लू बटरफ्लाई फिल्म्स' से मोटी कमाई करती हैं।एक्ट्रेस रश्मिका मंदाना साउथ के साथ बॉलीवुड का भी फेमस चेहरा बन चुकी हैं। उन्होंने 'पुष्पा', 'छावा' और 'एनिमल' जैसी शानदार फिल्मों में काम किया है। नेटवर्थ की बात करें तो रिपोर्ट्स के मुताबिक रश्मिका मंदाना की नेटवर्थ 66 करोड़ रुपए है। वों एक फिल्म के लिए वो 4 से 5 करोड़ चार्ज करती हैं। फिल्मों के अलावा रश्मिका मॉडलिंग, ब्रांड एंडोर्समेंट और स्टेज शोज से कमाई करती हैं। एक्ट्रेस का 'डियर डायरी' नाम से अपना परफ्यूम ब्रांड भी है।

बनर्जी की पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में बड़ा खुलासा, फेफड़ों में रेत भर जाने से हुई मौत!

ओडिशा के तालसारी बीच पर शूटिंग के दौरान अभिनेता राहुल अरुणोदय बनर्जी की अपनी सह-कलाकार को बचाने की कोशिश में डूबने से मौत हो गई। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में फेफड़ों में रेत और पानी मिलने की पुष्टि हुई है, जो पानी के अंदर एक लंबे संघर्ष की ओर इशारा करता है। अभिनेता राहुल अरुणोदय बनर्जी की दुखद मौत के मामले में नई जानकारी सामने आई है। चश्मदीदों के मुताबिक, राहुल की जान अपनी एक महिला सह-कलाकार को बचाने की कोशिश में गई। यह हादसा ओडिशा के तालसारी बीच पर तब हुआ जब वे एक टीवी सीरियल की शूटिंग कर रहे थे।

धुरंधर-2 के मेजर इकबाल अर्जुन रामपाल भावुक हुए

सक्सेस पर टीम को धन्यवाद दिया, कहा- सपने सच होते हैं

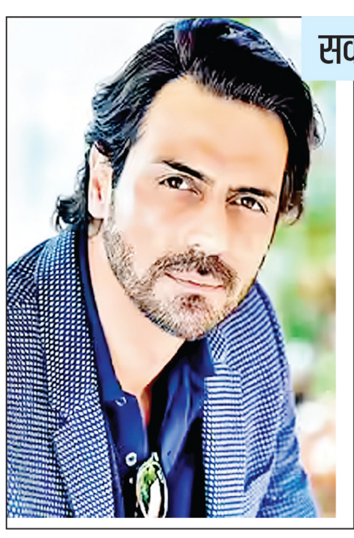

रणवीर सिंह स्टारर धुरंधर-2 ने 11 दिनों में कई रिकॉर्ड बनाए हैं। फिल्म 1365 करोड़ कलेक्शन के साथ बॉलीवुड की तीसरी हाईएस्ट ग्रॉसिंग और इंडियन सिनेमा की पांचवीं सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म बन गई है। फिल्म की सफलता से मेजर इकबाल का किरदार निभाने वाले अर्जुन रामपाल भावुक हो गए और उन्होंने टीम का धन्यवाद किया। अर्जुन रामपाल ने पहली फिल्म मोक्ष से अब तक की तस्वीरें शेयर कर सोशल मीडिया पर लिखा है, 'बचपन में काउबॉय बनने से लेकर धुरंधर तक मैं खुद को खुशकिस्मत मानता हूं कि इस सफर में इतने लोग साथ रहे। मेरे प्यारे फैंस, साथ देने के लिए दिल से धन्यवाद।' आगे उन्होंने लिखा, 'धुरंधर की इस शानदार टीम का शुक्रिया, आप सब मेरे मजबूत सहारा रहे। और मेरा 'बब्बर शेर' रणवीर सिंह, तुम्हारा खास धन्यवाद। लोकेंद्र धर, ज्योति देशपांडे, श्वेता, कास्टिंग टीम, आर. माधवन, राकेश बेदी, संजय दत्त, प्रीति शील, स्मृति, आप सभी का आभार। यह लिस्ट और लंबी होगी। मैं बहुत खुश हूं। धैर्य, मेहनत और जुनून के साथ बने रहें, तो सपने सच होते हैं।'

मेन स्ट्रीम सिनेमा के मुकाबले ओटीटी पर अभिनेत्रियों के लिए ज्यादा अच्छे किरदार

भूमि पेडनेकर

मायानगरी के सिनेमा के सपने को पूरा करने का ख्वाब अब दिल्ली में भी देखा जा सकेगा क्योंकि अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव पहली बार दिल्ली में हो रहा है। 'टॉयलेट : एक प्रेमकथा' और 'दम लगाके हईशा' जैसी फिल्मों में लीड रोल निभा चुकीं भूमि पेडनेकर और अभिनेता मानव विज समारोह का हिस्सा बने। भूमि पेडनेकर ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि पहली बार अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव का हिस्सा बनकर खुशी महसूस हो रही है। दिल्ली को इस फिल्म फेस्टिवल की सबसे ज्यादा जरूरत है, और आज सरकार और इस समारोह से जुड़े लोगों की मेहनत ने कलाकारों और निर्माताओं को बड़ा मंच दिया है। भले ही मैं मुंबईवासी हूं, लेकिन मेरा दिल दिल्ली के लिए धड़कता है।

ओटीटी और सिनेमा में आए बदलाव पर अभिनेत्री ने कहा कि ओटीटी पर जितने भी किरदार एक्सपेरिमेंटल मिलते हैं, वो राइटर की बदौलत मिलते हैं, क्योंकि वो वैसे किरदारों को लिखते हैं, हमें बस सही किरदार का चुनाव करना होता है, लेकिन मेन स्ट्रीम सिनेमा में महिलाओं के लिए उतने अच्छे और एक्सपेरिमेंटल रोल नहीं मिल पा रहे हैं, जितने ओटीटी पर मिल रहे हैं, लेकिन उम्मीद है कि मेन स्ट्रीम सिनेमा में यह बदलाव भी जल्द से जल्द आएगा। पंजाबी अभिनेता मानव विज भी महोत्सव का हिस्सा बने और उनकी फिल्म 'मां जाए' की स्पेशल स्क्रीनिंग भी रखी गई। मीडिया से बात करते हुए अभिनेता ने बताया कि यह फिल्म उनके लिए बहुत खास है और किरदार को जीवंत करने के लिए उन्होंने पूरी जान लगा दी थी। मुझे पता था कि फिल्म अच्छी साबित होगी, लेकिन यह नहीं पता था कि फिल्म को इतना सम्मान भी मिलेगा।

जसलीन कौर

के किरदार में परी पंधेर का जादू, छोटी सी भूमिका में छोड़ी गहरी छाप

आदित्य धर की स्पाई थ्रिलर फिल्म 'धुरंधर' ने साल 2025 में रिलीज होते ही दर्शकों के दिलों में गहरी छाप छोड़ी थी, तो वहीं दूसरे पार्ट ने रिलीज होते ही हर किसी को चौंका दिया। धुरंधर में जहां सारा ने डेब्यू कर हर किसी को दीवाना बना दिया था, तो 'धुरंधरः द रिवेंज' में पंजाबी सिंगर और अभिनेत्री परी पंधेर ने अपनी सादगी से हर किसी के दिलों को जीता है। फिल्म में परी का छोटा-सा लेकिन प्रभावशाली रोल रहा है। अभिनेत्री ने फिल्म में जसकिरत सिंह रंगी (रणवीर सिंह) की बहन जसलीन कौर रंगी की भूमिका निभाई है। इस फिल्म में परी का किरदार बहुत भावुक और असरदार रहा और उनकी एक्टिंग ने सभी पर गहरा प्रभाव डाला। उन्होंने अपने किरदार को इतनी गहराई दी, जिससे जसकीरत की शुरुआती जिंदगी अच्छे से दिखाई गई। फिल्म में पंजाब का रंग भी साफ झलकता है। रणवीर सिंह, संजय दत्त और अर्जुन रामपाल जैसे बड़े कलाकारों के साथ स्क्रीन शेयर करते हुए परी का यह डेब्यू काफी प्रभावशाली रहा है। वह 2026 की नई उभरती प्रतिभाओं में शुमार हो गई हैं। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट शेयर कर सबका शुक्रिया अदा किया। उन्होंने सेट से कुछ तस्वीरें पोस्ट कीं, जिसके साथ उन्होंने लिखा, 'जब आदित्य धर सर की टीम से 'धुरंधर' के लिए फोन आया, तो सबसे पहले पूछा गया कि आपके लिए कितनी गाड़ियां भेजें और कहां भेजें? उस पल सब कुछ सपना लग रहा था। ' उन्होंने लिखा, 'उस दौरान मैं अपने मेंटर और भाई बंटी बेंस के साथ बैठी थी और हम दोनों की खुशी का ठिकाना नहीं था। हम इतने उत्साहित थे कि गाड़ी का इंतजार करने की बजाय अपनी कार में बैठकर सीधे शूटिंग लोकेशन के लिए निकल पड़े। उस सफर के हर पल में शुक्रिया, सपने और खुशी भरी हुई थी। उन्होंने अपनी बात को खत्म करते हुए लिखा, 'कुछ सफर सिर्फ मंजिल तक पहुंचने के लिए नहीं होते। वे यह एहसास दिलाते हैं कि आप वाकई उसी के लिए बने हैं। उस दिन मुझे लगा कि कुछ बहुत खूबसूरत शुरू होने वाला है। ऐसे पलों के लिए हमेशा आभारी रहूंगा। '

रणबीर ने लॉस एंजेलिस में दिखाया रामायण का पहला टीजर

भारत में हनुमान जयंती पर होगा ऑफिशियल लॉन्च; फिल्म में यश बनेंगे रावण

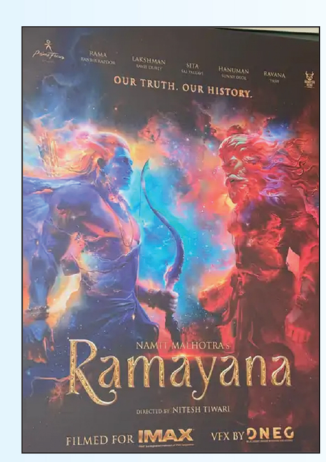

रणबीर कपूर ने अपनी आने वाली मेगा बजट फिल्म 'रामायण' में भगवान राम के अपने रोल की पहली झलक लॉस एंजेलिस में दिखाई। सोमवार को वहां हुए एक इवेंट में रणबीर कपूर और डायरेक्टर नितेश तिवारी ने फिल्म को लेकर बात की। भारत में यह वीडियो 2 अप्रैल को हनुमान जयंती के मौके पर रिलीज किया जाएगा। इवेंट के दौरान रणबीर कपूर ने भगवान राम की अहमियत और उनकी विरासत पर बात की। रणबीर ने कहा, 'भगवान राम सदियों से दुनिया भर के अरबों लोगों के लिए आदर्श रहे हैं। वे हमें सिखाते हैं कि मुश्किल समय में भी इंसान को कैसे डटे रहना चाहिए। वे करुणा, साहस, धर्म और माफी के प्रतीक हैं। उन्हें 'मर्यादा पुरुषोत्तम' कहा जाता है, जिसका अर्थ एक आदर्श व्यक्ति है।' रणबीर के साथ डायरेक्टर नितेश तिवारी ने भी रामायण के मूल्यों पर अपने विचार रखे। टीजर लॉन्च के बाद रणबीर कपूर, डायरेक्टर नितेश तिवारी और प्रोड्यूसर नमित मल्होत्रा ने दर्शकों के साथ सवाल-जवाब का सेशन किया। इस दौरान जब एक फैन ने रणबीर का अभिवादन किया, तो एक्टर ने 'जय सिया राम' कहकर जवाब दिया। रणबीर ने कहा, 'यह मेरे लिए बहुत खास पल है। आप लोग दुनिया के पहले लोग हैं जिन्होंने हमारे इस प्रोजेक्ट की पहली झलक देखी है। इसके लिए मैं आप सभी का आभारी हूं। 'रणबीर कपूर, डायरेक्टर नितेश तिवारी और प्रोड्यूसर नमित मल्होत्रा ने सवाल-जवाब का सेशन किया। फिल्म के प्रोड्यूसर नमित मल्होत्रा ने बताया कि फिल्म के प्रमोशन की शुरुआत हनुमान जयंती से होगी। गुरुवार को सुबह 9:00 बजे से 10:30 बजे के बीच इस वीडियो को दुनिया भर में रिलीज किया जाएगा। इसके लिए देश के अलग-अलग शहरों में बड़े इवेंट्स भी प्लान किए गए हैं। मेकर्स की योजना इस फिल्म को इसी साल दिवाली के मौके पर सिनेमाघरों में रिलीज करने की है। नितेश तिवारी की यह फिल्म महर्षि वाल्मीकि की रामायण पर आधारित है। फिल्म में रणबीर कपूर के साथ साई पल्लवी माता सीता के किरदार में नजर आएंगी। वहीं, फिल्म की बाकी स्टारकास्ट भी काफी चर्चा में है। फिल्म में बॉलीवुड के कई बड़े नाम शामिल किए गए हैं। इनमें लारा दत्ता, विवेक ओबेरॉय, अरुण गोविल, शीबा चड्ढा, काजल अग्रवाल, कुणाल कपूर और फैसल मलिक जैसे कलाकार अहम भूमिकाओं में हैं। बता दें कि अरुण गोविल ने पुराने 'रामायण' सीरियल में राम का किरदार निभाया था, लेकिन इस फिल्म में वे दूसरे अहम रोल में दिखेंगे। नमित मल्होत्रा के प्रोडक्शन में बन रही इस फिल्म पर पिछले कई सालों से काम चल रहा है। फिल्म को ग्लोबल ऑडियंस के हिसाब से तैयार किया जा रहा है, जिसमें हाई-लेवल ड्क्स्न्ङ्ग का इस्तेमाल हुआ है। रणबीर कपूर ने इस रोल के लिए अपनी लाइफस्टाइल और लुक्स में काफी बदलाव किए हैं। हनुमान जयंती के दिन प्रमोशन शुरू करने का मकसद फिल्म के आध्यात्मिक पहलू से दर्शकों को जोड़ना है।

(साभार एजेंसी)

आईपीएल टिकट केएससीए का बड़ा फैसला

अब विधायकों को इंटरनेशनल और आईपीएल मैच के लिए मिलेंगे इतने फ्री टिकट

बेंगलुरु (एजेंसी)। बेंगलुरु के चिन्नास्वामी स्टेडियम में आईपीएल मैचों के दौरान टिकटों को लेकर चल रही खींचतान अब

खत्म होती नजर आ रही है। कर्नाटक राज्य क्रिकेट संघ ने विधायकों की मांग को स्वीकार करते हुए उनके लिए फ्री टिकटों का कोटा तय कर दिया है। अब राज्य के विधायकों को न केवल आईपीएल, बल्कि अंतरराष्ट्रीय मैचों में भी खास तवज्जो दी जाएगी।

टिकटों का नया गणित – इस पूरे विवाद को सुलझाने के लिए डिप्टी सीएम डी.के. शिवकुमार ने केएससीए के आला अधिकारियों और आरसीबी के सीईओ के साथ एक अहम बैठक की। बैठक के बाद यह तय हुआ कि अब हर आईपीएल मैच के लिए विधायकों को 3 फ्री टिकट दिए जाएंगे। इतना ही नहीं, इंटरनेशनल मैचों के लिए भी विधायकों को 2 फ्री टिकट मिलेंगे, जबकि 2 अन्य टिकट वे पैसे देकर खरीद सकेंगे। पहले केवल 2 टिकटों की बात चल रही थी, लेकिन लंबी चर्चा के बाद इसे बढ़ाकर 3 कर दिया गया है।

खरीदने में भी मिलेगी प्राथमिकता – जो विधायक फ्री कोटा के अलावा अतिरिक्त टिकट खरीदना चाहते हैं, उनके लिए भी रास्ता आसान कर दिया गया है। विधायकों को बस विधानसभा अध्यक्ष के कार्यालय में एक पत्र देना होगा, जिसके बाद उन्हें टिकट खरीदने की कतार में प्राथमिकता दी जाएगी। यानी अब माननीय सदस्यों को आम जनता की तरह टिकटों के लिए परेशान नहीं होना पड़ेगा।

विवाद की जड़ और 'वीआईपी' गरिमा

यह पूरा मामला तब शुरू हुआ जब विधानसभा में विधायकों ने आईपीएल मैचों के लिए अपनी सीटों और टिकटों का मुद्दा उठाया। कुछ विधायकों का तर्क था कि चूंकि वे जन प्रतिनिधि और वीआईपी हैं, इसलिए वे आम जनता के साथ लंबी लाइनों में खड़े होकर टिकट नहीं ले सकते। विधानसभा अध्यक्ष यूटी खादर ने भी इस पर सरकार को हस्तक्षेप करने का सुझाव दिया था। हालांकि, स्टेडियम में विधायकों के लिए अलग गैलरी बनाने की मांग पर डिप्टी सीएम ने स्पष्ट किया कि वे इस तकनीकी मामले में दखल नहीं देंगे।

भारत ने भूटान को 5-0 से रौंदा, टेबल में टॉप पर पहुंची टीम इंडिया

नईदिल्ली (एजेंसी)। भारत ने 23 ट्राई-नेशन चैंपियनशिप 2026 में शानदार प्रदर्शन करते हुए भूटान 23 नेशनल टीम को 5-0 से हरा दिया। यह मुकाबला अरुणाचल प्रदेश के यूपिया स्थित गोल्डन जुबली स्टेडियम में खेला गया। इस जीत के साथ भारत अंक तालिका में टॉप पर पहुंच गया है।

भारत की ओर से सुहैल अहमद भट ने शानदार खेल दिखाते हुए दो गोल किए। वहीं रिक्की मीतेई हाओबाम, टोम्बा सिंह हाओबाम और मोहम्मद अजसल ने एक-एक गोल कर टीम की जीत पक्की कर दी। भारत ने मैच की शुरुआत से ही आक्रामक खेल दिखाया और भूटान पर लगातार दबाव बनाए रखा।

पहला गोल हाफ टाइम से ठीक पहले आया, जब रिक्की ने बॉक्स के बाहर से शानदार शॉट लगाकर टीम को बढ़त दिलाई। इसके बाद दूसरे हाफ में भारत ने और आक्रामक खेल दिखाया और लगातार गोल कर मैच को एकतरफा बना दिया।

मैच के आखिरी मिनटों में भारत ने दो और गोल कर स्कोर 5-0 कर दिया। सुहैल ने एक गोल करने के साथ एक असिस्ट भी दिया, जिससे टीम की बड़ी जीत सुनिश्चित हुई। भारत ने पूरे मैच में गेंद पर नियंत्रण रखा और भूटान को ज्यादा मौके नहीं दिए। इस जीत के बाद भारत के तीन अंक हो गए हैं।

सौरव गांगुली ने किया बीसीसीआई का समर्थन, हर जगह खेले जाएं टेस्ट

कोलकाता। भारत के पूर्व कप्तान और बंगाल क्रिकेट संघ के अध्यक्ष सौरव गांगुली चाहते हैं कि ईडन गार्डंस पर ज्यादा से ज्यादा टेस्ट हों लेकिन उन्हें यह देखकर भी खुशी होती है कि पारंपरिक प्रारूप के मैच गुवाहाटी और रांची जैसे केंद्रों पर खेले जा रहे हैं।बीसीसीआई ने पिछले सप्ताह भारतीय क्रिकेट टीम के 2026-27 के घरेलू सत्र का ऐलान करते हुए ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी के टेस्ट कोलकाता और मुंबई जैसे पारंपरिक केंद्रों पर नहीं कराने का फैसला किया है। ये मैच 21 जनवरी से 25 फरवरी तक नागपुर, चेन्नई, गुवाहाटी, रांची और अहमदाबाद में खेले जाएंगे।

गांगुली ने स्पोर्ट्सस्टार की किताब 'मिरेकल एट ईडन' के विमोचन से इतर कहा, 'ईडन गार्डंस पर बड़े टेस्ट मैच होते देखना हमेशा अच्छा लगता है। कैब के अध्यक्ष और पूर्व खिलाड़ी होने के नाते मैं चाहता हूं कि यहां टेस्ट मैच हो लेकिन हमने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट की मेजबानी की थी। इसके बाद टी20 विश्व कप के मैच हुए और अब आईपीएल के मैच भी यहां हो रहे हैं।' उन्होंने कहा, 'हम सभी चाहते हैं कि ईडन पर ज्यादा मैच हो लेकिन यह समझना भी जरूरी है कि दूसरे मैदानों पर भी मैच होने चाहिए।'

मुंबई के होटल के कमरे में फर्श पर पड़ा मिला आईपीएल इंजीनियर का शव

मुंबई। इंडियन प्रीमियर लीग के रोमांच के बीच मुंबई से एक दुखद खबर सामने आई है। टूर्नामेंट के ब्रॉडकास्ट क्रू का हिस्सा रहे 76 वर्षीय ब्रिटिश नागरिक इयान विलियम्स लैंगफोर्ड की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई है। वह मुंबई के मरीन ड्राइव स्थित मशहूर ट्राइडेंट होटल में ठहरे हुए थे, जहां सोमवार को उनका शव कमरे के फर्श पर पड़ा मिला। जानकारी के मुताबिक, इयान 24 मार्च से ही आईपीएल की कवरेज के सिलसिले में होटल में रुके थे। 29 मार्च को वानखेड़े स्टेडियम में मुंबई इंडियंस और कोलकाता नाइट राइडर्स के बीच हुए मुकाबले के बाद वह अपने कमरे (नंबर 2715) में लौट गए थे। अगले दिन यानी 30 मार्च को जब होटल रिसेप्शन से उन्हें फोन किया गया, तो वहां से कोई जवाब नहीं आया। बार-बार संपर्क करने की कोशिश नाकाम होने के बाद होटल स्टाफ उनके कमरे तक पहुंचा।जब कमरे के अंदर से कोई हलचल महसूस नहीं हुई, तो स्टाफ ने मास्टर की का इस्तेमाल कर दरवाजा खोला। अंदर का नजारा हैरान करने वाला था–इयान जमीन पर बेसुध गिरे हुए थे। होटल के इन-हाउस डॉक्टर को तुरंत मौके पर बुलाया गया, जिन्होंने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। इस घटना की सूचना मिलते ही मरीन ड्राइव पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने फिलहाल इसे आकस्मिक मृत्यु के तौर पर दर्ज किया है। शव का पोस्टमार्टम करा लिया गया है और शुरुआती रिपोर्ट में अभी तक किसी भी तरह की संदिग्ध गतिविधि या साजिश के संकेत नहीं मिले हैं।

वैभव सूर्यवंशी ने रच दिया इतिहास

15 गेंद में 50 रन ठोककर तोड़ा अभिषेक शर्मा-ईशान और रैना का महारिकॉर्ड

गुवाहाटी (एजेंसी)। राजस्थान रॉयल्स ने इंडियन प्रीमियर लीग 2026 में धमाकेदार अंदाज़ में शुरुआत करते हुए चेन्नई सुपर किंग्स को 8 विकेट से हरा दिया, लेकिन इस मुकाबले की सबसे बड़ी चर्चा युवा बल्लेबाज़ वैभव सूर्यवंशी का रिकॉर्डतोड़ प्रदर्शन रहा. सूर्यवंशी ने सिर्फ 15 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा कर आईपीएल इतिहास में सबसे तेज फिफ्टी लगाने वाले खिलाड़ियों की लिस्ट में जगह बना ली. इस दौरान उन्होंने सुरेश रैना, अभिषेक शर्मा, ईशान किशन और ट्रैविस हेड जैसे खिलाड़ियों के 16 गेंदों में बने अर्धशतक के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया।

- **आरआर के गेंदबाजों ने सीएसके पर कसी नकेल** – इस जीत की नींव पहले गेंदबाज़ों ने रखी थी. जोफ्रा आर्चर और नांद्रे बर्गर ने नई गेंद से शानदार स्विंग कराते हुए शुरुआती झटके दिए. वहीं रवींद्र जडेजा ने भी दो विकेट लेकर मध्यक्रम को संभलने नहीं दिया. चेन्नई की टीम 127 रनों पर सिमट गई. केवल जेमी ओवरटन ने 43 रनों की संघर्षपूर्ण पारी खेलकर स्कोर को सम्मानजनक बनाया। सूर्यवंशी के आउट होने के बाद यशस्वी जायसवाल (नाबाद 38) और कप्तान रियान पराग (नाबाद 14) ने बिना किसी परेशानी के लक्ष्य हासिल कर लिया. टीम ने 12.1 ओवर में ही मैच जीतकर अपने इरादे साफ कर दिए. इस मुकाबले में सबसे खास बात यही रही कि एक वैभव ने न सिर्फ मैच जिताया, बल्कि रिकॉर्ड बुक में भी अपना नाम दर्ज करा लिया।

वैभव ने पावरप्ले में मचाया तहलका

128 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए सूर्यवंशी ने शुरुआत से ही आक्रामक रुख अपनाया. उन्होंने चौकों-छक्कों की बारिश करते हुए पावरप्ले में ही मैच का रुख पूरी तरह बदल दिया. उनकी पारी की बदौलत राजस्थान ने बिना विकेट खोए 6 ओवर में 74 रन बना लिए, जिससे जीत लगभग तय हो गई. युवा स्टार वैभव ने 17 गेंदों में 52 रन बनाए, जिसमें 5 छक्के और 7 चौके शामिल रहे. हालांकि अर्धशतक के तुरंत बाद वह आउट हो गए, लेकिन तब तक चेन्नई के गेंदबाज पूरी तरह दबाव में आ चुके थे।

ओवरटन ने धोनी का रिकॉर्ड तोड़ा

जैमी ओवरटन ने 43 रन की पारी खेलकर ष्स्ब्य के लिए नंबर–8 या उससे नीचे बल्लेबाजी करते हुए सबसे बड़ा स्कोर बना दिया। इससे पहले यह रिकॉर्ड एम एस धोनी के नाम था, जिन्होंने 2024 में विशाखापट्टनम में दिल्ली के खिलाफ नाबाद 37 रन बनाए थे।

कम्बोज-ओवरटन की रिकॉर्ड साझेदारी

अंशुल कम्बोज और जैमी ओवर्टन ने 10वें विकेट के लिए 33 रन जोड़े। यह सीएसके की ओर से आखिरी विकेट की सबसे बड़ी साझेदारी है। इससे पहले यह रिकॉर्ड 26 रन का था, जो एम एस धोनी और मोहित शर्मा के नाम 2013 में दर्ज हुआ था।

पांच साल बाद संजू पहले मैच में फिफ्टी से चूके

संजू सैमसन 2020 के बाद पहली बार किसी सीजन के पहले मैच में 50+ स्कोर नहीं बना सके। 2021 में उन्होंने शतक लगाया था। 2022, 2023, 2024, 2025 में संजू ने 50 से ज्यादा रन बनाए थे।

ओवरटन ने धोनी का रिकॉर्ड तोड़ा, रॉयल्स की सबसे बड़ी जीत

15 साल के वैभव सूर्यवंशी ने राजस्थान रॉयल्स के लिए दूसरी सबसे तेज फिफ्टी का रिकॉर्ड बनाया। वैभव की इस पारी की बदौलत राजस्थान ने मंगलवार को गुवाहाटी में चेन्नई सुपर किंग्स को 8 विकेट से हराया।सोमवार को चेन्नई 19.4 ओवर में 127 रन पर ऑलआउट हो गई। इसके जवाब में राजस्थान ने 12.1 ओवर में 2 विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया। यह राजस्थान रॉयल्स की सबसे बड़ी जीत रही।

गेंद बाकी रहने के लिहाज से राजस्थान की सबसे बड़ी जीत

राजस्थान ने 47 गेंद रहते अपने आईपीएल इतिहास का सबसे बड़ा रनचेज किया। इससे पहले 2014 में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ 42 गेंद बाकी रहते जीत हासिल की थी। मुंबई इंडियंस ने चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ सबसे ज्यादा 21 मैच जीते हैं। इसके बाद पंजाब किंग्स और राजस्थान रॉयल्स 16–16 जीत के साथ दूसरे नंबर पर हैं।

नसीम शाह पर जुर्माना लगाया मुख्यमंत्री नवाज पर किया था कमेंट

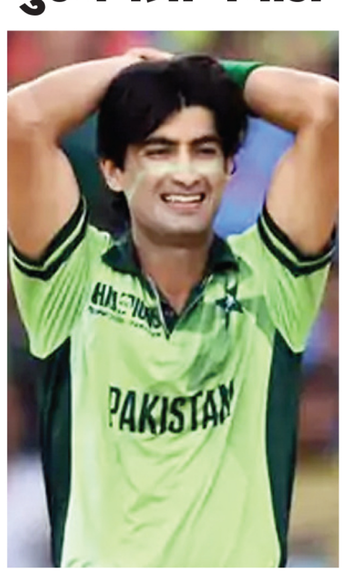

लाहौर,एजेंसी। पाकिस्तान के तेज गेंदबाज नसीम शाह पर पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने 2 करोड़ पाकिस्तानी रुपए का जुर्माना लगाया है। यह कार्रवाई मरियम नवाज की आलोचना वाले ट्वीट के बाद हुई, जिसे नसीम के अकाउंट से पोस्ट होने के कुछ देर बाद डिलीट कर दिया गया। इसे सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट की शर्तों का उल्लंघन माना।विवाद की शुरुआत के पहले मैच के बाद हुई। चेयरमैन मोहसिन नकवी ने पहले घोषणा की थी कि ईंधन बचाने और पश्चिमी एशिया संकट के कारण टूर्नामेंट बिना दर्शकों के होगा। लेकिन मैच के दौरान पूर्व पीएम नवाज शरीफ की बेटी और पंजाब की मुख्यमंत्री मरियम नवाज गद्दाफी स्टेडियम पहुंचीं और खिलाड़ियों से मिलीं। नसीम शाह के अकाउंट से एक पोस्ट को कोट-ट्वीट करते हुए लिखा गया 'उन्हें लॉर्ड्स की रानी की तरह ट्रीट क्यों किया जा रहा है विवादित ट्वीट के कुछ मिनट बाद ही उसे डिलीट कर दिया गया। इसके बाद नसीम ने एक और पोस्ट कर सफाई दी कि उनका अकाउंट हैक हो गया था। सोमवार को उन्होंने एक नया बयान जारी कर कहा, मेरे अकाउंट से पिछला पोस्ट मेरी मैनेजमेंट टीम ने किया था, वह मेरे विचार नहीं हैं। मैं अपने प्लेटफॉर्म की पूरी जिम्मेदारी लेता हूं और सोशल मीडिया मैनेजर को हटा दिया है। मैं इस गलती के लिए माफी मांगता हूं।

शाहीन पर 10 लाख का जुर्माना सुरक्षा नियमों को तोड़ने का है आरोप

लाहौर,एजेंसी। पाकिस्तान सुपर लीग 2026 में विवाद थमने का नाम नहीं ले रहे हैं। ताजा मामले में शाहीन शाह अफरीदी पर उनकी ही टीम लाहौर कलंदर्स ने 10 लाख पाकिस्तानी रुपये का जुर्माना लगाया है। यह कार्रवाई सुरक्षा नियमों के उल्लंघन के आरोपों के बाद की गई है। यह विवाद उस समय शुरू हुआ जब टीम होटल में कुछ अनधिकृत लोगों के प्रवेश को लेकर सुरक्षा एजेंसियों ने आपत्ति जताई। रिपोर्ट के मुताबिक, ये चार लोग सिकंदर रजा के जानने वाले थे, जिन्हें खिलाड़ियों के कमरे में आने की अनुमति नहीं दी गई थी।पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के सुरक्षा अधिकारियों और पीएसएल के सीईओ सलमान नजीर ने स्पष्ट रूप से इस अनुरोध को खारिज कर दिया था। इसके बावजूद आरोप है कि शाहीन अफरीदी और सिकंदर रजा ने उन लोगों को कमरे में एंट्री दिलाई।इस पूरे मामले पर लाहौर कलंदर्स ने आधिकारिक बयान जारी करते हुए कहा, 'यह मामला किसी जानबूझकर नियम तोड़ने का नहीं, बल्कि एक गलतफहमी का परिणाम है। हम सभी सुरक्षा प्रोटोकॉल का पूरा सम्मान करते हैं। हम एसओपी (स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर) का सख्ती से पालन करने के लिए प्रतिबद्ध हैं और भविष्य में ऐसी घटनाओं से बचने के लिए बेहतर संवाद की आवश्यकता है।'इस घटना के बाद टीम प्रबंधन ने अनुशासन बनाए रखने के लिए शाहीन अफरीदी पर 10 लाख पाकिस्तानी रुपये का जुर्माना लगाया। हालांकि, सिकंदर रजा के खिलाफ कोई आधिकारिक अनुशासनात्मक कार्रवाई नहीं की गई है। एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में सिकंदर रजा ने पूरी जिम्मेदारी अपने ऊपर लेते हुए कहा, 'इस मामले की जिम्मेदारी मेरी है। शाहीन अफरीदी को इसके लिए दोषी नहीं ठहराया जाना चाहिए।'

टीम मालिक की कोशिश भी रही नाकाम

बताया जा रहा है कि पहले टीम के लायजन अधिकारी ने मेहमानों को अनुमति दिलाने की कोशिश की थी, लेकिन सुरक्षा कारणों से इसे खारिज कर दिया गया। इसके बाद टीम के मालिक समीइन राणा ने भी पीएसएल प्रबंधन से अपील की, जिसे फिर से ठुकरा दिया गया। इसके बावजूद मेहमानों को कमरे में लाया गया, जो पूरे विवाद का कारण बना। लाहौर कलंदर्स का मानना है कि इस मामले को जरूरत से ज्यादा बढ़ा–चढ़ाकर पेश किया गया है। टीम ने कहा कि यह एक छोटी सी गलतफहमी थी, जिसे सार्वजनिक रूप से बड़ा विवाद बना दिया गया। हालांकि, सुरक्षा एजेंसियों का मानना है कि इस तरह की लापरवाही खिलाड़ियों और लीग दोनों के लिए खतरा पैदा कर सकती है, इसलिए ऐसे मामलों में सख्त कार्रवाई जरूरी है।

पोलियो को मात देकर लगातार 4 स्वर्ण जीते, देश की पहली खिलाड़ी जिन्होंने रचा इतिहास

इंदौर। बेंगलुरु के कोरामंगला स्टेडियम में आयोजित पैरा ताइक्वांडो नेशनल चैंपियनशिप 2025-26 में मध्य प्रदेश की प्रतिभाशाली खिलाड़ी सपना शर्मा ने अपनी स्वर्णिम सफलता का सिलसिला जारी रखते हुए एक बार फिर स्वर्ण पदक पर कब्जा जमाया है। यह सपना शर्मा का लगातार चौथा नेशनल गोल्ड मेडल है, जिसके साथ ही वह देश की पहली ऐसी दिव्यांग खिलाड़ी बन गई हैं जिन्होंने खेल जगत में यह विशिष्ट उपलब्धि हासिल की है। इंदौर की रहने वाली सपना की इस ऐतिहासिक जीत ने न केवल उनके शहर बल्कि पूरे प्रदेश का मान बढ़ाया है।

इस दो दिवसीय राष्ट्रीय प्रतियोगिता का आयोजन 28 और 29 मार्च को किया गया था, जिसमें देशभर के लगभग 70

खिलाड़ियों ने अपना कौशल दिखाया। फाइनल मुकाबले में सपना शर्मा ने अपनी बेहतरीन तकनीक और आत्मविश्वास का परिचय देते हुए प्रतिद्वंद्वियों को पस्त कर दिया। कड़े मुकाबले में तेलंगाना की ममता को रजत पदक से संतोष करना पड़ा, जबकि कृष्णवेणी ने कांस्य पदक हासिल किया। पूरे टूर्नामेंट के दौरान सपना का प्रदर्शन इतना प्रभावी रहा कि उन्होंने हर राउंड में अपना दबदबा बनाए रखा और स्वर्ण पदक पर अपना नाम दर्ज कराया। सपना शर्मा की सफलता की यह कहानी जितनी सुखद है, उनका सफर उतना ही चुनौतीपूर्ण रहा है। दोनों पैरों में पोलियो होने के बावजूद सपना ने शारीरिक अक्षमता को कभी अपने सपनों के आड़े नहीं आने दिया।

परिस्थितियों को बनाया अपनी सबसे बड़ी प्रेरणा

सपना अपनी सफलता का श्रेय अपनी मेहनत, आत्मविश्वास और कभी हार न मानने वाले जज्बे को देती हैं। वह किसी अन्य के बजाय अपनी खुद की जिंदगी और संघर्षों को अपना रोल मॉडल मानती हैं। उनके परिवार में पति संजय वर्मा और बेटी हनाया हैं, जो उनके इस कठिन सफर में हमेशा साथ खड़े रहे हैं। सपना का कहना है कि उन्होंने जो कुछ भी सीखा है, अपनी परिस्थितियों से ही सीखा है। वह उन सभी खिलाड़ियों से प्रेरणा लेती हैं जो विपरीत हालातों के बावजूद देश के लिए मेडल जीतकर लाते हैं।सपना शर्मा अब अपनी इस सफलता को अंतरराष्ट्रीय पटल पर ले जाना चाहती हैं। वह पहले भी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बना चुकी हैं, हालांकि कई बार आर्थिक कारणों से वह चयन होने के बाद भी विदेशी दौरों पर नहीं जा सकीं। लेकिन इन असफलताओं ने उन्हें और अधिक मजबूत बनाया है। अब उनका एकमात्र लक्ष्य अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भारत के लिए अधिक से अधिक स्वर्ण पदक जीतना और देश का गौरव बढ़ाना है। वह कहती हैं कि वह गिरकर संभलने और हर बार पहले से अधिक मजबूत होकर उभरने में विश्वास रखती हैं।

होर्मुज खुलवाए बिना युद्ध खत्म करने के इच्छुक हैं ट्रंप : वॉल स्ट्रीट जर्नल

» वाशिंगटन, भाषा।

अमेरिकी समाचार पत्र द वॉल स्ट्रीट जर्नल ने प्रशासनिक अधिकारियों का हवाला देते हुए बताया कि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने करीबी सहयोगियों से कहा है कि वह होर्मुज जलडमरूमध्य मोटे तौर पर बंद रहने की सूरत में भी ईरान के खिलाफ सैन्य अभियान खत्म करने के लिए तैयार हैं, जो बाद में किसी और समय फिर से शुरू किया जा सकता है। वॉल स्ट्रीट जर्नल की खबर के अनुसार हालिया दिनों में ट्रंप और उनके सहयोगियों द्वारा यह अनुमान लगाया है कि जलडमरूमध्य को जबरन खुलवाने के लिए एक अभियान चलाने से संघर्ष ट्रंप की निर्धारित समयसीमा, यानी चार-छह सप्ताह से आगे बढ़ जाएगा। खबर के अनुसार ट्रंप ने फैसला किया है कि अमेरिका को ईरान की नौसेना को कमजोर करने और उसके मिसाइल भंडार को नुकसान पहुंचाने जैसे अपने मुख्य उद्देश्यों को हासिल करने के बाद मौजूदा सैन्य संघर्ष को धीरे-धीरे समाप्त करना चाहिए, और साथ ही तेहरान पर कूटनीतिक दबाव डालकर व्यापार के मुक्त प्रवाह को फिर से शुरू करने के लिए मजबूर करना चाहिए।

खबर में अधिकारियों के हवाले से कहा गया है कि अगर यह प्रयास विफल रहता है, तो अमेरिका यूरोप और खाड़ी क्षेत्र में अपने सहयोगियों पर दबाव डालेगा कि वे जलडमरूमध्य को फिर खुलवाने के लिए आगे आएं। सोमवार को एक संवाददाता सम्मेलन में अमेरिकी राष्ट्रपति कार्यालय व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलीन लेविट ने कहा कि राष्ट्रपति और पेंटागन प्रमुख ने हमेशा सैन्य अभियान के लिए चार से छह सप्ताह की अनुमानित समयसीमा बताई है। उन्होंने कहा,आज 30 दिन हो गए हैं। लेविट ने यह संकेत भी दिया कि अरब देशों से भी ईरान में जारी सैन्य अभियान का बोझ साझा करने के लिए कहा जा सकता है। जब यह पूछा गया कि क्या कुवैत, यूएई और सऊदी अरब जैसे देशों को ईरान में जारी सैन्य अभियान का खर्च उठाना चाहिए तो उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि यह ऐसा मुद्दा है जिसमें राष्ट्रपति काफी रुचि ले सकते हैं। मैं इस पर उनसे पहले कुछ नहीं कहूंगी, लेकिन निश्चित रूप से यह एक विचार है और मुझे लगता है कि वह इस बारे में आपको ज्यादा जानकारी दे पाएंगे। अमेरिका और इजराइल ने 28 फरवरी को ईरान पर हमला कर दिया था, जिसके बाद ईरान ने पलटवार किया और पूरे खाड़ी क्षेत्र में संघर्ष फैल गया। होर्मुज जलडमरूमध्य दुनिया की ऊर्जा आपूर्ति के लिए एक बेहद महत्वपूर्ण रणनीतिक मार्ग है। होर्मुज जलडमरूमध्य फारस की खाड़ी को हिंद महासागर से जोड़ने वाला एक संकरा समुद्री मार्ग है, जो फिलहाल काफी हद तक बंद है। इसके कारण रोजाना गुजरने वाले सैकड़ों जहाजों की आवाजाही लगभग बंद हो गई है।

अमेरिका के सहयोगी खाड़ी देशों ने ईरान के खिलाफ युद्ध को जारी रखने का ट्रंप से किया अनुरोध

वाशिंगटन, भाषा। अमेरिका के सहयोगी खाड़ी देशों ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से ईरान के खिलाफ युद्ध जारी रखने का आग्रह किया है और कहा है कि एक महीने से जारी हमलों के बावजूद ईरान अभी पर्याप्त रूप से कमजोर नहीं हुआ है। अमेरिका, खाड़ी देश और इजराइल के अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों के अनुसार सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात, कुवैत और बहरीन के प्रतिनिधियों ने निजी बातचीत में यह संकेत दिया है कि वे चाहते हैं कि सैन्य अभियान तब तक जारी रहे जब तक ईरान में नेतृत्व स्तर पर अहम बदलाव नहीं हो जाता या उसके रुख में बड़ा परिवर्तन नहीं आता। इन अधिकारियों ने नाम गोपनीय रखने की शर्त पर यह जानकारी दी। खाड़ी देशों की ओर से यह बात ऐसे वक्त में सामने आई है जब ट्रंप यह दावा कर रहे हैं कि ईरान का नेतृत्व कमजोर हुआ है और समझौते के लिए तैयार है। ट्रंप साथ ही ईरान को चेतावनी दे रहे हैं कि यदि जल्द कोई समझौता नहीं हुआ तो युद्ध को और तेज किया जा सकता है। इस बीच, ट्रंप देश के भीतर उस युद्ध के लिए जनसमर्थन जुटाने में संघर्ष कर रहे हैं, जिसमें पूरे पश्चिम एशिया में 3,000 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है और जिसने वैश्विक अर्थव्यवस्था को हिला कर रख दिया है। ट्रंप लगातार कह रहे हैं कि उन्हें पश्चिम एशिया के अपने सबसे अहम सहयोगियों का पूरा समर्थन मिल रहा है, जिनमें कुछ ऐसे देश भी शामिल हैं जो युद्ध शुरू होने से पहले इस सैन्य अभियान को लेकर हिचकिचा रहे थे। ट्रंप ने रविवार शाम एयर फोर्स वन विमान में पत्रकारों से कहा था, सऊदी अरब तेज जवाबी हमले कर रहा है। कतर हमले कर रहा है। संयुक्त अरब अमीरात हमले कर रहा है। कुवैत भी पलटवार कर रहा है। बहरीन भी पीछे नहीं है। वे सभी जवाब दे रहे हैं। खाड़ी देशों में अमेरिकी सैनिक और सैन्य अड्डे मौजूद हैं, जहां से अमेरिका ने ईरान पर हमले किए हैं, लेकिन ए देश खुद सीधे तौर पर इन आक्रामक हमलों में शामिल नहीं हुए हैं।

ईरान के इस्फहान परमाणु केंद्र पर अमेरिका का हमला

तेहरान ने दुबई तट के पास तेल टैंकर को निशाना बनाया

» दुबई, भाषा।

अमेरिका-ईरान संघर्ष के बीच मंगलवार तड़के अमेरिकी हमले में ईरान के इस्फहान शहर में स्थित एक परमाणु ठिकाने को निशाना बनाया गया, जबकि तेहरान ने जवाबी कार्रवाई में दुबई तट के पास एक कुवैती तेल टैंकर पर हमला किया। इन घटनाओं ने क्षेत्रीय तनाव और वैश्विक ऊर्जा बाजारों में अस्थिरता को और बढ़ा दिया है। खबर के अनुसार, इस्फहान में हुए हमले के बाद आसमान में काफी ऊंचाई तक आग फैलती हुई दिखी। यह वही क्षेत्र है जहां पिछले साल जून में भी अमेरिकी सेना ने कार्वाई की थी। अमेरिकी कार्वाई के बाद भी इस्फहान में ईरान का संवर्धित यूरेनियम संग्रहित होने की आशंका जताई जाती है।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हमले का वीडियो साझा करते हुए कहा कि संघर्ष विराम के लिए कूटनीतिक प्रयास जारी हैं। इस बीच, ईरान ने खाड़ी क्षेत्र में हमले तेज करते हुए दुबई के जलक्षेत्र में एक कुवैती तेल टैंकर को ड्रोन से निशाना बनाया, जिससे उसमें आग लग गई। हालांकि बाद में आग पर काबू पा लिया गया। इस घटना में दुबई में चार लोग घायल भी हुए। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अरागची ने कहा कि ईरान केवल अमेरिकी बलों को निशाना बना रहा है। उन्होंने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा कि अमेरिकी बलों को क्षेत्र से बाहर किया जाना चाहिए। उधर, क्षेत्रीय तनाव के बीच बहरीन में सायरन की आवाज सुनाई दीं, जबकि सऊदी अरब ने राजधानी रियाद की ओर दागी गई तीन बैलिस्टिक मिसाइलों को मार गिराने का दावा किया। ड्रोन के मलबे से छह घरों को मामूली नुकसान पहुंचा। यरुशलम में भी सायरन सुनाई दिए और इजराइल ने ईरान की ओर से मिसाइल हमले की चेतावनी जारी की। इसके अलावा, लेबनान में जारी सैन्य अभियान के दौरान इजराइल के चार सैनिकों और दो संयुक्त राष्ट्र शांति सैनिकों की मौत की भी खबर है, जिसके बाद संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने आपात बैठक बुलाने का निर्णय लिया है। विशेषज्ञों का मानना है कि अगर यह संघर्ष और बढ़ता है तथा प्रमुख समुद्री मार्गों पर असर जारी रहता है, तो इससे वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं और अर्थव्यवस्था पर गंभीर प्रभाव पड़ सकता है।

जेन जेड आंदोलन के दमन में भूमिका के लिए काठमांडू के पूर्व सीडीओ गिरफ्तार

काठमांडू, भाषा। नेपाल में पिछले साल सितंबर में हुए जेन जेड आंदोलन के दमन में कथित भूमिका के लिए काठमांडू के पूर्व मुख्य जिला अधिकारी (सीडीओ) छवि रिजाल को मंगलवार को गिरफ्तार कर लिया गया। नेपाल पुलिस के अनुसार, रिजाल उन उच्च अधिकारियों की सूची में शामिल हैं जिन्हें इस आंदोलन को दबाने के लिए जिम्मेदार ठहराया गया है। इस आंदोलन के दौरान 76 लोगों की मौत हुई थी। उन्हें काठमांडू के सुबिधानगर स्थित उनके आवास से गिरफ्तार किया गया। यह घटनाक्रम पूर्व प्रधानमंत्री के.पी. शर्मा ओली और तत्कालीन गृह मंत्री रमेश लेखक की गिरफ्तारी के कुछ दिनों बाद सामने आया है। जेन जेड आंदोलन से जुड़े घटनाक्रम की जांच के लिए गठित आयोग ने ओली और लेखक समेत अन्य के खिलाफ आपराधिक मामले में कानूनी कार्रवाई की सिफारिश की थी। इस बीच, ओली की हिरासत को लेकर जारी विरोध प्रदर्शन के बावजूद नेपाल के सर्वोच्च न्यायालय ने सोमवार को उन्हें अंतरिम राहत देने से इनकार कर दिया। काठमांडू जिला अदालत ने रविवार को ओली और लेखक को पांच दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया था। ये गिरफ्तारियां बालेंद्र शाह के नेतृत्व में बनी नई सरकार द्वारा अपनी पहली कैबिनेट बैठक में जांच आयोग की रिपोर्ट लागू करने के फैसले के बाद हुई हैं। जेन जेड वे युवा हैं जिनका जन्म 1997 से 2012 के बीच हुआ। युवाओं के नेतृत्व में हुए जेन जेड आंदोलन में भ्रष्टाचार, भाई-भतीजावाद और सोशल मीडिया पर प्रतिबंध के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किए गए थे, जिसके कारण ओली को प्रधानमंत्री पद से हटना पड़ा था।

न्यूज ब्रीफ

इंडोनेशिया में नौका डूबने के बाद लापता हुए 21 लोगों को बचाया गया

» पालू, भाषा।

इंडोनेशिया के बचाव दल ने तूफान के बीच समुद्र में नौका डूबने के बाद 21 यात्रियों को मंगलवार को बचा लिया। पालू शहर में खोज एवं बचाव कार्यालय के प्रमुख मुहम्मद रिजाल ने कहा कि नौका पर रवाना हुए सभी लोग सुरक्षित पाए गए। अधिकारियों ने पहले 27 लोगों के लापता होने की सूचना दी थी, लेकिन जीवित बचे लोगों ने बताया कि यात्रियों की सूची में शामिल छह लोगों ने यात्रा की योजना रद्द कर दी थी। बचावकर्मियों को पता चला कि मछली पकडऩे वाले दल में शामिल ए लोग घटनास्थल से लगभग 46 किलोमीटर दूर एक नौका पर सवार हैं। रिजाल ने कहा कि नाजिला 05 नामक नौका रविवार शाम के बाद तालीबु द्वीप के एक बंदरगाह से उत्तरी सुलावेसी प्रांत के केमा के लिए रवाना हुई थी।

उन्होंने कहा कि इस नौका का इस्तेमाल अक्सर पर्यटकों को ले जाने के लिए किया जाता था और इसे स्थानीय रूप से मछली पकड़ने वाले या छोटे यात्री जहाज के रूप में भी जाना जाता था। नाजिला 05 के मालिक ने अधिकारियों को बताया कि नाव के कैप्टन ने सूचना दी थी कि ऊंची लहरों के कारण नाव का आगे का हिस्सा टूट गया और तूफानी मौसम के दौरान नाव डूब गई। उन्होंने बताया कि नाजिला 05 के डूबने से पहले चालक दल के सभी सदस्य किसी दूसरी नाव में सवार होने में सफल रहे। इंडोनेशिया में 17,000 से अधिक द्वीप हैं, और यहां नावें परिवहन का प्रमुख साधन हैं।

सूरीनाम के पूर्व राष्ट्रपति चंद्रिका प्रसाद संतोखी का निधन

» पारामारिबो, भाषा।

सूरीनाम के पूर्व राष्ट्रपति चंद्रिकाप्रसाद संतोखी का निधन हो गया। वह 67 वर्ष के थे। सूरीनाम की राष्ट्रपति जेनिफर गीरलिंग्स-सायमंस ने सोशल मीडिया पर एक बयान में उनके निधन की पुष्टि की। हालांकि उन्होंने यह जानकारी नहीं दी कि संतोखी का निधन कैसे हुआ। उन्होंने कहा, विभिन्न सार्वजनिक पदों पर उनकी वर्षों की सेवा को हमेशा याद किया जाएगा। पूर्व पुलिस आयुक्त रहे संतोखी ने 1982 में कम से कम 12 राजनीतिक प्रतिद्वंद्वियों की हत्या मामले की जांच की थी। नेताओं की हत्याओं की घटना ने देश को झकझोर कर रख दिया था।

चान के नाम से प्रख्यात संतोखी ने राष्ट्रपति के रूप में 2020 से 2025 तक देश की बागडोर संभाली थी। इससे पहले वह 2005 से 2010 तक न्याय एवं पुलिस मंत्री भी रहे थे।

नीदरलैंड के प्रधानमंत्री रॉब जेटेन ने एक्स पर लिखा कि पूर्व राष्ट्रपति के असामयिक निधन से वह अत्यंत दुखी और स्तब्ध हैं।

ऑस्ट्रेलिया: सोशल मीडिया कंपनियां 16 वर्ष से कम उम्र के बच्चों पर प्रतिबंध लगाने पर अमल नहीं कर रहीं

» मेलबर्न, भाषा।

ऑस्ट्रेलिया में 16 वर्ष से कम आयु के बच्चों के लिए लगाए गए सोशल मीडिया प्रतिबंध के करीब चार महीने बाद जारी पहली विस्तृत अनुपालन रिपोर्ट में पाया गया है कि प्रमुख सोशल मीडिया कंपनियां नियमों का पूरी तरह पालन नहीं कर रही हैं। ऑनलाइन सुरक्षा नियामक ई-सेफ्टी की इस रिपोर्ट ने कई गंभीर चिंताएं उजागर की हैं। रिपोर्ट के अनुसार, कुछ सोशल मीडिया मंचों ने कानून का पालन करने के लिए कदम उठाए हैं और जनवरी मध्य तक करीब 47 लाख तथा मार्च की शुरुआत तक अतिरिक्त 3.1 लाख खातों को हटाया गया। हालांकि, इसके बावजूद चार प्रमुख क्षेत्रों में अनुपालन को लेकर चिंता बनी हुई है।

इनमें ऐसे संदेश शामिल हैं जो 16 वर्ष से कम उम्र के उपयोगकर्ताओं को आयु सत्यापन प्रक्रिया को पार करने के लिए प्रेरित करते हैं। प्रतिबंध के उल्लंघन के लिए कुछ प्लेटफॉर्म द्वारा बार-बार आयु सत्यापन का प्रयास करने की अनुमति देना, माता-पिता के लिए शिकायत दर्ज कराने की प्रभावी व्यवस्था का अभाव, तथा नाबालिगों को खाते बनाने से रोकने में अपर्याप्त प्रयास जिम्मेदार हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि ई-सेफ्टी आयुक्त जूली इनमैन ग्रांट अब फेसबुक, इन्स्टाग्राम, स्नैपचैट, टिकटॅक और यू ट्यूब के खिलाफ संभावित उल्लंघन की जांच कर रही हैं। फिलहाल किसी कंपनी पर जुर्माना नहीं लगाया गया है और वर्ष के मध्य तक कार्रवाई पर निर्णय लिया जा सकता है। सरकार ने हाल ही में नए नियम भी लागू किए हैं,

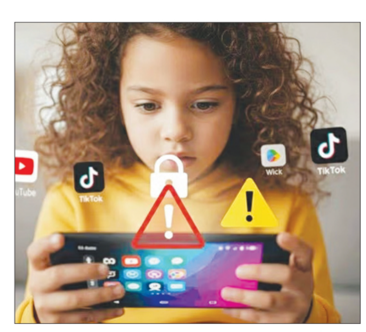

जिनके तहत उन सोशल मीडिया मंच को भी कानून के दायरे में लाया गया है जिनमें आसक्त करने वाले फीचर होते हैं। इनमें अनंत स्क्रॉल, लाइक या अपवोट जैसे फीडबैक फीचर और समय-सीमा वाली स्टोरी जैसे विकल्प शामिल हैं, जो उपयोगकर्ताओं को बार-बार प्लेटफॉर्म पर लौटने के लिए प्रेरित करते हैं। हालांकि, रिपोर्ट यह भी स्पष्ट करती है कि 50 लाख से अधिक खातों को हटाना वास्तविक उपयोगकर्ताओं की संख्या को नहीं दर्शाता, क्योंकि कई लोग एक से अधिक खाते रखते हैं। यह भी स्पष्ट नहीं है कि प्रतिबंध लागू होने के बाद कितने नए खाते बनाए गए या कितने नाबालिग अन्य प्लेटफॉर्म की ओर चले गए। दिसंबर के बाद रेडनोट, योपे और लेमन8 जैसे कम चर्चित प्लेटफॉर्म के डाउनलोड में वृद्धि की खबरें सामने आई हैं। साथ ही, कुछ ऐप जैसे मैसेजिंग सेवाएं और गेमिंग प्लेटफॉर्म अभी भी इस प्रतिबंध के दायरे से बाहर हैं, जिससे कानून में खामियां होने की बात कही जा रही है। विशेषज्ञों का कहना है कि सोशल मीडिया का परिदृश्य लगातार बदल रहा है, जिससे सभी सोशल मीडिया मंचों को प्रभावी ढंग से नियंत्रित करना चुनौतीपूर्ण है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि कंपनियों द्वारा उठाए गए उचित कदम पर्याप्त हैं या नहीं, इसका अंतिम निर्णय अदालतों को करना होगा। रिपोर्ट के अनुसार, केवल आयु-आधारित प्रतिबंध से सोशल मीडिया के वास्तविक खतरोंजैसे हानिकारक सामग्री, एल्गोरिदम और डिजाइनका समाधान नहीं होता। ऐसे में विशेषज्ञों ने व्यापक और सख्त कानूनों की आवश्यकता पर जोर दिया है। कुल मिलाकर, रिपोर्ट से संकेत मिलता है कि 16 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए सोशल मीडिया प्रतिबंध के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए अभी लंबा रास्ता तय करना बाकी है।

समीक्षा : गेट ऑफ टीयर्स बन सकता है नया वैश्विक संकट बिंदु, वैश्विक अर्थव्यवस्था पर बढ़ा खतरा

» जूंडालूप, भाषा।

वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति और समुद्री व्यापार पर पश्चिम एशिया संकट के कारण होर्मुज जलडमरूमध्य पर पहले से बने दबाव के बीच अब एक और अहम समुद्री मार्ग बाब अल-मंदेब जलडमरूमध्य को लेकर चिंताएं बढऩे लगी हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि यह जलडमरूमध्य जल्द ही एक नए वैश्विक तनाव केंद्र के रूप में उभर सकता है, जिससे विश्व अर्थव्यवस्था पर गंभीर असर पड़ सकता है। होर्मुज जलडमरूमध्य दुनिया के लगभग 20 प्रतिशत तेल और गैस के परिवहन का प्रमुख मार्ग है। ईरान ने खुद पर अमेरिका और इजराइल के हमलों के बाद इस मार्ग को बंद कर दिया है जिससे वैश्विक बाजारों में अस्थिरता बढ़ गई है। इसी बीच, विश्लेषकों ने चेतावनी दी है कि अब बाब अल-मंदेब जलडमरूमध्य भी संकट का केंद्र बन सकता है।

दरअसल, 28 मार्च को यमन के हूती विद्रोहियों ने इजराइल की ओर मिसाइलें दागीं। यह कदम ईरान-इजराइल संघर्ष शुरू होने के बाद पहली बार उठाया गया है। यमन, बाब अल-मंदेब जलडमरूमध्य के

एक किनारे पर स्थित है और हूती पहले भी लाल सागर में जहाजों पर हमले कर चुके हैं, जिससे 2023 और 2024 में समुद्री यातायात बाधित हुआ था। हूती विद्रोही यमन के उत्तरी हिस्सों पर नियंत्रण रखते हैं और ईरान समर्थित माने जाते हैं। खबरों के अनुसार, ईरान ने हूतियों से इस तरह के हमलों के लिए तैयारी करने को कहा है, जिससे स्थिति और गंभीर हो सकती है। बाब अल-मंदेब जलडमरूमध्य अपने सबसे संकरे हिस्से में लगभग 30 किलोमीटर चौड़ा है। यह जलडमरूमध्य यमन और अफ्रीका के देशों इरिट्रिया तथा जिबूती के बीच स्थित है। अरबी में इसका अर्थ आंसुओं का द्वार यानी गेट्स ऑफ टियर्स है, जो इसके खतरनाक समुद्री हालात को दर्शाता है। यह जलडमरूमध्य और मिस्र की स्वेज नहर मिलकर भूमध्य सागर और हिंद महासागर के बीच सीधा समुद्री संपर्क स्थापित करते हैं। इसके कारण जहाजों को अफ्रीका के दक्षिणी सिरे का लंबा चक्कर लगाने की आवश्यकता नहीं पड़ती, जिससे समय और लागत दोनों की बचत होती है। सामान्य परिस्थितियों में वैश्विक समुद्री व्यापार का लगभग 14 प्रतिशत हिस्सा इसी मार्ग से गुजरता है। अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी के अनुसार, 2025 में प्रतिदिन करीब 42 लाख बैरल कच्चा तेल और पेट्रोलियम उत्पाद इस मार्ग से गुजरे, जो वैश्विक उत्पादन का लगभग पांच प्रतिशत है। हालांकि, विशेषज्ञों का कहना है कि इस जलडमरूमध्य को पूरी तरह बंद करना संभव नहीं है, लेकिन हमलों का खतरा ही जहाजरानी कंपनियों को वैकल्पिक लंबे मार्ग अपनाने के लिए मजबूर कर सकता है। इससे आपूर्ति श्रृंखलाओं में देरी और लागत में वृद्धि होगी। तनाव बढ़ने पर हालात और बिगड़ सकते हैं।

हर मुद्दे पर मैं अपने पति से सहमत नहीं होती: उषा वेंस

वाशिंगटन, भाषा। अमेरिका की द्वितीय महिला उषा वेंस ने कहा है कि वह हर मुद्दे पर अपने पति से सहमत नहीं होतीं। उषा ने कहा कि ऐसा संभव नहीं है कि दोनों हर मुद्दे पर एक राय रखें। उषा ने कहा कि वह खुद को अपने पति और अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस की भरोसेमंद सलाहकार मानती हैं, खासकर तब जब वे किसी ऐसे मुद्दे पर निर्णय ले रहे हों जो व्यक्तिगत रूप से महत्वपूर्ण हो। पहली भारतीय-अमेरिकी द्वितीय महिला उषा ने एनबीसी न्यूज को दिए साक्षात्कार में कहा कि वह और उनके पति हर मुद्दे पर एक जैसी राय नहीं रखते हैं, लेकिन असहमति बातचीत के लिए खुला अवसर देती है। उषा वेंस ने कहा, हमारे बीच हर समय बातचीत होती रहती है। उन्होंने कहा, मैं वास्तव में यह समझना चाहती हूं कि उनकी दुनिया में क्या चल रहा है, वह किस चीज पर ध्यान दे रहे हैं, उन्हें क्या चिंताएं हैं। उन्होंने कहा, मैं उनका समर्थन करना चाहती हूं और अगर मुझे वास्तव में पता ही नहीं होगा कि क्या चल रहा है, तो मैं ऐसा नहीं कर पाऊंगी। उषा ने बताया कि उपराष्ट्रपति उनके पास तभी सलाह लेने आते हैं, जब कोई चीज उन्हें परेशान कर रही होती है या जब वे किसी ऐसे मुद्दे पर बात करना चाहते हैं जो व्यक्तिगत रूप से बहुत महत्वपूर्ण महसूस होती है। उन्होंने स्पष्ट किया, मैं उनकी कर्मचारी नहीं हूं। मैं इसमें किसी पेशेवर रूप से शामिल नहीं हूं। ऐसा संभव नहीं है कि हम हर मुद्दे पर एक राय रखें। उन्होंने कहा, उम्मीद यह है कि हम खुले दिमाग से बातचीत करेंगे।

अंतरराष्ट्रीय समुदाय और मानवाधिकार संगठनों ने कड़ी आलोचना करते हुए इसे भेदभावपूर्ण और अमानवीय बताया

इजराइली संसद में हत्या के दोषी फलस्तीनियों के लिए मृत्युदंड कानून पारित

» यरूशलम, भाषा।

यरूशलम में इजराइल की संसद नेसेट ने सोमवार को एक कानून पारित किया जिसके तहत इजराइलियों की हत्या के दोषी ठहराए गए फलस्तीनियों के लिए मृत्युदंड का प्रावधान किया गया है। इस कदम की अंतरराष्ट्रीय समुदाय और मानवाधिकार संगठनों ने कड़ी आलोचना करते हुए इसे भेदभावपूर्ण और अमानवीय बताया है। यह विधेयक लंबे समय से दक्षिणपंथी धड़े द्वारा किए जा रहे प्रयासों का परिणाम माना जा रहा है, जिसका उद्देश्य राष्ट्रवादी अपराधों में दोषी पाए गए फलस्तीनियों के लिए सजा को और कड़ा करना है।

प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू स्वयं संसद में मौजूद रहे और विधेयक के पक्ष में मतदान किया। नए कानून के तहत वेस्ट बैंक में तथाकथित राष्ट्रवादी हत्याओं के मामलों में दोषी पाए गए फलस्तीनियों के लिए फांसी के जरिए मृत्युदंड अनिवार्य सजा होगी। हालांकि, कानून में यह भी प्रावधान है कि समान आरोपों में दोषी पाए गए इजराइली नागरिकों पर भी मृत्युदंड लागू किया जा सकता है, लेकिन कानूनी विशेषज्ञों का कहना है कि व्यवहार में यह प्रावधान मुख्य रूप से फलस्तीनियों पर ही लागू होगा और यहूदी नागरिक इससे बाहर रहेंगे। यह कानून पूर्व प्रभाव से लागू नहीं होगा, यानी वर्तमान में हिरासत में मौजूद कैदियोंजिनमें 7 अक्टूबर 2023 को हुए हमलों से जुड़े हमास के लड़ाके भी शामिल हैं पर इसका असर नहीं पड़ेगा। कुल 120 सदस्यीय नेसेट में हुए मतदान में 62 सदस्यों ने विधेयक के पक्ष में और 48 ने विरोध में मतदान किया। परिणाम घोषित होने के बाद समर्थक सांसदों ने खुशी जाहिर की, जबकि नेतन्याहू ने तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं दी। राष्ट्रीय सुरक्षा मंत्री इतामार बेन-गवीर, जिन्होंने इस कानून को आगे बढ़ाने में प्रमुख भूमिका निभाई, ने फैसले पर खुशी जताई। वहीं, विधेयक की सह-प्रस्तावक और दक्षिणपंथी सांसद लिमोर सोन हार-मेलेच, जिनके पति की वेस्ट बैंक में एक हमले में मौत हुई थी, भावुक नजर आईं।

मिशन ईरान में अमेरिकी रणनीति सफल, मंजिल करीब दिख रही - रुबियो

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने फॉक्स न्यूज को दिए साक्षात्कार में कहा कि अमेरिका ईरान में अपने उद्देश्यों को प्राप्त करने की दिशा में तेजी से बढ़ रहा है। उसके सैन्य अभियान "असाधारण दक्षता" के साथ चलाए जा रहे हैं। रुबियो ने कहा, "हम अपने लक्ष्य की ओर तेजी से बढ़ रहे हैं और अपने सभी उद्देश्यों को पूरा करने में निर्धारित समय से आगे हैं। हमें मंजिल नजर आ रही है। हमारी सेना असाधारण दक्षता के साथ अपने उद्देश्यों को प्राप्त कर रही है, जो मुझे लगता है कि आधुनिक समय के सबसे सफल सामरिक सैन्य अभियानों में से एक के रूप में इतिहास में दर्ज होगा।" रूबियो ने इस आलोचना को भी खारिज कर दिया कि कूटनीति के माध्यम से मौजूदा स्थिति को टाला जा सकता था और कहा कि ईरान बार-बार गंभीरता से बातचीत करने में विफल रहा है। उन्होंने कहा, "उन्होंने बातचीत से इनकार कर दिया, जो लोग यह

कह रहे हैं कि इसे कैसे टाला जा सकता था, उन्हें कई वार्ताओं में हर अवसर दिया गया और उन्होंने या तो अस्वीकार कर दिया या टालमटोल किया। डोनाल्ड ट्रम्प के शासन में ऐसा नहीं होने वाला है।" रूबियो ने अमेरिकी कार्रवाई को तेहरान से बढ़ते रणनीतिक खतरे का मुकाबला करने के लिए आवश्यक बताया। रुबियो ने कहा, "ईरान अगला उत्तर कोरिया बनने का लक्ष्य रख रहा था, बस फर्क इतना था कि वहां कट्टरपंथी शिया धर्मगुरु शासन कर रहे थे और उनके पास ऐसी अंतरमहाद्वीपीय मिसाइलें थीं जो अमेरिका तक पहुंच सकती थीं। अगर राष्ट्रपति ट्रंप ने ये कदम न उठाए होते, तो यही हासिल होता।" विदेश मंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि वाशिंगटन बातचीत के लिए खुला है, लेकिन वह बातचीत को टालमटोल की रणनीति के रूप में इस्तेमाल नहीं होने देगा। राष्ट्रपति दिखावटी बातचीत को टालमटोल की रणनीति के रूप में इस्तेमाल नहीं होने देंगे।" रुबियो ने कहा, "हम हमेशा बातचीत के लिए तैयार रहेंगे लेकिन हम बातचीत की विफलता को देश की रक्षा करने और इसे किसी वास्तविक खतरे से बचाने की हमारी क्षमता में बाधा नहीं बनने देंगे।" रुबियो की टिप्पणियां अमेरिका के दोहरे दृष्टिकोण को रेखांकित करती हैं। बातचीत के लिए खुलापन दिखाते हुए राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए आवश्यक सैन्य अभियानों को जारी रखना। उनकी टिप्पणियां अभियान की गति और प्रभावशीलता दोनों में विश्वास दिखाने के प्रयास को भी दर्शाती हैं।

मुद्रक, प्रकाशक व स्वत्वाधिकारी आरपी न्यूज़ नेटवर्क प्राईवेट लिमिटेड के लिये श्रीराम ऑफसेट, 14, शॉपिंग सेंटर, ज़ोरावरसिंह गेट के बाहर, आमेर रोड, जयपुर से मुद्रित तथा रॉयल पत्रिका कार्यालय: 4312, मोहल्ला नायकान, नाहरवाड़ा, जगन्नाथ शाह का रास्ता, रामगंज, जयपुर से प्रकाशित। पीआरबी एक्ट के अनुसार खबरों के चयन के लिए उत्तरदायित्व संपादक मुन्ना खान मोबाइल नंबर 9772552446, 8058969180 ई-मेल: rpnewsnetworkpvt.ltd@gmail.com